THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

फिर उठी तीन डिप्टी सीएम बनाने की मांग

बंगलूरू, 29 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार और कांग्रेस पार्टी में घमासान मचा हुआ है। वहां मुख्यमंत्री बदलने की मांग तेज हो गई है। यहां तक कि कर्नाटक में तीन और उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग उठ रही है। बता दें कि राज्य में इस वक्त मुख्यमंत्री सिद्धरमैया है, वहीं उपमुख्यमंत्री पद पर डीके शिवकुमार काम कर रहे हैं। दो-दो मंत्रियों के बावजूद तीन और उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग गूंजने लगी है। डिप्टी सीएम के मांग के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से इस मुद्दे पर सार्वजनिक बयान नहीं देने को कहा। साथ ही अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी दी।

वर्ष-29 अंक : 98 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आषाढ कृ.9 2081 रविवार, 30 जून-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

'एनडीआरएफ जवानों को 40 प्रतिशत की दर से मिलेगा जोखिम और कठिनाई भत्ता'

अमित शाह ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को एनडीआरएफ के पर्वतारोहण अभियान के ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान अमित शाह ने पर्वतारोहण अभियान पर गई टीम की तारीफ की और कहा कि ऐसी गतिविधियां अधिकतर लोगों के लिए जुनून हैं और सिर्फ कुछ लोगों के लिए ही ड्यूटी है। गृह मंत्री ने कहा 'मैं एनडीआरएफ को सफल पर्वतारोही अभियान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान बल और बल में शामिल जवानों की मजबूती को बढ़ाते हैं। साथ ही ये अभियान लक्ष्यों को हासिल करने और जीत की आदत बनाने में भी मदद करते हैं। इन्हीं आदतों से कोई भी बल महान बनता है।' अपने संबोधन के दौरान अमित शाह ने कहा कि लंबे समय से एनडीआरएफ जवानों के जोखिम और कठिनाई भत्ते को बढ़ाने की मांग की जा रही थी और अब सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। सरकार ने शुक्रवार को इसकी मंजूरी दी। गृह मंत्री ने कहा कि 'मैं एक खुशखबरी देना चाहता हूं कि सरकार ने एनडीआरएफ जवानों के जोखिम और कठिनाई भत्ते को बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने का फैसला किया है।

लद्दाख में नदी में फंसा टैंक, 5 जवानों की मौत

लेह, 29 जून (एजेंसियां)। लद्दाख के न्योमा-चुशूल इलाके में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के पास श्योक नदी का जलस्तर बढ़ने से सेना के 5 जवान बह गए। सभी की मौत हो गई है। इनमें एक जूनियर कमिशन्ड ऑफिसर (जेसीओ) भी थे। घटना शुक्रवार की रात करीब 1 बजे की है। जानकारी शनिवार (29 जून) को सामने आई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, सेना के जवान मिलिट्री एक्सरसाइज के बाद टी-72 टैंक से लौट रहे थे। मिलिट्री टैंक ईस्टर्न लद्दाख के सासेर ब्रांगसा में श्योक नदी पार कर रहा था, तभी पानी का लेवल अचानक बढ़ गया और जवान टैंक सहित नदी में डूबने लगे।

केजरीवाल 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को 14 दिन (12 जुलाई) की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। दिल्ली शराब नीति केस में सीबीआई ने उन्हें 26 जून को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। 3 दिन की कस्टडी के बाद आज उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था।

शराब नीति केस में सीबीआई केजरीवाल के खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़े मामले की जांच कर रही है। सीबीआई ने आज सुनवाई के दौरान जस्टिस सुनैना शर्मा की अदालत से कहा कि उन्हें अब केजरीवाल की कस्टडी की जरूरत नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। वे पहले से ही मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ में हैं। केजरीवाल पर दो मामले दर्ज हैं।

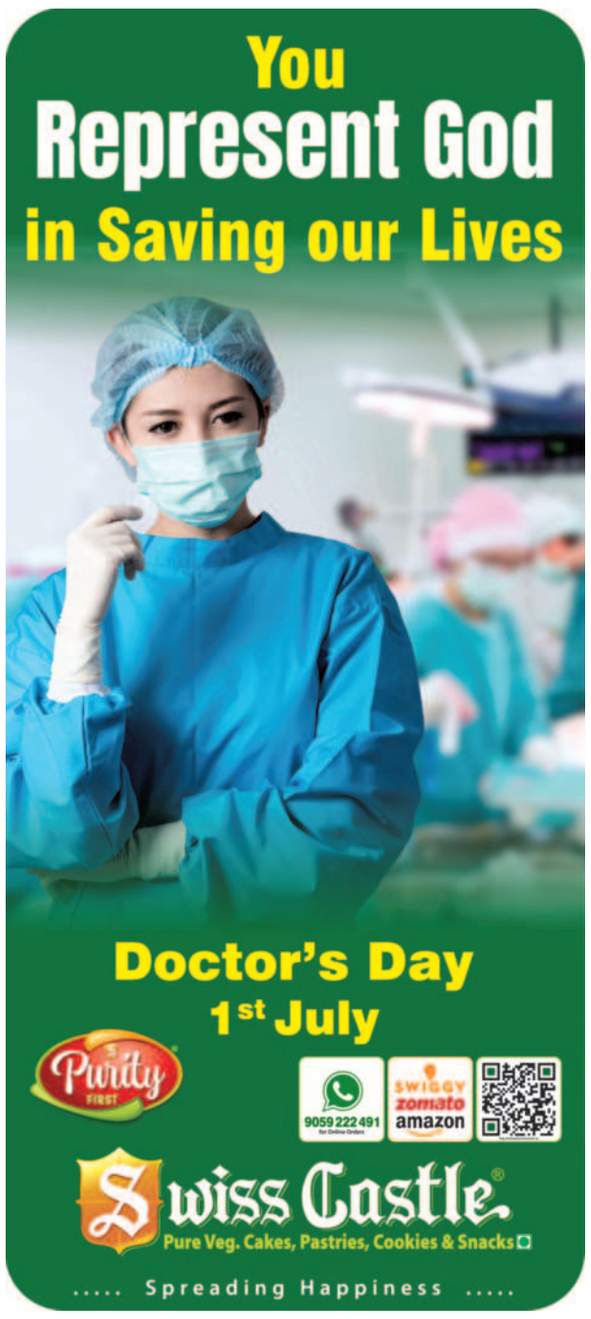

एनटीए की 3 परीक्षाओं की नई तारीखों का ऐलान

ऑनलाइन मोड में 10 जुलाई से 4 सितंबर के बीच होंगी

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने यूजीसी-एनईटी, सीएसआईआर-एनईटी और एनसीईटी की परीक्षाओं की नई तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। ये एग्जाम 10 जुलाई से 4 सितंबर के बीच होंगे। ये तीनों परीक्षाएं पहले जून में होनी थीं, जो अलग-अलग वजहों से कैंसिल हो गई थीं। नई तारीखों के मुताबिक एनसीईटी का एग्जाम 10 जुलाई को होगा। यूजीसी एनईटी 21 अगस्त से 4 सितंबर के बीच सीएसआईआर-यूजीसी एनईटी 25 जुलाई से 27 जुलाई के बीच होगा।

इस बार एग्जाम मोड भी ऑनलाइन रखा गया है। रद्द होने से पहले यूजीसी-एनईटी पेन और पेपर मोड में हुआ था। इनके अलावा ऑल इंडिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट एंट्रेस एग्जाम (एआईएपीजीईटी) 2024 तय तारीख यानी 6 जुलाई को होगा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए पहले से ही नीट यूजी 2024 विवाद को लेकर आरोपों से घिरी है।

11 जून को सुप्रीम कोर्ट ने स्टूडेंट शिवांगी मिश्रा और 9 अन्य छात्रों की याचिका पर सुनवाई की थी। इसे रिजल्ट की घोषणा से पहले 1 जून को दायर किया गया था। कैंडिडेट्स ने बिहार और राजस्थान के एग्जाम सेंटर्स पर गलत क्वेश्चन पेपर्स बंटने के चलते हुई गड़बड़ी की शिकायत की थी और परीक्षा रद्द कर एसआईटी जांच की मांग की गई थी।

नकली शराब से मौतों के बाद जागी स्टालिन सरकार

नियम और कड़े करने के लिए संशोधन विधेयक पारित

चेन्नई, 29 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कल्लाकुरिचि जिले में हाल ही में अवैध देशी शराब पीने से कम से कम 34 लोगों की मौत गई थी। नकली शराब से मौतों के बाद आखिरकार स्टालिन सरकार जग ही गई। अब उसने कड़े नियम करने को लेकर तमिलनाडु निषेध अधिनियम 1937 में संशोधन के लिए तमिलनाडु विधानसभा में विधेयक पेश किया। मंत्री एस मुथुसामी द्वारा पेश किए गए इस विधेयक को बाद में सदन ने पारित कर दिया।

विधेयक में अवैध शराब के आयात, निर्यात, परिवहन, कब्जे, निर्माण, बोतलबंद और उपभोग जैसे अपराधों के लिए विभिन्न दंडों का प्रावधान है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा 'सरकार कुछ भी छिपा नहीं रही है और हमने कल्लाकुरिची घटना के सिलसिले में लोगों को गिरफ्तार किया है। यह सरकार अवैध शराब को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।' उन्होंने आगे कहा, 'कल्लाकुरिची की घटना के बाद, मैंने कलेक्टरों और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। मैंने उस बैठक में कहा था कि यदि भविष्य में किसी की जान जाती है तो पुलिस निरीक्षक और जिला पुलिस अधीक्षक जिम्मेदार होंगे। हम अपने राज्य में अवैध शराब को कम करने के लिए सभी कदम उठा रहे हैं। मैं सभी से राजनीति को अलग रखने और तमिलनाडु में ड्रग्स को खत्म करने के लिए एकजुट होकर काम करने की अपील करता हूं।'

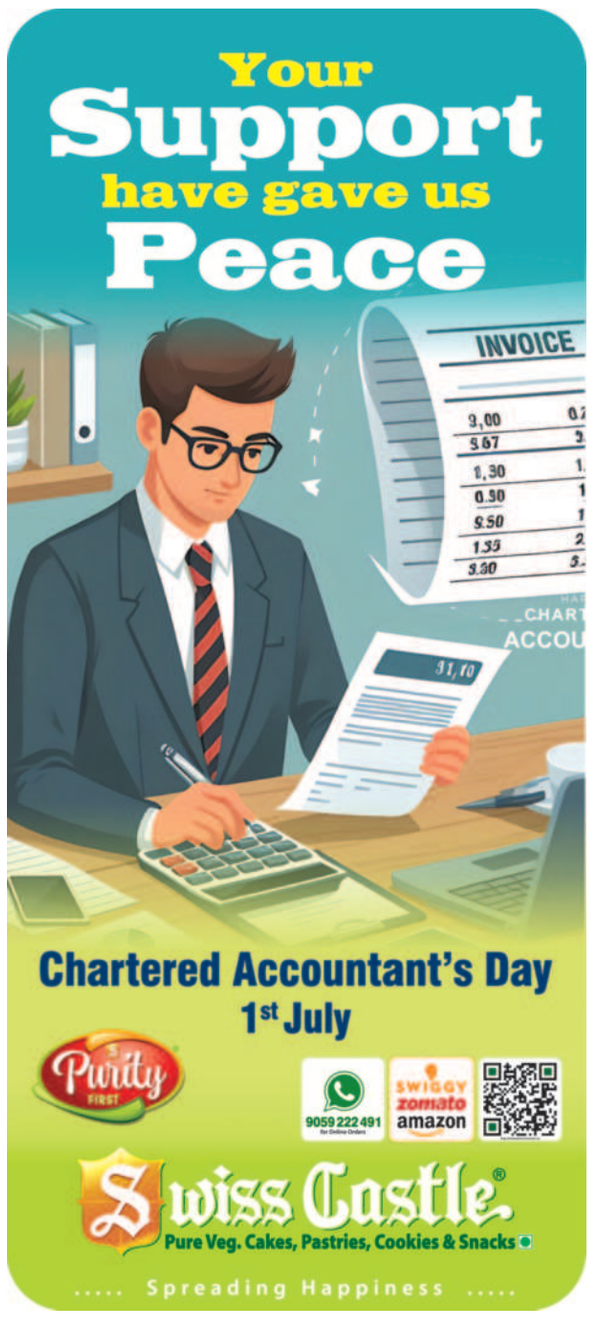

पीएम आम सहमति का उपदेश देते हैं

लेकिन टकराव को महत्व देना जारी रखते हैं', सोनिया के लेख में नरेंद्र मोदी पर हमला

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 18वीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू होने के एक हफ्ते बाद, अपने आर्टिकल के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने लिखा है, 'प्रधानमंत्री ऐसे व्यवहार कर रहे हैं मानो कुछ भी नहीं बदला है। वह आम सहमति का उपदेश देते हैं, लेकिन टकराव को महत्व देना जारी रखते हैं। इस बात के जरा भी संकेत नहीं मिलते कि उन्होंने (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) लोकसभा चुनाव 2024 के जनादेश को समझा है और लाखों मतदाताओं के संदेश पर गौर किया है'।

सोनिया गांधी ने संसद सत्र के संचालन के तरीके पर निराशा व्यक्त करते हुए लिखा है, 'दुख की बात है कि 18वीं लोकसभा के पहले कुछ दिन उत्साहवर्धक नहीं रहे। सदन में सौहार्द की तो बात ही छोड़िए, ऐसी कोई आशा नहीं दिखी कि आपसी सम्मान और सहमति की एक नई भावना को बढ़ावा दिया जाएगा'। हालांकि, विपक्ष ने दोनों सदनों में नीट पेपर लीक पर चर्चा की मांग करते हुए शुक्रवार को संसद में सरकार को घेरा, लेकिन सोनिया गांधी ने संकेत दिया है कि इंडिया ब्लॉक सोमवार से राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेने का इरादा रखता है। उन्होंने लिखा है, 'इंडिया ब्लॉक में शामिल पार्टियों ने स्पष्ट किया है कि वे टकराव का रवैया नहीं अपनाना चाहतीं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सहयोग की पेशकश की है। गठबंधन के घटक दलों के नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि वे संसद में सार्थक कामकाज और इसकी कार्यवाही के संचालन में निष्पक्षता चाहते हैं। हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री और उनकी सरकार की प्रतिक्रिया भी सकारात्मक होगी। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उन लाखों लोगों की आवाज सुनी जाए जिन्होंने हमें अपना प्रतिनिधि चुनकर संसद में भेजा है।

हम जनता के मुद्दों को उठाएं और उस पर चर्चा करें। हमें उम्मीद है कि ट्रेजरी बेंच आगे आएंगी ताकि हम अपने लोकतांत्रिक कर्तव्यों को पूरा कर सकें'। उन्होंने अपने लेख में स्पीकर ओम बिरला द्वारा लोकसभा में इमरजेंसी पर लाए गए प्रस्ताव पर भी टिप्पणी की है। सोनिया गांधी ने लिखा है, 'प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी द्वारा आपातकाल की निंदा की गई- आश्चर्यजनक रूप से स्पीकर ने भी वही स्टैंड लिया। स्पीकर से किसी राजनीतिक पार्टी के स्टैंड का समर्थन करने की बजाय निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। यह संविधान, उसके मूलभूत सिद्धांतों और मूल्यों, इसके द्वारा बनाई गई और सशक्त की गई संस्थाओं पर हमले से ध्यान भटकाने की कोशिश है।

संसद में सुचारू रूप से कामकाज हो इसके लिए यह अच्छा संकेत नहीं है'। सोनिया गांधी ने आपातकाल का जिक्र करते हुए लिखा, 'यह इतिहास का सत्य है कि मार्च 1977 में हमारे देश की जनता ने आपातकाल पर स्पष्ट निर्णय दिया, जिसे निःसंकोच और स्पष्ट रूप से स्वीकार किया गया। तीन साल से भी कम समय के बाद वह पार्टी (कांग्रेस) जो मार्च 1977 में हार गई थी, प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौट आई। पीएम मोदी और उनकी पार्टी को उस तरह का प्रचंड बहुमत कभी नहीं मिला, यह भी उस इतिहास का हिस्सा है'।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने लिखा है कि चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री ने अपनी मर्यादा और जिम्मेदारी को नजरंदाज कर सांप्रदायिक और झूठी बातें फैलाई। उनके बयानों से सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचा।

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, मलबे में तब्दील दीवार; 3 की दर्दनाक मौत

चेन्नई, 29 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के सत्तूर में आज सुबह एक पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, वहीं एक शख्स घायल हुआ है। सूचना पर तत्काल पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। स्थानीय लोगों की मदद से आग को बुझाया जा रहा है। विरुधुनगर जिला कलेक्टर ने बताया है कि मौके पर बचाव टीम पहुंची थी। आग को बुझाया जा रहा है। घायल को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा क्यों और कैसे हुआ, इसकी जांच की जा रही है। अचानक ही फैक्ट्री से धमाकों की गूंज सुनाई देने लगी। 5 किमी दूर तक धमाकों की आवाज सुनाई दे रही थी। स्थानीय लोग भागे-भागे पहुंचे तो पटाखा फैक्ट्री पूरी तरह से आग की लपटों में घिरी थी। आग इतनी भीषण लगी थी कि कोई भी पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। तत्काल इसकी सूचना स्थानीय थाने को दी गई। उनकी टीम मौके पर पहुंची।

महाराष्ट्र में स्कूल-कॉलेज के आसपास नशे की बिक्री पर शिंदे सरकार सख्त

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में स्कूल-कॉलेज के पास नशे की बिक्री पर शिंदे सरकार ने एक्शन लेना शुरू कर दिया है। इस बीच सीएम शिंदे ने कहा, राज्य में जहां-जहां ड्रग्स की बिक्री होती है। स्कूल, कॉलेज के आसपास जितनी भी दुकान, होटल और टपरी हैं जहां ड्रग्स की बिक्री होती है, उन्हें उखाड़ फेंकने का काम शुरू है। सीएम एकनाथ शिंदे ने आगे कहा कि, कितना भी बड़ा ड्रग्स सप्लायर क्यों न हो उनको जेल में डालने का काम ये सरकार करेगी।

पुणे में ड्रग्स परोसने के आरोप में बार सील

कुछ दिन पहले नाबालिगों को नशीले पदार्थ परोसने को लेकर पुणे पुलिस ने शहर के एक पॉश बार पर छापामार कार्रवाई कर उसे सील कर दिया। वहीं ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में दो पुलिस अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई। पुणे पुलिस की टीमों ने बीते रविवार को पॉश फर्ग्युसन कॉलेज रोड स्थित लिक्विड लीजर लाउंज (एल 3) पर छापामार कार्रवाई की। इसको लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ नाबालिग लड़कों को रेस्तरां के शौचालय में ड्रग्स लेते हुए देखा जा सकता है।वहीं वीडियो के बैकग्राउंड में पार्टी की झलक भी देखी जा सकती है। हंगामे के बाद पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने जांच के आदेश दिए। एक टीम ने बीती रात एल 3 की गहन तलाशी ली, जिसके बाद इसे सील कर दिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने मीडियाकर्मियों को बताया कि जानकारी के अनुसार यह बार 1.30 बजे सामने का प्रवेश द्वार बंद कर देता था, लेकिन पीछे के दरवाजे से लोगों को अंदर आने की अनुमति देता था, जिसकी वीडियो लीक होने के बाद यह खुलासा हुआ।

कठुआ में अतिक्रमण हटाने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने किया हमला, डीएसपी समेत 5 पुलिसकर्मी घायल

जम्मू, 29 जून (एजेंसियां)। कश्मीर के कठुआ जिले के एक गांव में लोग अतिक्रमण रोधी अभियान का विरोध कर रहे थे। शनिवार को अतिक्रमण रोधी अभियान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। इस हमले में डीएसपी समेत कम से कम पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हीरानगर के नागरी इलाके में अवैध रूप से निर्मित एक उपासना स्थल को ध्वस्त करने के लिए अभियान चलाया गया था, जिसका स्थानीय लोगों के एक समूह ने विरोध किया। अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारी हिंसक हो गए और उन्होंने पुलिस पर हमला कर दिया, जिसमें एक उपाधीक्षक सहित पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल को भेजा गया है। बताया जा रहा है कि सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए पुलिस के साथ राजस्व विभाग की टीम भी पहुंची थी। जैसी ही यह टीम मौके पर पहुंची वहां मौजूद लोगों ने पुलिस और राजस्व की टीमों पर पथराव शुरू कर दिया। जिससे पुलिसकर्मी घायल हो गए।

पद की गरिमा के खिलाफ आपातकाल पर टिप्पणी : शरद पवार

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। राकांपा (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के भाषण में आपातकाल का उल्लेख अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि यह उनकी पद की गरिमा के खिलाफ है। शरद पवार ने कहा कि उनके भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बजट पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि वे सिर्फ जनता को यह दिखाना चाहते हैं, कि वे कुछ बड़ा करने जा रहे हैं। 18वीं लोकसभा में ओम बिरला अध्यक्ष पद पर चुने गए। अध्यक्ष पद के चुनाव के बाद ओम बिरला ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी 1975 में लगाए गए आपातकाल को संविधान पर हमला बताते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा। जिस कारण लोकसभा में हलबली भी मची। इस पर शरद पवार ने शनिवार को उन पर तंज किया।

उन्होंने कहा कि अध्यक्ष ने अपने संबोधन में आपातकाल का उल्लेख करके पद की गरिमा खो दी। आपातकाल को 50 साल हो चुके हैं, इंदिरा गांधी अब जीवित भी नहीं हैं। तो अध्यक्ष अब इस मुद्दे को क्यों उठा रहे हैं? उन्होंने स्पीकर की राजनीतिक भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा, क्या स्पीकर की भूमिका राजनीतिक बयान देना है? उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि उनका बयान उचित नहीं था। राष्ट्रपति के भाषण में भी इस मुद्दे का संक्षिप्त उल्लेख था। यह भी जरूरी नहीं था। उन्होंने कहा कि विपक्ष में सबसे ज्यादा सांसदों वाली पार्टी को विपक्ष का नेता तय करने का अधिकार है, इसलिए राहुल गांधी को विपक्ष का नेता चुना गया। उन्होंने कहा, कांग्रेस के सांसदों ने राहुल गांधी को अपना नेता बनाने का फैसला किया। एक तरह से यह राजनीति में पृष्ठभूमि वाली नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व है और जबरदस्त प्रयास करने की इच्छा है। मुझे यकीन है कि वह चमकेंगे। शरद पवार ने इस दौरान भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुक्त भारत पर बयान देने से पहले भाजपा को यह देखना चाहिए कि लोकसभा चुनाव से पहले उसके पास कितनी सीटें थीं और इस चुनाव के बाद उसके पास कितनी सीटें हैं।

उन्होंने दावा किया, भाजपा के पास संसद में बहुमत नहीं है। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के बिना वे सरकार नहीं बना पाते। उन्होंने कहा कि भाजपा इसे चाहे जितना छिपाने की कोशिश करें लेकिन सच्चाई साफ दिख रही है कि उन्हें भारत की जनता से स्पष्ट जनादेश नहीं मिला है।

अजित पवार गुट के विधायक हो सकते हैं राकांपा में शामिल

अजित पवार गुट के विधायकों के उनकी पार्टी में वापस लौटने की अटकलों पर शरद पवार ने कहा, पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख जयंत पाटिल और अन्य इस बारे में सब जानते हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से किसी से नहीं मिला हूं। क्या आपके पास नामों की सूची है? शरद पवार ने इस दौरान पीएम मोदी पर भी निशाना साधा उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान महाराष्ट्र में 18 निर्वाचन क्षेत्रों में रैलियां कीं। जिसमें से 14 निर्वाचन क्षेत्रों में महायुति उम्मीदवार चुनाव हार गए। उन्होंने कहा, मैं मोदी जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि वे आगामी विधानसभा चुनावों में अधिक से अधिक रैलियों को संबोधित करें।

मध्य प्रदेश में गौ हत्या और तस्करी को लेकर प्रशासन सख्त, 7 दिन में 70 मामले दर्ज, 527 जानवर मुक्त

भोपाल, 29 जून (एजेंसियां)। बीते कुछ दिनों से मध्य प्रदेश के कई शहरों में गौवंश के मामले सामने आ रहे हैं। इसे लेकर सीएम डॉक्टर मोहन यादव ने एक्शन लिया और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएम के एक्शन के बाद प्रशासन भी हरकत में आया और महज सात दिन में 70 मामले दर्ज किए गए, जबकि 124 आरोपियों पर कार्रवाई करने के साथ ही 527 पशुओं को मुक्त कराया गया है। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव द्वारा 11 जून को प्रदेश के सभी कलेक्टर और एसपी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान गौवंश के अवैध परिवहन पर विशेष कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया था। इन निर्देशों के पालन करते हुए पुलिस ने 13 से 20 जून तक पूरे प्रदेश में विशेष अभियान चलाकर गौवंश के अवैध परिवहन पर कठोर कार्रवाई की।

न्यायालय को लोग मंदिर समझते हैं लेकिन न्यायाधीश खुद को देवता ना समझें : सीजेआई

कोलकाता, 29 जून (एजेंसियां)। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि देश की जनता न्यायालय को मंदिर समझती है। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि इसमें बैठने वाले न्यायाधीश खुद को देवता समझने लगें। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को संवेदनशील और सहानुभूति रखने वाला बनना पड़ेगा। सीजेआई ने कलकत्ता हाई कोर्ट के बार एसोसिएशन की लाइब्रेरी के दो सौ साल पूरे होने के मौके पर एक विशेष परिचर्चा कार्यक्रम में बोल रहे थे। उनके साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी मौजूद थीं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि जनता कहती है कि न्यायालय न्याय का मंदिर है। ऐसे में न्यायाधीश अगर खुद को देवता समझते हैं तो यह बहुत बड़ी भूल होगी। मुझे लगता है कि न्यायाधीश जनता के सेवक हैं। वे मामलों की सुनवाई करें लेकिन अपराध के प्रति पहले से कोई धारणा तैयार न करें। उन्हें सहानुभूति रखनी होगी।

उन्हें इस बात का ख्याल रखना होगा कि हमारे सामने खड़ा हुआ शख्स मनुष्य है। न्यायाधीश भी सामाजिक रीति-रिवाजों के मुताबिक अपनी धारणा नहीं बना सकते। उन्हें संविधान के मुताबिक काम करना होगा। संवैधानिक नैतिकता कहती है कि एक भारतीय जो चाहे सोच सकता है, जो चाहे बोल सकता है। जिसकी चाहे पूजा कर सकता है, जिसका चाहे अनुसरण कर सकता है। किसी के साथ शादी कर सकता है और जो चाहे खा सकता है। संविधान में दी गई स्वतंत्रता का हमेशा ख्याल रखना होगा। इसके बाद उन्होंने टेक्नोलॉजी का जिक्र करते हुए कहा कि इससे हमें बहुत सारे मौके मिले हैं।

कोर्ट अपनी भाषा में जो फैसला सुनाता है उसे जिस भाषा में चाहें अनुवाद कर सकते हैं। हम लोगों (सुप्रीम कोर्ट) ने 51 हजार से अधिक आदेशों का कई भाषाओं में अनुवाद किया है। बंगाली और ओडिया सहित संविधान जिस किसी भी भाषा की स्वीकृति देता है, उन सभी भाषाओं में अनुवाद किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैं बंगाली और ओडिया भाषा का जिक्र कर रहा हूं, क्योंकि मेरी पत्नी ओडिया को बहुत पसंद करती हैं और बंगाली भी बहुत करीब है। उन्होंने कहा कि बहुत सारे हाई कोर्ट हैं, जो जमानत से संबंधित मामलों में तत्परता नहीं दिखाते हैं। इसे लेकर मैं बहुत चिंतित हूं। यह न्याय व्यवस्था का आदर्श मॉडल नहीं है।

ठाणे में डॉक्टरों ने बच्चे के पैर की जगह कर दी प्राइवेट पार्ट की सर्जरी

ठाणे, 29 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के शाहपुर में 9 वर्षीय लड़के के माता-पिता ने आरोप लगाया है कि स्थानीय जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने उनके बेटे के पैर की सर्जरी की जगह प्राइवेट पार्ट की सर्जरी कर दी। उन्होंने अस्पताल और स्थानीय शाहपुर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इसमें कहा गया है कि डॉक्टरों को एक ही दिन में एक जैसे आयु वर्ग के तीन मरीजों का ऑपरेशन करना था और इसलिए उन्होंने इतनी बड़ी गलती कर दी। हालांकि, डॉक्टरों ने दावा किया कि पैर की सर्जरी के साथ यह करना सही था, क्योंकि लड़के को फाइमोसिस थी। ठाणे सिविल अस्पताल के सिविल सर्जन ने माता-पिता की शिकायत के बाद जांच शुरू कर दी है। परिवार शाहपुर के सरावली गांव में रहता है। बच्चे के पिता दिहाड़ी मजदूर है वहीं मां घरेलू कार्य करती है। रिपोर्ट के अनुसार परिवार ने बताया कि पिछले महीने अपने दोस्तों के साथ खेलते समय बच्चे के पैर में चोट लग गई थी। बच्चे को इलाज के लिए नियमित रूप से अस्पताल जाना पड़ता था क्योंकि उसके घाव के पास संक्रमण हो गया था।

देश के इतिहास में पहली बार

गवर्नर ने सीएम के खिलाफ दायर किया मानहानि केस

कोलकाता, 29 जून (एजेंसियां)। देश के इतिहास में पहली बार एक राज्यपाल ने सीएम पर मानहानि का केस किया है। मामला पश्चिम बंगाल का है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सीएम ममता बनर्जी व टीएमसी के कुछ नेताओं के खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट में यह केस किया। एक दिन पहले ममता ने कहा था कि महिलाओं ने उनसे शिकायत की है कि वे राजभवन की गतिविधियों के कारण वहां जाने से डरती हैं। राज्यपाल-सीएम में लंबे समय से खींचतान चल रही है। लोकसभा चुनाव के बीच 2 मई को राजभवन की अस्थायी महिला कर्मी ने राज्यपाल पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। ममता सरकार ने इसकी जांच पुलिस को सौंपी थी। वहीं, राज्यपाल ने राजभवन में पुलिस के प्रवेश पर रोक लगा दी। राज्यपाल ने याचिका में इसका जिक्र करते हुए कहा है कि घटना राजनीति से प्रेरित थी। पुलिस ने महिला को भड़काया और वीडियो बनाने के लिए प्रेरित किया। दूसरी ओर हाल में निर्वाचित 2 विधायकों की शपथ को लेकर भी राज्यपाल व सरकार आमने सामने है। विधायक सायंतिका बनर्जी ने राजभवन को महिलाओं के लिए असुरक्षित बताते हुए शपथ के लिए राजभवन जाने से इनकार किया है। स्पीकर ने उपराष्ट्रपति से हस्तक्षेप के लिए कहा राजभवन के बजाय विधान भवन में शपथ की जिद करने वाली विधायक सायंतिका बनर्जी और रेयात हुसैन सरकार ने शुक्रवार को दूसरे दिन भी धरना दिया।

इस बीच, विधानसभा स्पीकर बिमान बनर्जी ने गतिरोध को दूर करने के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से हस्तक्षेप की मांग की है। मालूम हो, धनखड़ 2019 से 2022 तक बंगाल के गवर्नर रहे हैं। स्पीकर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी अवगत कराया है। राजभवन ने उन टिप्पणियों की आलोचना की है, जिसमें कहा गया था कि महिलाएं राजभवन में जाने से डरती हैं।

फिल्मी स्टाइल में गिरोह ने पुलिस को किया गुमराह काफिले पर हमला कर घटना को दिया अंजाम

बेंगलुरु, 29 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में किसी एक्शन फिल्म की तरह पुलिस को चकमा देने का मामला सामने आया है। गडग जिले में बदमाशों का एक गिरोह पुलिस के काफिले पर ही हमला कर लूट के आरोपी को ही छुड़ा ले गया। पुलिस के अनुसार, गिरोह ने गडग रेलवे ब्रिज के पास कोप्पल जिले से गंगावती पुलिस के काफिले पर हमला किया और आरोपी अमजद अली ईरानी को लेकर भाग निकले। अमजद अली ईरानी पर आईपीसी की धारा 392 के तहत लूट का मामला दर्ज किया गया था, जिसके चलते वह गंगावती शहर पुलिस द्वारा वांछित था। पुलिस अधीक्षक बीएस नेमागौड़ा ने शनिवार को अस्पताल में चारों घायल पुलिसकर्मियों से मिलने के बाद कहा कि पुलिस गंगावती शहर पुलिस द्वारा वांछित आरोपी को पकड़ने गई थी। जब पुलिस अमजद अली ईरानी को थाने ले जा रही थी, तो उसके साथियों ने पुलिस वाहन पर हमला कर दिया और आरोपी को भागने में मदद की। पुलिस ने बताया कि कितने लोगों ने पुलिस वाहन पर हमला किया,

कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुईं आतिशी, अगली सुनवाई 23 जुलाई को

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार में मंत्री और विधायक आतिशी शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुईं। दरअसल, दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने आतिशी पर पार्टी के खिलाफ गलत आरोप लगाने और छवि धूमिल करने का मुकदमा दर्ज कराया था। उसी पर आज अदालत में सुनवाई हुई। इस मसमले पर सुनवाई के बाद शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में अगली सुनवाई की तारीख 23 जुलाई को तय की है। कोर्ट ने पाया कि पता गलत पाए जाने के कारण समन तामील नहीं हो पाया। हालांकि, आतिशी अपने वकील के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुईं। कोर्ट में मौजूद उनके वकील को शिकायत की एक कॉपी मुहैया कराई गई है। शनिवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि आरोपी को भेजे गए समन का पता गलत था। आरोपी को अपना सही पता अदालत को देने के निर्देश दिए। आरोपी के वकील ने कहा कि उनको अभी शिकायत की कॉपी नहीं मिली है। दरअसल, दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने मानहानि याचिका में आरोप लगाया गया था कि आतिशी एवं अरविंद केजरीवाल द्वारा बीजेपी पर आम आदमी पार्टी के विधायकों को पैसे देकर तोड़ने का आरोप लगाया था, जो गलत है। इससे पार्टी की छवि खराब हुई है। प्रवीण शंकर कपूर ने आतिशी से माफीनामे की मांग की

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रभात झा की तबियत बिगड़ी

अस्पताल पहुंचे सीएम, दिल्ली एयरलिफ्ट किया

भोपाल, 29 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता प्रभात झा की तबियत शनिवार को अचानक बिगड़ गई। जिसके बाद उनको दिल्ली एयरलिफ्ट किया गया है। इससे पहले तबियत बिगड़ने की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव, संगठन महामंत्री हितानंद बंसल हॉस्पिटल पहुंचे। झा का दो दिन से न्यूरो संबंधी बीमारी के चलते बंसल अस्पताल में इलाज चल रहा था। शनिवार को अचानक उनकी तबियत बिगड़ गई, जिसके बाद उनको दिल्ली एयरलिफ्ट किया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने झा की तबियत की जानकारी ली और दिल्ली के मेदांता अस्पताल में इलाज की समुचित व्यवस्था को लेकर बातचीत की है। प्रभात झा दो बार राज्यसभा सांसद रहे हैं। वह ग्वालियर-चंबल के कद्दावर नेताओं में शामिल है। प्रभात झा का जन्म बिहार के सीतागढ़ जिले में हुआ था। झा मध्य प्रदेश की राजनीति में सक्रिय रहे। वह मध्य प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भी रहे। झा की संगठन में अच्छी पकड़ मान जाती है।

तीन दिन में तीसरा एयरपोर्ट हादसा

दिल्ली और जबलपुर के बाद अब राजकोट में गिरी हवाई अड्डे की छत

राजकोट, 29 जून (एजेंसियां)। दिल्ली और जबलपुर के बाद अब गुजरात के राजकोट में भी एयरपोर्ट की छत गिरने का मामला सामने आया है। फिलहाल घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। गनीमत रही कि राजकोट अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर दिल्ली एयरपोर्ट जैसी घटना होते-होते बच गई। बता दें कि जुलाई 2023 में ही राजकोट एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का लोकार्पण हुआ था। 1400 करोड़ से ज्यादा की लागत से इस एयरपोर्ट का विस्तार हुआ था। जानकारी सामने आ रही है कि गुजरात के कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है। राजकोट में भारी बारिश का दौर देखा जा रहा है। इस वजह से राजकोट अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल के बाहर यात्री पिकअप और ड्रॉप क्षेत्र में एक साइड की छत गिर गई। बता दें कि शुक्रवार को ही दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 की छत गिर गई थी, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई थी जबकि कई लोग घायल हो गए थे। शुक्रवार (29 जून) सुबह करीब 5.00 बजे ये हादसा हुआ था। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर डोमेस्टिक फ्लाइट के लिए पार्किंग एरिया में गाड़ियों की लाइन लगी थी। इस दौरान अचानक एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर छत का एक भारी भरकम हिस्सा नीचे गिर गया। वहां कार में बैठे एक ड्राइवर की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मध्य प्रदेश के जबलपुर में भी नवनिर्मित डुमना एयरपोर्ट में गुरुवार (27 जून) को ड्रॉप एंड गो एरिया में टेंसाइल रूफ फटने से पानी का सैलाब आ गया था। इस सैलाब में एक कार चकनाचूर हो गई थी। इस घटना में आयकर विभाग के एक अधिकारी और उनका ड्राइवर बाल-बाल बच गया। यह एयरपोर्ट 450 करोड़ की लागत से बनाया गया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

मौन में जो शक्ति है वो शब्दों में कहां

रविवार, 30 जून, 2024 3

नए कानूनों के जरिए मामलों की जांच के तरीकों में बदलाव : तरूण जोशी

नए आपराधिक कानूनों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

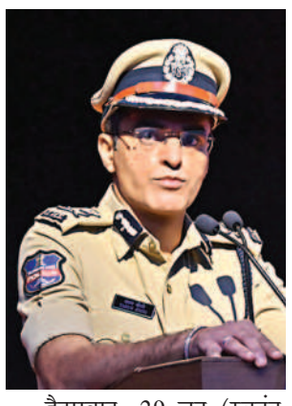

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के तहत उच्च अधिकारियों और सभी स्तरों के कर्मचारियों के लिए घटकेसर में विज्ञान भारती कॉलेज में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था ताकि पृष्ठभूमि में कई मामलों की जांच और परीक्षण में अपनाई जाने वाली नई प्रक्रियाओं के बारे में सभी को पूरी जानकारी और समझ प्रदान की जा सके।

भारत सरकार के नए आपराधिक कानून-2023 को 1 जुलाई से लागू करना है । कानूनी विशेषज्ञ हाईकोर्ट एडवोकेट सुरेश ने स्टाफ को नए कानूनों से अवगत कराया। कार्यक्रम में कमिश्नर तरूण जोशी ने कहा कि 1 जुलाई से लागू होने वाले भारत सरकार के नये 'आपराधिक कानून-2023' के माध्यम से हमारे देश में आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में एक नये युग की शुरूआत होगी। उन्होंने कहा कि इन नए कानूनों के जरिए मामलों की जांच के तरीकों और जांच के तरीकों में बदलाव आएगा और लोगों को अधिक कुशल और त्वरित सेवाएं प्रदान करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने याद दिलाया कि हमारा देश स्वतंत्र होने के बाद भी आपराधिक न्याय प्रणाली और कानून व्यवस्था को औपनिवेशिक शासन के कानूनों के अनुसार बनाए रखा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारतीय न्यायपालिका को पिछले कुछ वर्षों में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और जरूरत के मुताबिक सार्वजनिक सुरक्षा के लिए कई कानून बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि अब लागू होने वाले नए कानून भारतीय कानून संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम हमारे देश में कानून व्यवस्था बनाए रखने में एक मील का पत्थर हैं। राचकोंडा के अंतर्गत सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को नए आपराधिक कानूनों की पूरी जानकारी और समझ होनी चाहिए। भारतीय कानून संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम से संबंधित कानूनी पाठ रचाकोंडा आयुक्तालय, डीसीपी, अतिरिक्त डीसीपी, एसीपी और अन्य पुलिस विभागों के तहत सभी पुलिस स्टेशनों को प्रदान किए गए हैं और प्रत्येक नई भर्ती को इसका अध्ययन करने के लिए निर्देशित किया गया है।

सभी को आदेश दिया गया है कि किसी भी हालत में नये कानूनों के विपरीत चल रही पुरानी प्रक्रियाओं का पालन न किया जाये और नये धाराओं के तहत ही विभिन्न प्रकार के मामले दर्ज किये जायें। सभी को नए सेक्शन को अच्छी तरह से सीखने का निर्देश दिया गया।

उन्होंने कहा कि नए कानून मौजूदा प्रक्रियाओं को पूरी तरह से नहीं बदलते हैं, वर्तमान समाज और भविष्य को ध्यान में रखते हुए मामलों के पंजीकरण, सजा और सुनवाई के तरीकों में तेजी लाने के लिए इन नए आपराधिक कानूनों में कई पहलुओं को आवश्यक सीमा तक बदला गया है।

अधिकारियों को हर स्टेशन पर कर्मचारियों के साथ नए कानूनों पर आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि इन नये दंड कानूनों पर जोनवार समीक्षा कार्यक्रम चलाये जायेंगे। बाद में हाईकोर्ट के अधिवक्ता सुरेश ने अधिकारियों को निर्देश दिये। कार्यक्रम में यदाद्री डीसीपी राजेश चंद्रा , डीसीपी मलकाजगिरि पद्मजा, एलबी नगर डीसीपी प्रवीण, एसबी डीसीपी करुणाकर, डीसीपी महेश्वरम सुनीता रेड्डी, क्राइम डीसीपी अरविंद बाबू, अतिरिक्त डीसीपी, एसीपी और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

बीआरएस नेता राकेश रेड्डी ने सीएम रेवंत पर साधा निशाना

वारंगल, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के नेता एनुगुला राकेश रेड्डी ने आज सवाल उठाया कि कांग्रेस सरकार के सार्वजनिक प्रशासन में पुलिस की छापेमारी और हिरासत क्यों हो रही है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि इसे 'लोगों की सरकार' कहते हुए विपक्षी नेताओं पर प्रतिबंध क्यों लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के वारंगल दौरे के दौरान राकेश रेड्डी को नजरबंद कर दिया गया। राकेश रेड्डी समेत 40 प्रमुख कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। राकेश रेड्डी ने सरकार के रवैये पर नाराजगी जताई। राकेश रेड्डी ने कहा, "क्या छह महीने के शासन में इतनी असुरक्षा है? क्या यह इतनी अराजकता है।" उन्होंने यह भी कहा कि वे लड़ाई के लिए नए नहीं हैं। "हम केवल लोगों के दृष्टिकोण से रचनात्मक सुझावों की अपील कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया, "मुख्यमंत्री समेत आधी कैबिनेट, सांसद और विधायक एक निजी अस्पताल खोलने के लिए दौड़ रहे हैं। हालांकि, सीएम के वारंगल आने का माहौल कहीं नहीं दिख रहा है।" राकेश रेड्डी ने कहा कि सीएम के दौरे में बदलाव तेलंगाना भवन में उनकी प्रेस वार्ता के बाद ही आया और कहा कि रेवंत को यह नहीं पता कि सीएम के रूप में अपनी क्षमता में कैसे यात्रा करनी है, जब तक कि विपक्षी नेता उनसे सवाल न करें। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री राज्य के आधिकारिक प्रतीक से काकतीय कला गैलरी को हटाने के बारे में स्पष्टता दें। रेड्डी ने कहा कि काकतीय कला थोरनम को शाही दर्पण कहने वाली टिप्पणी से वारंगल जिले के लोगों को बहुत ठेस पहुंची है।

मुख्यमंत्री ने मेडिकवर अस्पताल का किया उद्घाटन

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को वारंगल में मेडिकवर अस्पताल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा और स्वास्थ्य क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार के विचार के अनुरूप एक नया अस्पताल खोलने पर प्रसन्नता है। शिक्षा, चिकित्सा देखभाल और बिजली आपूर्ति प्रदान करके वैश्विक शहर विकसित करना आसान होगा।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद शहर एक महानगरीय शहर के रूप में विकसित हुआ है। फार्मा क्षेत्र पर चर्चा के दौरान हैदराबाद हमेशा केंद्र में रहता है। इंदिरा गांधी की दृष्टि इसका मुख्य कारण है। राजीव गांधी की पहल से तेलंगाना में आईटी क्षेत्र फला-फूला है। सरकार तेलंगाना को मेडिकल टूरिज्म हब के रूप में बढ़ावा देगी। राज्य में फार्मा उद्योग के विकास के लिए फार्मा विलेज स्थापित करने का निर्णय पहले ही लिया जा चुका है। सरकार शमशाबाद में 1000 एकड़ में फैले एक मेडिकल टूरिज्म हब की स्थापना करने की योजना बना रही है। मेडिकल हब में सभी प्रकार की चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक नागरिक को 'डिजिटल स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल कार्ड' जारी करने की भी योजना बना रही है और राज्य के प्रत्येक नागरिक को निःशुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान करने का प्रस्ताव रखा है। हम अपने विचार को चिकित्सा जगत से आगे बढ़ाने के लिए तकनीकी सहायता की मांग कर रहे हैं। सरकार का उद्देश्य है कि लोग अस्पताल से मुस्कुराते हुए निकलें, न कि यह कि कितने लोग अस्पताल आते हैं।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना एक सामाजिक जिम्मेदारी है। चिकित्सा बिरादरी को लोगों को सेवा के उद्देश्य से सेवाएं देनी चाहिए, न कि वित्तीय लाभ के लिए। वारंगल शहर को जल्द ही एक हवाई अड्डा मिलेगा। टेक्सटाइल पार्क पहले से ही बन रहा है। सरकार वारंगल में स्वास्थ्य पर्यटन और इको पर्यटन भी विकसित करेगी।

मेदक दुर्घटना: एक और व्यक्ति की मौत

मेदक, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर शुक्रवार को हुई सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 6 हो गई है। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए एक और व्यक्ति की शनिवार को हैदराबाद के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वह मध्य प्रदेश का रहने वाला रमेश उर्फ राजेश (44) था। 4 घायलों में से 3 की हालत अभी भी गंभीर बताई जा रही है। शुक्रवार की सुबह चेगुंटा मंडल के वडियारम चौराहे पर बकरियों से भरी एक लॉरी ने उसी दिशा में जा रहे एक ट्रक को टक्कर मार दी, जिससे 5 लोगों की मौत हो गई।

शहर सभी के लिए हैं : प्रो. के नागेश्वर

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व एमएलसी प्रोफेसर डॉ के नागेश्वर ने आज कहा कि शहर केवल अमीरों के लिए नहीं, बल्कि गरीबों के लिए भी हैं। तेलंगाना में शहरीकरण-सरकार की नीतियों और विकल्पों पर सीपीएम सिटी कमेटी द्वारा आयोजित एक सेमिनार में उद्घाटन भाषण में बोलते हुए, नागेश्वर ने कहा कि मजदूरों के बिना शहरों का विकास नहीं हो सकता है और उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में मजदूर रहते हैं, वहां बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने और उन्हें खुशी से रहने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए, शहरी श्रमिकों के लिए रोजगार गारंटी अधिनियम लाया जाना चाहिए, शहरों के विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा एकत्र किए गए आयकर का 10% आवंटित करना चाहिए, प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा के लिए नीतियां बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहरों की विकास रणनीति भूमि व्यापार का मुख्य उद्देश्य नहीं होनी चाहिए।

शहरी नीति विशेषज्ञ डॉ. डी. नरसिम्हा रेड्डी ने कहा कि शहरों का विकास स्वाभाविक रूप से नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारें गांवों को जबरन एक साथ मिला रही हैं। उन्होंने कहा कि शहरों का विकास शब्द इस तरह से चल रहा है कि यह प्राकृतिक संसाधनों की लूट है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारें सुधारों के नाम पर लोगों पर कर का बोझ डाल रही हैं।

उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि शहरी नीतियां कहां तय की जा रही हैं। उन्होंने राज्य सरकार से पारदर्शी नीतियां लागू करने की अपील की।

सीपीएम के शहर सचिव एम श्रीनिवास ने कहा कि मेट्रो रेल परियोजना की प्रगति की समीक्षा करने वाले मुख्यमंत्री को आम आदमी के लिए उपलब्ध एमएमटीएस ट्रेनों की भी समीक्षा करनी चाहिए, आरटीसी बसों की संख्या में बड़ी संख्या में वृद्धि करनी चाहिए, डबल बेडरूम वाले घरों के क्षेत्रों में तत्काल सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए और राशन कार्ड जारी करना तुरंत शुरू करना चाहिए।

ग्रुप-II सेवा परीक्षा स्थगित करने की मांग तेज

डीएससी शेड्यूल से टकराव की वजह से उठी मांग

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रुप-II सेवा भर्ती परीक्षा को स्थगित करने की मांग तेज हो गई है, क्योंकि यह परीक्षा जिला चयन समिति (डीएससी) के कार्यक्रम के साथ ही होने वाली है। सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों में शिक्षण पदों के लिए भर्ती परीक्षा डीएससी 18 जुलाई से 5 अगस्त तक निर्धारित है, जबकि 783 रिक्तियों के लिए ग्रुप-II भर्ती परीक्षा 7 और 8 अगस्त को आयोजित की जाएगी। इन परीक्षा तिथियों की निकटता ने ग्रुप-II परीक्षा को दिसंबर तक स्थगित करने की उम्मीदवारों की पहले से मौजूद मांग को बल दिया है।

डीएससी और ग्रुप-II दोनों परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों में से एक नागराज ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग पहले ही कह चुका है कि वह स्लॉट की अनुपलब्धता का हवाला देकर डीएससी को स्थगित नहीं कर सकता, क्योंकि परीक्षा कंप्यूटर आधारित परीक्षण मोड में आयोजित की जाती है। नागराज के अनुसार, अभ्यर्थियों ने सोमवार को तेलंगाना लोक सेवा आयोग और मुख्य सचिव ए शांति कुमार के समक्ष इस मुद्दे को उठाने और ग्रुप-II परीक्षा स्थगित करने की मांग करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि ग्रुप-2 की परीक्षा स्थगित करना हमारी वास्तविक मांग है, क्योंकि दोनों परीक्षाओं के बीच केवल एक दिन का अंतर है। इसके अलावा, ग्रुप-2 के अभ्यर्थी पिछले दो महीनों से परीक्षा स्थगित करने की मांग कर रहे हैं। एक अन्य अभ्यर्थी प्रवीण ने कहा कि भर्ती एजेंसियों टीजीपीएससी और स्कूल शिक्षा विभाग के बीच समन्वय की कमी के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है।

उन्होंने कहा कि हम दिसंबर तक परीक्षा स्थगित करने के अलावा ग्रुप II और III की रिक्तियों में वृद्धि की मांग करते हैं। अभ्यर्थी कांग्रेस सरकार और टीजीपीएससी से ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा के लिए 1:100 के अनुपात में उम्मीदवारों के चयन पर विचार करने की भी मांग कर रहे हैं। वे GO.46 को रद्द करने के अलावा 25,000 शिक्षक पदों के साथ एक मेगा डीएससी अधिसूचना की मांग कर रहे हैं।

बसों की वापसी टिकटों पर 10% छूट की घोषणा

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने हैदराबाद-बेंगलुरु मार्ग पर सभी उच्च श्रेणी और वातानुकूलित (एसी) सेवाओं पर वापसी यात्रा टिकटों की बुकिंग पर 10 प्रतिशत की छूट की घोषणा की है। यह रियायत हैदराबाद से बेंगलुरु तक और इसके विपरीत भी लागू है। इस मार्ग पर पहले से ही 26 दैनिक सेवाएं संचालित की जा रही हैं।

आरटीसी अधिकारियों ने बताया कि हैदराबाद-बेंगलुरू मार्ग पर यात्रियों की भारी आवाजाही होती है, खासकर सप्ताहांत के दौरान, इसलिए यात्रियों के वित्तीय बोझ को कम करने के इरादे से कुछ उच्च श्रेणी की सेवाओं पर छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया। इस छूट से प्रति यात्री कम से कम 50 से 100 रुपये की बचत होने की उम्मीद है। टीजीएसआरटीसी के अधिकारियों ने बताया कि निगम पहले से ही अग्रिम आरक्षण कराने वाले यात्रियों को रियायतें दे रहा है।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ETCECONIVSKP 2024027, दिनांक: 24.06.2024

कार्य का नाम: कोत्तवलसा-कोरापुट दोहरीकरण परियोजना: पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मंडल के शिवलिंगपुरम् तथा बोर्रा गुहलु स्टेशनों के बीच KM. 45.483 से KM. 72.550 तक कुल लंबाई लगभग 20,060M के 17 संख्यक सिंगल लाइन सुरंगों की आपूर्ति, स्थापना एवं इंस्ट्रुमेंटेशन, 3D निगरानी।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1232.09 लाख, EMD : रु. 7,66,100.00, कार्य समापन की अवधि: 40 (चालीस) महीने।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: दिनांक 25.07.2024 को 1200 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्तावों को अवैध माना जाएगा तथा उसके संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज के साथ संपूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। प्रत्याशित निविदाकारों को इस निविदा के लिए जारी किए जाने वाले किसी भी संशोधन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए निविदा बंद होने की तारीख से पंद्रह दिन पहले वेबसाइट पुनः अवलोकन करने की सलाह दी जाती है। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट होने चाहिए एवं आईआरईपीएस पोर्टल पर पंजीकृत किया होना चाहिए। ई-निविदा में सिर्फ पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ही भाग ले सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढना चाहिए एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत सत्यापित और हस्ताक्षरित अनुलग्नक-B जमा करने के साथ, निविदा दस्तावेज के चैप्टर 2 के अनुलग्नक-I, निविदा फॉर्म (द्वितीय शीट) की जाँच सूची, पैरा 3.1 (अतिरिक्त जाँच सूची) सहित सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)

PR-37/CH/24-25 भुवनेश्वर

जून में पटानचेरु में 96 आवारा कुत्तों के हमले दर्ज

सांगारेड्डी, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आवारा कुत्ते इंसानों और पशुओं के साथ-साथ पूर्ववर्ती मेदक जिले में भी गंभीर खतरा बने हुए हैं। अकेले पाटनचेरु एरिया अस्पताल में पिछले 28 दिनों में 96 आवारा कुत्तों के हमले दर्ज किए गए हैं।

शुक्रवार को इस्नापुर में आवारा कुत्तों के झुंड के हमले में छह वर्षीय लड़के की मौत ने उजागर कर दिया है कि यह कितना गंभीर मामला है, जबकि अकेले शुक्रवार को पाटनचेरु मंडल में पांच आवारा कुत्तों के हमले की सूचना मिली थी। पाटनचेरु एरिया अस्पताल के आरएमओ डॉ. प्रवीण ने कहा कि उन्होंने 1 जून से 28 जून तक 96 आवारा कुत्तों के हमले के मामले दर्ज किए हैं, जिसका मतलब है कि अकेले पाटनचेरु मंडल में हर दिन तीन से अधिक लोगों को आवारा कुत्तों ने काटा है। यह संख्या और भी अधिक हो सकती है, क्योंकि कई मामले रिपोर्ट ही नहीं किए गए हैं। जहां कुछ पीड़ित दूसरे अस्पतालों में जा रहे हैं, वहीं कुछ अन्य निजी अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से अधिकांश पीड़ित बच्चे हैं। हाल ही में, लकड़राम गांव में एक आवारा कुत्ते ने उत्पात मचाया और एक ही दिन में 10 लोगों को काट लिया। जन्म नियंत्रण उपायों की कमी के कारण आवारा कुत्तों की आबादी बढ़ने के साथ, कुत्ते अब हर जगह दोपहिया वाहन सवारों का पीछा करते देखे जा सकते हैं। कुछ घटनाओं में, आवारा कुत्तों द्वारा पीछा किए जाने के दौरान दोपहिया वाहन सवार अपनी बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। रामेश्वरमबंदा के नागरिक पी. सथैया ने सरकार से आवारा कुत्तों की आबादी को सीमित करने के लिए सख्त जन्म नियंत्रण उपाय करने का आग्रह किया। लोग अपने बच्चों को अकेले स्कूल या ट्यूशन भेजने से डरते हैं। इस बीच, चरवाहे तिरुपति ने कहा कि उन्होंने आवारा कुत्तों के हमलों में कई भेड़ और बकरियाँ खो दी हैं। कुत्ते गाय, भैंस और बछड़ों को भी काट रहे थे, जब उन्हें बाहर पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा था।

एयरपोर्ट पर 67.11 लाख रुपये के अमेरिकी डॉलर जब्त

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने शनिवार को आरजीआई एयरपोर्ट शमशाबाद पर दुबई जाने वाले एक यात्री से 67.11 लाख रुपये के अमेरिकी डॉलर जब्त किए।

सूचना मिलने पर डीआरआई की टीम ने यात्री को पकड़ा और उसके साथ लाए गए ट्रॉली बैग की जांच की। अधिकारियों ने पाया कि यात्री ने ट्रॉली बैग के अंदरूनी निचले और ऊपरी हिस्से में प्लास्टिक सपोर्ट शीट के नीचे मुद्रा छिपाई हुई थी।

राशि बरामद कर ली गई और जब्त कर ली गई तथा यात्री को सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

मेदक में करंट लगने से मौत

मेदक, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मनोहराबाद मंडल के गौथोजीगुडा में शनिवार को अपने घर में पानी की टंकी में मोटर जोड़ते समय एक व्यक्ति की करंट लगने से मौत हो गई। पुला श्रीनिवास (55) और उनकी पत्नी नागमणि पानी की टंकी साफ करने की तैयारी कर रहे थे। पानी निकालने के लिए मोटर से पंप चलाने की कोशिश में वह मोटर को जोड़ने की कोशिश कर रहे थे, तभी वह बिजली के तारों के संपर्क में आ गए। श्रीनिवास की मौके पर ही मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए तूप्रान सरकारी अस्पताल ले जाया गया है।

चादरघाट में हत्या

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार रात चादरघाट में कुछ लोगों ने एक राउडीशीटर की हत्या कर दी। नजफ आगा नामक व्यक्ति रेन बाजार का निवासी था और वह पहले भी दो हत्या मामलों सहित कई मामलों में शामिल रहा है। शुक्रवार की रात को चदरघाट रोड पर कुछ लोगों ने चाकू घोंपकर उनकी हत्या कर दी। सड़क पर मौजूद लोगों ने जब यह देखा तो पुलिस को सूचना दी और जब तक पुलिस पहुंची, हमलावर भाग निकले। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस को संदेह है कि यह हत्या बदला लेने के लिए की गई हो सकती है।

रेस्टोरेंट से मंगाई गई बिरयानी में ग्राहक को मिला 'हेयर पिन'

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। खाद्य सुरक्षा उल्लंघन से जुड़ी एक अन्य घटना में, एक ग्राहक ने शनिवार को स्विगी के माध्यम से मणिकोंडा में महफिल रेस्तरां से ऑर्डर की गई बिरयानी में हेयर पिन मिलने की सूचना दी है। घटना पर नाराजगी व्यक्त करते हुए ग्राहक ने सोशल मीडिया पर सेफ्टी पिन वाली बिरयानी की तस्वीर साझा की और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण, हैदराबाद सिटी पुलिस और ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम सहित कई अधिकारियों को टैग किया। उन्होंने ट्वीट किया कि हैदराबाद के मणिकोंडा रेस्टोरेंट की महफ़िल बिरयानी में सेफ्टी पिन मिला। कितना गैरजिम्मेदाराना है।

घटना की जानकारी होने पर हैदराबाद सिटी पुलिस ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और शिकायतकर्ता को साइबराबाद पुलिस से संपर्क करने का निर्देश दिया, क्योंकि यह स्थान उनके अधिकार क्षेत्र में आता है। जवाब में ग्राहक ने कहा कि त्वरित प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद और हम उम्मीद करते हैं कि यह घटना किसी अन्य ग्राहक के साथ नहीं होगी। कृपया उस विशेष रेस्तराँ के खिलाफ़ आवश्यक कार्रवाई करें। एक्स पर यह पोस्ट तेलंगाना खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा हैदराबाद में रेस्तरां, छात्रावासों और पीजी सहित खाद्य सेवा प्रतिष्ठानों पर महीनों से की जा रही छापेमारी के बीच आई है।

पटना समेत 26 जिलों में बारिश का अलर्ट

मधुबनी में नदी में निर्माणाधीन पुल का गार्डर गिरा; कटिहार में महानंदा का कटाव जारी

पटना, 29 जून (एजेंसियां)। बिहार में मानसून एक्टिव हो चुका है। आज प्रदेश के 26 जिलों में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट है। मौसम विभाग की माने तो अगले दो से तीन दिनों में मानसून पूरे बिहार को कवर कर लेगा। इसके कारण अगले 72 घंटे के दौरान बिहार में मानसून की गतिविधियां तेज हो जाएगी। मौसम विभाग ने आज कई जिलों में तेज हवा और आकाशीय बिजली का भी अलर्ट जारी किया है। मधुबनी में बारिश की वजह भुतही बलान नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। इससे 2.98 करोड़ की लागत से 4 पिलर वाला निर्माणाधीन पुल का गार्डर गिर गया। बताया जा रहा है कि 2 दिन पहले ही इसकी ढलाई हुई थी। वहीं कटिहार के अमदाबाद प्रखंड में महानंदा नदी के जलस्तर में उतार-चढ़ाव के कारण कटाव हो रहा है। इसके साथ ही पटना में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने लगा। अररिया में परमान और पूर्णिया में महानंदी नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया है।

मधुबनी में निर्माणाधीन पुल का गार्डर गिरा

अधिकारियों ने बताया कि गार्डर की ढलाई करने के बाद नदी के जलस्तर अचानक बढ़ा। इसकी वजह से शेटरिंग पानी के तेज बहाव में बह गया। जिसके चलते ये गार्डर गिरा है। ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से साल 2021 से ही पुल का निर्माण कार्य चल रहा है।

परमान-महानंदा नदी खतरे के निशान के ऊपर

उधर, अररिया में परमान नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 22 सेमी ऊपर है। शुक्रवार की रात में और 18 सेमी जलस्तर बढ़ने का पूर्वानुमान था। इसी तरह महानंदा नदी का जलस्तर पूर्णिया के ढेंगराघाट पर खतरे के निशान से 64 सेमी ऊपर है। कटिहार के झावा में यह नदी खतरे के निशान से 11 सेमी नीचे है।

अब तक सिर्फ 20 जिलों में अच्छी बारिश हुई

प्रदेश में मानसून की एंट्री 20 जून को किशनगंज और पूर्णिया के रास्ते हो गई थी।

इसके बाद मानसून कमजोर पड़ गया था। 24 जून से एक बार फिर से सक्रिय होकर आगे बढ़ने लगा। हालांकि, अभी तक मानसून की अच्छी बारिश प्रदेश के 20 जिलों में देखने को नहीं मिली है।

इन जिलों में रविवार तक अच्छी बारिश होने की संभावना है। बक्सर, आरा, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, बांका, जमुई, नवादा, गया, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर, बेगूसराय, सहरसा, खगड़िया, समस्तीपुर और सीवान में अच्छी बारिश हो सकती है।

पटना में गंगा का बढ़ा जलस्तर

राज्य में बारिश होने के बाद गंगा समेत अन्य नदियों का जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया है। पटना के गांधी घाट पर पिछले 24 घंटों में गंगा का पानी 44 सेमी बढ़ा है। यहां गुरुवार को 42.27 मीटर जलस्तर मापा गया था जो शुक्रवार को बढ़कर 42.71 मीटर हो गया। हालांकि, यह खतरे के निशान से अभी 5.89 मीटर नीचे है। गांधी घाट पर खतरे का निशान 48.60 मीटर है।

59 फीसदी बारिश में कमी

पिछले 24 घंटे के दौरान बिहार में सबसे ज्यादा बारिश पूर्वी चंपारण में 56.3 एमएम रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अब तक बिहार में 59 फीसदी बारिश में कमी हुई है। 28 जून तक बिहार में 140.4 एमएम बारिश होनी थी, लेकिन सिर्फ 57.3 एमएम ही बारिश हुई है।

'बधाई हो

बिहार में डबल इंजन सरकार की ताकत से महज 11 दिनों में पांच पुल ही गिरे', पुलों के गिरने की घटना पर तेजस्वी का तंज

पटना, 29 जून (एजेंसियां)। बिहार में पुलों के गिरने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 11 दिनों के अंदर राज्य में पांच पुल ध्वस्त हो गए हैं। वहीं, पुलों के गिरने की घटना को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार का घेराव किया है। 'डबल इंजन सरकार 9 दिन में केवल 5 पुल ही गिरे' तेजस्वी यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, बधाई हो! बिहार में डबल इंजन सरकार की डबल ताकत से महज दिन में केवल और केवल मात्र पुल ही गिरे है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रहनुमाई और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई में दलों वाली डबल इंजन धारी सरकार ने बिहारवासियों को दिन में पुल गिरने पर मंगलराज की कल्याणमय उज्जवल शुभकामनाएं प्रेषित की है। पुलों द्वारा जलसमाधि लेने पर विपक्षी नेता इस्तीफा दें राजद नेता ने आगे लिखा, पुलों के गिरने से जनता के स्वाहा हो रहे हजारों करोड़ को स्वघोषित ईमानदार लोग 'भ्रष्टाचार' ना कह कर 'शिष्टाचार' कह रहे है।

विपक्षियों को भ्रष्टाचारी का नारंगी प्रमाण पत्र बांटने वाले तथा पक्षकारिता की पत्रकारिता में पृथ्वी और आकाश की सभी रैंकिंग में नंबर-विश्व विजेता गोदी मीडिया द्वारा प्रमाणित सत्यवादी एवं अविनाशी नेता इन सुशासनी कारनामों पर मुंह क्यों नहीं खोलते? पुलों द्वारा जल समाधि लेने पर विपक्षी नेता इस्तीफा दें।

पश्चिमी यूपी में बीएसपी को सबसे बड़ा झटका

चौधरी विजेंद्र सिंह ने दिया इस्तीफा मायावती को लेकर कही ये बात

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। पश्चिमी यूपी में बहुजन समाज पार्टी को बड़ा झटका लगा है। चौधरी विजेंद्र सिंह ने बसपा का साथ छोड़ दिया है। लोकसभा चुनाव 2024 में बिजनौर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से प्रत्याशी रहे चौधरी विजेंद्र सिंह के इस्तीफा देने से राजनीतिक गलियारों में बड़ी चर्चाएं शुरू हो गईं हैं। सूत्रों का दावा बहै कि बसपा का एक धड़ा चौधरी विजेंद्र सिंह को मीरापुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ाने की वकालत कर रहा था। यह पूछे जाने पर कि चौधरी विजेंद्र सिंह का अगला कदम क्या होगा बसपा के पूर्व नेता ने कहा कि बहनजी का हमेशा आभारी रहूंगा।

समर्थकों से बातचीत कर अगला कदम उठाऊंगा। बिजनौर लोकसभा सीट पर बसपा तीसरे नंबर पर थी। विजेंद्र सिंह को कुल 2 लाख 18 हजार 986 वोट मिले थे। वहीं सपा के दीपक को 3 लाख 66 हजार 985 वोट मिले। वह दूसरे नंबर पर थे। इस सीट पर राष्ट्रीय लोकदल के नेता और प्रत्याशी

चंदन चौहान ने 4 लाख 4 हजार 493 वोट हासिल कर के 37 हजार 508 मतों से जीत दर्ज की थी। चौधरी विजेंद्र सिंह के बसपा छोड़ने के पीछे भले ही कोई भी बड़ी वजह रही हो, लेकिन चौधरी विजेंद्र सिंह के इस कदम से बसपा को विधानसभा उपचुनाव से पहले बड़ा झटका लगा है। सूत्रों से जो जानकारी मिली है, बसपा का एक धड़ा चौधरी विजेंद्र सिंह को मीरापुर विधानसभा उपचुनाव लड़ाना चाहता था। इसको लेकर पश्चिमी यूपी के बसपा के कई नेताओं ने चौधरी विजेंद्र सिंह से मुलाकात भी की थी। बसपा सुप्रीमो से भी मुलाकात हुई थी, और मीरापुर विधानसभा उपचुनाव में टिकट फाइनल होने की भी चर्चा थी, लेकिन अचानक से चौधरी विजेंद्र सिंह ने बसपा को अलविदा कह दिया। चर्चा है कि कुछ तो ऐसा हुआ होगा कि जो उन्होंने बसपा छोड़ने का फैसला किया। बसपा को अलविदा कहने वाले चौधरी विजेंद्र सिंह से जब बात की गई और पूछा गया कि बसपा क्यों छोड़ी तो बोले, बहनजी ने मुझे बिजनौर से लोकसभा चुनाव लड़ाया उनका हमेशा आभारी रहूंगा और बोले कि राजनीति में नए रास्ते तो तलाशने पड़ते हैं। जब उनसे पूछा कहां जा रहें हैं तो बोले, समर्थकों से बात कर फैसला लूंगा नया घर कहां होगा।

मीरापुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव लड़ने पर सवाल पूछा तो बोले, समर्थक चाहेंगे तो बिल्कुल मीरापुर विधानसभा से चुनाव लडूंगा। थोड़ा रुक जाइए जल्द ही आपको पता चल जाएगा कि नया घर और ठिकाना कहां होगा और मेरा अगला कदम भी।

हेमंत सोरेन की रिहाई पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कसा विपक्षी दलों पर तंज, कहा- 'जेल हो जाए तो लोकतंत्र "मर" गया, वाह रे विपक्ष।'

अयोध्या, 29 जून (एजेंसियां)। रांची जमीन घोटाले में जेल में बंद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद रिहा हो गए है। विपक्ष इसे लोकतंत्र की जीत बता है। जिसे लेकर अब कांग्रेस के पूर्व नेता और कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जब किसी नेता को बेल मिल जाती है तो लोकतंत्र जिंदा हो जाता है लेकिन जेल होने पर मर जाता है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने विपक्षी दलों पर बार-बार लोकतंत्र पर खतरा बताए जाने को लेकर निशाना साधा और तंज कसते हुए कहा कि जब विपक्षी दल के किसी नेता को कोर्ट से किसी मामले में जमानत मिल जाती है तो वो देश में लोकतंत्र जिंदा होने की बात कहने लगते हैं लेकिन अगर कोई जेल जाता है तो वो लोकतंत्र खत्म हो जाने का आरोप लगाते हैं। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने एक्स पर लिखा, 'गर "बेल" हो जाये तो लोकतंत्र "ज़िंदा"और "जेल" हो जाये तो लोकतंत्र "मर" गया, वाह रे विपक्ष।'

भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बने उपचुनाव

केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा प्रत्याशियों के नाम

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। पूर्व सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्या के इस्तीफे से रिक्त सीट पर भाजपा प्रत्याशी को लड़ाने का फैसला केंद्रीय नेतृत्व करेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को उनके सरकारी आवास पर प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में 10 उम्मीदवारों के नाम का पैनल केंद्रीय नेतृत्व को भेजने का फैसला किया गया। तय हुआ कि 14 जुलाई को इस संबंध में लखनऊ में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक होगी। बैठक में 10 विधानसभा सीटों के उपचुनाव के लिए 3-3 उम्मीदवारों के नाम तय करते हुए केंद्रीय नेतृत्व को पैनल भेजने और पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदों का सम्मान करने का निर्णय हुआ। इसकी तारीख जल्द घोषित की जाएगी।

प्रदेश में वृहद स्तर पर होने वाले पौधरोपण में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की सहभागिता की रणनीति तय की गई। बैठक में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

यूपी में घट जाएंगी बालू और मोरंग की कीमतें! सीएम योगी के निर्देश से जगी उम्मीद

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खनन विभाग के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें अधिकारियों आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके साथ ही विकास के लिए प्राकृतिक बालू/मोरम की जगह 'एम सैंड' (मैन्युफेक्चर्ड सैंड) को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि नदी बालू की जगह एम-सैंड बेहतर विकल्प होगा। जल्द ही इससे संबंधित नीति लाई जाएगी। सीएम योगी ने हुई बैठक में विकास कार्यों के लिए खनन विभाग के साथ हुई बैठक में प्रस्तावित नीति पर विचार विमर्श करते हुए कहा कि कहा कि हमारी कोशिश होनी चाहिए कि हम विकास कार्यों के लिए पर्यावरण और नदियों को नुकसान पहुंचाए बिना ही सस्टनेबल विकास के काम करें। नदी तल में सीमित बालू है लेकिन इसकी मांग निरंतर बढ़ रही है ऐसे में एम-सैंड बेहतर विकल्प साबित हो सकता है।

इसके साथ ही सीएम योगी ने खनन कार्य से जुड़े वाहनों में ओवरलोडिंग पर नाराजगी जताई और इस पर सख्त कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने कहा कि इसे रोकने के लिए जीरो पॉइंट से ही एक्शन होना चाहिए। इसके लिए जिला व पुलिस प्रशासन, खनन और परिवहन विभाग की संयुक्त टास्क फोर्स रहेगी जो यहां एक्टिव रहेगी और प्रभावी कार्रवाई की जा सकेगी।

फर्जी दस्तावेजों पर अग्निवीर योजना में फौजी बने युवक की जमानत मंजूर

ट्रेनिंग को पहुंचा था बरेली

प्रयागराज, 29 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फर्जी दस्तावेजों पर अग्निवीर योजना के तहत जाट रेजिमेंट में फौजी बने युवक की जमानत मंजूर कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार पचौरी की अदालत ने आरोपी मंगल सिंह की जमानत अर्जी पर अधिवक्ता विपिन गंगवार को सुनकर दिया। मामला बरेली के कैंट थाना क्षेत्र का है। पंजाब के फजिल्का जिले के निओला गांव निवासी मंगल सिंह, सुखदेव सिंह नाम से अग्निवीर योजना के तहत जाट रेजिमेंट में चयनित होकर तैनाती के लिए बरेली कैंट के केंद्र पर पहुंचा था। दस्तावेजों के सत्यापन के वक्त उसके आधार कार्ड के विवरण में भिन्नता मिलने पर मामला प्रकाश में आया कि सुखदेव सिंह के नाम पर सेना में शामिल हुआ जवान मंगल सिंह है। बरेली जाट रेजिमेंट ट्रेनिंग बटालियन के लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज सिंह ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को जेल भेजा था। आरोपी के अधिवक्ता विपिन गंगवार ने दलील दी कि आरोपी जनवरी 2024 से जेल में बंद है। इसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। उसे मामले में झूठा फंसाया गया है, वह निर्दोष है। आरोपित धाराएं सात साल से कम की सजा वाली हैं। ट्रायल पूरा होने में काफी वक्त लगने की संभावना है। कोर्ट ने आरोपी की जमानत मंजूर करते हुए रिहा करने का आदेश दे दिया।

विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में था आदित्य ध्वस्त हुआ रसूख, रिसॉर्ट पर 6.30 घंटे चले बुलडोजर

बरेली, 29 जून (एजेंसियां)। बरेली के पीलीभीत बाइपास पर हुए गोलीकांड के आरोपी आदित्य उपाध्याय के सांवरिया रिसॉर्ट के ध्वस्तीकरण के लिए बीडीए और पुलिस की टीम पहुंची तो वहां मौजूद महिलाओं व अन्य लोगों ने उन पर खूंखार कुत्ते छोड़ दिए। वीडियो बनाते हुए टीम पर दबाव बनाने का प्रयास किया। इससे घबराई टीम ने बाहर खड़े अधिकारियों को सूचना दी। सीओ तृतीय अनीता चौहान और नायब तहसीलदार विदित कुमार ने वहां मौजूद लोगों को हड़काया और कुत्तों पकड़कर ले जाने के लिए कहा। इस पर वहां मौजूद लोग कुत्तों को पकड़कर ले गए। इसके बाद कार्रवाई शुरू हो सकी। साढ़े छह घंटे तक बुलडोजर गरजते रहे। इस दौरान रिसॉर्ट के 70 फीसदी हिस्से को जमींदोज कर दिया गया। फायरिंग के बाद चर्चा में आया आदित्य उपाध्याय भोजीपुरा विधानसभा

क्षेत्र से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा था। सूत्रों की मानें तो इसमें एक नेता पर्दे के पीछे से उसकी मदद कर रहे थे। उसका बेटा अभिराज भी भोजीपुरा क्षेत्र की राजनीति में सक्रिय रहा। वह एक पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता भी है। आदित्य उपाध्याय की मां मीरा शर्मा सेवानिवृत निरीक्षक हैं। उनके नाम पर ही यह रिसॉर्ट संचालित हो रहा था। हालांकि, इसका संचालन आदित्य व उसका बेटा अविरल ही करते थे। कार्रवाई से पहले टीम ने इसे खाली करवाया तो पता चला कि आरोपी इसके निचले हिस्से में बिना लाइसेंस के ही हुक्का बार चलाता था।

नौकरियों में पिछड़े और दलितों की हो रही अनदेखी

अनुप्रिया पटेल ने सीएम योगी को लिखी चिट्ठी

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। यूपी में बीजेपी की सहयोगी पार्टी अपना दल ने यूपी के सीएम को चिट्ठी लिखी है। इंटरव्यू के आधार पर मिलने वाली नौकरियों में पिछड़े और दलितों की अनदेखी करने का मुद्दा उठाया गया है। ये चिट्ठी मोदी सरकार में मंत्री और अपना दल की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने लिखी है। कई बार ऐसा होता रहा है कि ओबीसी और एससी कोटे से कोई योग्य उम्मीदवार नहीं मिलता है। तो इस पद को सामान्य श्रेणी के कैटेगरी में डाल दिया जाता है। हाल के दिनों में कुछ विश्वविद्यालयों में ऐसा हुआ। अपना दल ने मांग की है कि ऐसे हालात में इस पद को अन रिजर्व न किया जाए। इस पद को हर हाल में पिछड़े दलित कोटे से ही भरा जाए। हाल में खत्म हुए लोकसभा चुनावों में विपक्षी इस मुद्दे को उठाया था। विपक्ष की तरफ से आउटसोर्सिंग यानी संविदा पर नौकरी देने के मामले में भी आरक्षण की मांग की जा रही है। ओबीसी एवं एसटी-एससी को नौकरी देने को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की पार्टियों ने अब आवाज उठानी शुरू कर दी है। अनुप्रिया पटेल ने सीएम योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में इस कोटे के तहत नियुक्तियों को लेकर बड़े सवाल उठाए हैं। अनुप्रिया पटेल ने योगी सरकार की इंटरव्यू वाली नियुक्तियों को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने सीएम को लिखे पत्र में कहा है कि यूपी सरकार की इंटरव्यू वाली नियुक्तियों में ओबीसी-अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को यह कहकर नौकरी नहीं दी जा रही कि वे योग्य नहीं हैं। प्रायः ही यह दिखा दिया जाता है कि नॉट फाउंड सूटेबल कैंडिडेट।

इस तरह से नियुक्तियों से अनुसूचित जाति और जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों को नौकरी नहीं दी जा रही है। बाद में इन पदों को अनारक्षित घोषित किया जाता है और सामान्य वर्ग के लोगों को नौकरी दे जाती है। उन्होंने सीएम योगी से मांग की कि नॉट फाउंड सूटेबल कैंडिडेट करार देकर योग्य उम्मीदवारों को नौकरी नहीं दी जाती है। इस प्रक्रिया पर यूपी सरकार की ओर से तत्काल रोक लगाई जाए। उन्होंने कहा कि सरकार को इस पर जल्द से जल्द कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि इन वर्गों के उम्मीदवारों कोई आक्रोश ना पनप पाए। अनुप्रिया पटेल ने मुख्यमंत्री योगी से अनुरोध किया है

नेता का बेटा राजनीति नहीं तो क्या खेती- बाड़ी करेगा नीतीश कुमार के बेटे की सियासी एंट्री पर लवली आनंद का बड़ा बयान; अटकलें तेज

पटना, 29 जून (एजेंसियां)। बिहार की सियासत में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की एंट्री को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। जदयू के कई नेता इस बात की मांग कर चुके हैं कि जदयू की खोई हुई प्रतिष्ठा को वापस लाने के लिए निशांत को जदयू ज्वाइन कराया जाए। जदयू नेता मांग कर रहे हैं कि निशांत को पार्टी ज्वॉइन कराकर पार्टी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देनी चाहिए। हालांकि, अबतक इस पूरे प्रकरण पर नीतीश कुमार या पार्टी की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। इस बीच, शिवहर सांसद और बाहूबली नेता आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद के बयान से अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। लवली आनंद ने निशांत कुमार के राजनीति में आने का खुलकर स्वागत किया है। निशांत कुमार के जदयू ज्वॉइन करने के सवाल पर उन्होंने कहा, नेता का बेटा राजनीति नहीं करेगा तो क्या खेती-बाड़ी करेगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के बेटे को राजनीति में ले आना एक स्वागत योग्य कदम है।

पहली बारिश में ही रामपथ पर 13 गड्ढे

6 इंजिनियर सस्पेंड, गुजरात की कंपनी को नोटिस जारी किया गया

अयोध्या, 29 जून (एजेंसियां)। भारी बारिश के कारण अयोध्या में राम पथ पर कई गड्ढे हो गए। अब इसकी गाज अधिकारियों पर गिरी है। राम पथ धंसने की घटना के मद्देनजर, उत्तर प्रदेश सरकार ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और जल निगम के कई अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। छह इंजीनियरों को निलंबित कर दिया गया है और क्षेत्र में सिविल कार्य के लिए जिम्मेदार गुजरात स्थित एक फर्म को नोटिस जारी किया गया। रामपथ निर्माण में 100 करोड़ से ज्यादा खर्च हुए थे। पहली बारिश में रामपथ पर 13 जगह गड्ढे हो गए थे। निलंबित अधिकारियों में पीडब्ल्यूडी के तीन अधिकारी कार्यकारी अभियंता ध्रुव अग्रवाल, सहायक अभियंता अनुज देशवाल और कनिष्ठ अभियंता प्रभात पांडे शामिल हैं। जल निगम से, कार्यकारी अभियंता आनंद कुमार दुबे, सहायक अभियंता राजेंद्र कुमार यादव और कनिष्ठ अभियंता मोहम्मद शाहिद को आगे की जांच तक उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया है। अभी मानसून की शुरुआत ही हुई है और अयोध्या के एक महत्वपूर्ण मार्ग, राम पथ पर धंसने की घटना ने इस तरह की मौसम स्थितियों के लिए शहर की बुनियादी ढांचे की तैयारियों पर लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को फिर से उजागर कर दिया है। अधिकारियों ने निर्माण कार्य की घटिया गुणवत्ता को सड़क धंसने का प्राथमिक कारण बताया है। घटना पर राज्य सरकार की त्वरित प्रतिक्रिया में न केवल इंजीनियरों को निलंबित करना शामिल है,

बल्कि सिविल कार्यों में शामिल गुजरात स्थित फर्म की जिम्मेदारियों की गहन जांच भी शुरू करना शामिल है। अयोध्या में विशिष्ट बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अपनी भूमिका के लिए पहचानी जाने वाली इस फर्म को निर्माण चरणों के दौरान बनाए रखी गई गुणवत्ता और मानकों के संबंध में स्पष्टीकरण प्रदान करने के लिए नोटिस दिया गया है। अयोध्या में रामपथ जैसी महत्वपूर्ण जगह पर ऐसी घटना के कारण राज्य सरकार घेरे में है। विपक्ष हमलावर है और सरकार दबाव में है। हाल ही में अयोध्या में नए बने रेलवे स्टेशन की एक दीवार भी गिर गई थी। निर्माण में हुई अनियमितताओं के दोषियों को सजा दिलाने के लिए राज्य सरकार ने प्रतिबद्ध होने की बात कही है।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई का एक्शन जारी

गुजरात के 4 जिलों में छापेमारी

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई गुजरात में छापेमारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक सीबीआई नीट पेपर लीक के दोषियों को पकड़ने के लिए अब गुजरात के गोधरा, खेड़ा, आनंद और अहमदाबाद पहुंची है। आज सुबह से ही सीबीआई गुजरात के इन जिलों में छापेमारी कर रही है। इससे पहले सीबीआई ने हजारीबाग से पत्रकार जमालुद्दीन को गिरफ्तार किया। जमालुद्दीन पर पेपर लीक के आरोपी ओसिस स्कूल के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल को असिस्ट करने का आरोप है। खबरों की मानें तो कॉल डिटेल्स से खुलासा हुआ है कि लगातार फोन के जरीए जमालुद्दीन दोनों से संपर्क में था। पूछताछ में पता लगा है कि पेपर लीक में जमालुद्दीन प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल की मदद कर रहा था।

वाइस प्रिंसिपल और प्रिंसिपल पहले हुए ये गिरफ्तार

सीबीआई ने शुक्रवार को नीट पेपर लीक मामले में झारखंड के हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल को गिरफ्तार किया था। अफसरों ने बताया कि 5 मई को आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के लिए ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसानुल हक को हजारीबाग जिले का कोऑर्डिनेटर बनाया गया था। इसके अलावा वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज आलम को एनटीए का सुपरवाइजर और ओएसिस स्कूल का केंद्र कोऑर्डिनेटर बनाया गया था। अफसरों ने कहा कि सीबीआई पेपर लीक मामले में जिले के पांच और लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

महाराष्ट्र पहुंचेगी सीबीआई

महाराष्ट्र में हुए नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम आज लातूर जा सकती है। महाराष्ट्र सरकार ने लातूर पेपर लीक केस की जांच भी सीबीआई के हवाला कर दी है। खबरों के मुताबिक सीबीआई के अधिकारियों ने जांच कर रही पुलिस टीम से बात की है। टीम आज लातूर जा सकती है और जरूरी दस्तावेज अपने हाथ में लेकर जांच शुरू कर सकती है। इस मामले में लातूर से अब तक दो शिक्षकों को गिरफ्तारी किया गया है। अन्य दो आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

संजय झा बने जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार को जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई है। इस बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे हैं। बैठक में संजय झा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। इसका ऐलान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद किया। वहीं, सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, बैठक में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिले या स्पेशल पैकेज मिले इसको लेकर मंथन किया गया है। इस मसले को लेकर केंद्र सरकार के सामने जेडीयू मजबूती से अपना पक्ष रखकर मांग करेगी। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में इस प्रस्ताव पर मुहर लग गई है। यही नहीं, झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ने का भी पार्टी ने फैसला किया है। इस बैठक में लोकसभा चुनाव की समीक्षा और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई है। 2025 का बिहार विधान सभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। ये पार्टी को ओर से साफ मैसेज है। झारखंड के निर्दलीय विधायक सरयू राय भी जदयू में शामिल हो सकते हैं। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में जदयू की झारखंड इकाई ने सरयू राय समेत कुछ अन्य नेताओं को पार्टी में शामिल करने की मांग की।

बैठक से पहले क्या बोले जेडीयू के नेता?

बैठक में कार्यकारिणी के सदस्य, महासचिव, सचिव और प्रदेश अध्यक्षों के अलावा सभी सांसद और मंत्री मौजूद रहे। इस दौरान पार्टी की ओर से हाल के दिनों में लिए गए तमाम निर्णयों, उसके प्रभाव, लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आगे की रणनीति पर चर्चा की गई।

जेडीयू नेता नीरज कुमार ने कहा, 'हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि 2024 के चुनाव नतीजों ने देश की राजनीति में यह स्पष्ट कर दिया है कि राजनीति नीतीश कुमार जी के इर्द-गिर्द घूमती है।'

पीएम मोदी ने जेडीयू को लेकर क्या कहा?

इससे पहले पार्टी नेता संजय झा को जेडीयू का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने की खबरों पर विजय कुमार चौधरी ने कहा था, 'मैंने भी इसके बारे में सुना है, लेकिन हमें अंतिम निर्णय का इंतजार करना चाहिए।' इससे पहले शुक्रवार को नीतीश कुमार जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेने के लिए पटना से दिल्ली के लिए रवाना हुए। गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जेडीयू और बीजेपी बिहार में सुशासन के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में जेडीयू सांसदों के साथ बैठक के बाद यह बात कही। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में, जेडीयू ने बिहार में 16 सीटों पर चुनाव लड़ा और 12 सीटों पर जीत हासिल की। इसके अलावा पार्टी को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के हिस्से के रूप में केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी प्रतिनिधित्व मिला है। जेडीयू बीजेपी के प्रमुख गठबंधन सहयोगियों में से एक है।

एमवीए में मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर बढ़ा विवाद

कांग्रेस के बाद अब शरद पवार ने दिया बड़ा बयान

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। महाविकास आघाडी यानी एमवीए में मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर विवाद बढ़ता नजर आ रहा है। कांग्रेस के बाद अब शरद पवार ने भी उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद का चेहरा मानने से इनकार कर दिया है। मुख्यमंत्री के तौर पर उद्धव ठाकरे क्या एमवीए का चेहरा हो सकते हैं। इस सवाल पर शरद पवार ने कहा कि हमारा गठबंधन ही हमारा चेहरा है। उन्होंने कहा कि सामूहिक नेतृत्व में विधानसभा चुनाव का सामना करेंगे। बता दें कि हाल ही में संजय राउत ने कहा था कि बिना मुख्यमंत्री के चेहरे के चुनाव में जाना खतरनाक साबित हो सकता है।

उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री के तौर पर बहुत अच्छा काम किया था और लोकसभा

चुनाव में उद्धव ठाकरे के चेहरे पर ही महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को वोट मिला था। शरद पवार के पहले कांग्रेस भी कह चुकी है कि पार्टी ने तय किया है, संजय राउत के बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी जाएगी। विधानसभा चुनाव में एमवीए के तौर ही पर उतरेंगे।

बालाघाट में शहीद पुलिस जवानों को सीएम मोहन यादव ने दी श्रद्धांजलि, 28 जवानों को दिया 'आउट ऑफ टर्न प्रमोशन'

भोपाल, 29 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव शनिवार 29 जून को बालाघाट पहुंचे। यहां सीएम यादव ने शहीद वीर पुलिस जवानों को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही, उन्होंने शहीद वीर जवानों को शत-शत नमन किया। सीएम मोहन यादव इसके बाद हॉकफोर्स के जांबाज कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान सीएम यादव ने विभिन्न नक्सलवादी अभियानों में बहादुरी से अपनी सेवा देने के लिए 26 जवानों और 2 पूर्व जवानों को पदोन्नति दी। सीएम यादव ने मंच से जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज बालाघाट के लिए ऐतिहासिक दिन है। कर्तव्यपथ पर शौर्य और पराक्रम दिखाने वाले भारत माता के वीर सपूतों का सम्मान करने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है। हमारे बालाघाट सहित पूरे अंचल में ड्यूटी करते हुए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले सभी वीर सपूतों को प्रणाम करता हूं। उन्होंने कहा कि बालाघाट को प्रकृति ने विशेष वरदान दिया है।

यहां वन संपदा, भू-गर्भ संपदा के साथ अलौकिक वातावरण है। हमारे बालाघाट जोन में फोर्स ने लंबे समय से अपनी सक्रियता के बलबूते पर नक्सलवाद के बीज को उखाड़ फेंकने का काम किया है। सीएम यादव ने कहा कि हमने नक्सलियों के आत्म समर्पण की नीति भी बनाई है और इस दिशा में भी हम काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भटके हुए नक्सलवादी यदि आत्मसमर्पण करते हैं तो हमारी सरकार उनके लिए सरकारी नौकरी, प्रोत्साहन राशि, गृह निर्माण व व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उनका जीवन बदलने का काम कर रही है। यही कारण है कि नक्सल समस्या पर हमने कंट्रोल भी किया है और अब सर्वाधिक समस्याग्रस्त जिला अब धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। कहा कि बालाघाट की धरती पर शौर्य और पराक्रम के प्रतीक वीर जवानों के कार्यक्रम में सहभागिता की। साथ ही, वीर जवानों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन देकर सम्मानित किया। सीएम यादव ने आज बालाघाट में आयोजित कार्यक्रम में 28 जवानों को (हॉकफोर्स और जिला पुलिस बल) आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया गया है। यह वीरता का सम्मान है।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आप का हल्ला बोल, गोपाल राय ने बीजेपी पर लगाए आरोप

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। दिल्ली आबकारी नीति मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने के विरोध में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन जारी है। आम आदमी पार्टी दिल्ली के प्रभारी और आप सरकार में मंत्री गोपाल राय के नेतृत्व के पार्टी के कार्यकर्ता बीजेपी कार्यालय का घेराव करेंगे। आप मुख्यालय पर प्रदर्शन के दौरान पार्टी के नेताओं ने बीजेपी के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही बीजेपी को हिदायत दे कि वो दमनात्मक कार्यवाही बंद करे।

सीएम को साजिशन करवाया गिरफ्तार

आम आदमी पार्टी दिल्ली प्रभारी और मंत्री गोपाल राय ने कहा कि बीजेपी वाले फर्जी केस चलाकर सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कराया है। उन्होंने कहा कि पहले ईडी ने सीएम केजरीवाल को गिरफ्तार किया और अब सीएम को जमानत मिलने की संभावना को देखते हुए उन्हें सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया है। जबकि अभी तक सीबीआई सोई हुई थी। उन्होंने कहा कि बीजेपी की इस तानाशाही को नहीं चलने देंगे। पार्टी के नेताओं का आरोप है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सीबीआई-ईडी का दुरुपयोग कर अरविंद केजरीवाल जी को साजिशन गिरफ्तार करवाया है, जिसके विरोध में आम आदमी पार्टी आज बीजेपी के मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन कर रही है।

पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी के खिलाफ आम आदमी पार्टी द्वारा विरोध प्रदर्शन के चलते पुलिस ने में पार्टी मुख्यालय के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस ने ये सुरक्षा एहतियातन बढ़ाई है। ताकि प्रदर्शन के दौरान कोई अनहोनी घटना न हो।

पचमढ़ी में जबलपुर की टूरिस्ट महिला को बंदर ने काटा, इलाज में खर्च हुए 1 लाख 25 हजार रुपए

पचमढ़ी, 29 जून (एजेंसियां)। सतपुड़ा की खूबसूरत जगह पचमढ़ी में टूरिस्टों पर आए दिन बंदरों के अटैक के मामले सामने आ रहे हैं। 1 महीने में लगभग 60 से ज्यादा पर्यटकों को बंदरों ने काटने का शिकार बनाया है। ताजा मामला जबलपुर की युक्ति का है जिसके हाथ में बंदरों ने इतना घेरा काटा की डॉक्टर को उसका ऑपरेशन करना पड़ा और पैर की चमड़ी काट कर हाथ पर लगानी पड़ी। पीड़ित युक्ति को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वहीं पचमढ़ी के बाजार में एक टूरिस्ट अपनी गाड़ी से 1 लाख से भरा बैग लेकर जा रहा था, तभी बंदरों ने उसे पर अटैक कर दिया।

इसके बाद बंदर पैसों से भरा बैग लेकर मकान की छत पर पहुंचे जहां पान 500 के नोट बिखेर दिए। बाद में लोगों ने नोट और बैग उठाकर टूरिस्ट को लौटाए। जबलपुर की रहने वाली दीपा चौधरी एक हफ्ते पहले सतपुड़ा की सबसे ऊंची चोटी पचमढ़ी में घूमने के

लिए पहुंची हुई थी। जहां हांडी एरिया घूमते समय उनको बंदर ने हाथ मेंकाट लिया। जिससे उनके हाथ की नसें डैमेज हो गई थी। शुरुआती लाज पचमढ़ी में हुआ है इसके बाद उन्हें बाकी का इलाज जबलपुर के मेट्रो हॉस्पिटल में करना पड़ा। जहां उनके हाथ की सर्जरी हुई। इस इलाज में उनके करीब 1 लाख 25 हजार रुपए खर्च हो गए। हालांकि अभी उनके हाथ को पूरी तरह ठीक होने में कई महीनो का समय लगेगा। दीपा ने बताया कि वह हांडी क्षेत्र में नॉर्मल खड़ी हुई थी। उनके पास कुछ खाने का सामान भी नहीं था। बंदर ने बहुत डीप आकर, उन्हें काटा। अगली बार वे पचमढ़ी आने से पहले लाख बार सोचेंगी। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के फील्ड डायरेक्टर एल कृष्णमूर्ति ने बताया है कि लाल मुंह के बंदर को वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट से अलग कर दिया गया है। अब इस बंदर द्वारा किए गए हमलों पर फॉरेस्ट विभाग द्वारा इलाज और सहायता दी जाएगी, जबकि पहले वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट के तहत इसकी मदद की जाती थी। अब इसका इलाज कलेक्टर के द्वारा किया जाएगा।

मसीहा बनी पुलिस: खाकी के जाल से न बच सके बदमाश

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के शकरपुर इलाके में विकास मार्ग, हीरा स्वीट्स के बाहर माता-पिता अपने बच्चों को कार में छोड़कर मिठाई लेने गए। पिता ने कार में एसी चलाकर अपनी 11 साल की बेटी और तीन साल के बेटे को वहीं छोड़ दिया। मोबाइल और अन्य कीमती सामान भी कार में छोड़ दिया गया। इस बीच बदमाशों ने कार समेत दोनों बच्चों को अगवा कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने बच्चों को मुक्त करने के बदले 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी। परिवार बुरी तरह डर गया। रात करीब 11.40 बजे मामले की सूचना पुलिस को दी गई। फौरन शकरपुर थाने के अलावा स्पेशल स्टाफ, एएटीएस व अन्य की आधा दर्जन टीमों का गठन किया गया। बच्चों की मां लगातार बदमाशों के संपर्क में रही। रुपये देने को लेकर बातचीत चलती रही। इस बीच पुलिस बदमाशों की लोकेशन ट्रेस करती रही। बदमाश बाहरी-उत्तरी जिला में पहुंचे। बाहरी-उतरी जिला पुलिस की भी मदद ली गई।

सोरेन की जमानत पर संजय राउत ने कहा, दस साल से यही हो रहा है

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। झारखंड हाई कोर्ट ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार हेमंत सोरेन को कल जमानत दे दी। शुक्रवार को जमानत के बाद पूर्व सीएम सोरेन को जेल से रिहा कर दिया गया। इस बीच उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के सांसद और प्रवक्ता संजय राउत की प्रतिक्रिया सामने आई है। जेएमएम नेता हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, सीबीआई-ईडी ने 10 साल में जितने भी राजनीतिक नेताओं को गिरफ्तार किया है उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले हैं। मैं इसका उदाहरण हूं। अनिल देशमुख के खिलाफ कोई सबूत नहीं है, केजरीवाल जी को पकड़ा है, कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है, आप उन्हें परेशान कर रहे हैं। हेमंत सोरेन के बारे में भी यही कहा है। इस देश की एजेंसी मोदी-शाह की प्राइवेट एजेंसी बन गई है। हेमंत सोरेन बेकसूर थे। न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की एकल पीठ द्वारा पारित आदेश में कहा गया, 'याचिकाकर्ता को 50,000 रुपये के जमानती मुचलके और इतनी ही राशि की दो प्रतिभूति के साथ जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया जाता है।''झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन के मामले में 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। एक अधिकारी ने बताया कि सोरेन (48) बिरसा मुंडा जेल में कैद थे और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें अपराह्न चार बजे रिहा किया गया। सोरेन के वरिष्ठ वकील अरुणाभ चौधरी ने कहा, ''सोरेन को जमानत दे दी गई है। अदालत ने कहा है कि प्रथम दृष्टया, वह दोषी नहीं हैं और जमानत पर रिहाई के दौरान याचिकाकर्ता द्वारा कोई अपराध किए जाने की कोई आशंका नहीं है।'' झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को सोरेन को अदालत द्वारा जमानत दिए जाने पर खुशी जताई।

'भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की महिला नेता को टीएमसी कार्यकर्ताओं ने पीटा', शुभेंदु अधिकारी ने लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता, 29 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने उनकी पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा की एक महिला नेता के साथ मारपीट की। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि उन्होंने घटना के बारे में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), राष्ट्रीय महिला आयोग और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को पत्र लिखकर 25 जून को हुई घटना की जानकारी दी और उनसे इसकी जांच कराने का अनुरोध किया। भाजपा नेता ने आरोप

लगाया, 'भाजपा महिला मोर्चा की एक महिला नेता की गोखसदांगा में तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने पिटाई की। सार्वजनिक रूप से उनके कपड़े भी फाड़ दिए गए। इस समय वह एक अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही।' अधिकारी ने उम्मीद जताई कि एनएचआरसी, एनसीडब्ल्यू और एनसीएम की टीम जल्द इलाके का दौरा करेंगी। पीड़ित महिला नेता ने भी भाजपा नेता के आरोपों की पुष्टि की। अस्पताल में संवाददाताओं से बातचीत में बताया कि 'तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने कहा कि वे मुझे भाजपा के साथ जुड़े होने की सजा दे रहे हैं।' हालांकि तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने आरोपों को निराधार बताकर खारिज कर दिया और दावा किया कि घटना संपत्ति के एक विवाद से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि टीएमसी का इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है। यह पूरा मामला संपत्ति विवाद से जुड़ा है। आरोपी निराधार और राजनीति से प्रेरित हैं। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

आईजी के सामने महिला ने सुनाई पीड़ा बोलीं- दुष्कर्म करने वाले खुलेआम घूम रहे, एफआईआर नहीं हो रही दर्ज

उज्जैन, 29 जून (एजेंसियां)। उज्जैन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) संतोष कुमार सिंह के पास एक महिला फरियाद लेकर पहुंची। उसने कहा- 'साहब अब पुलिस को आम जनता से कोई हमदर्दी नहीं है। आठ दिन पहले मेरे साथ दुष्कर्म हुआ था। आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। मेरी और मेरे पति की गर्दन काटने की धमकी दे रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में आठ दिन में आरोपियों को पकड़ना तो दूर प्रकरण तक दर्ज नहीं किया है। मैं और मेरे पति इन लोगों से अपनी जान बचाते हुए आठ दिन से यहां-वहां छिप रहे हैं।' पूरा मामला थाना सलसलाई का है। ग्राम मोहन बड़ोदिया में रहने वाली एक महिला 22 जून को अपने पति के साथ थाने पहुंची थी। उसने पुलिस को बताया था कि 21 जून की दोपहर तीन बजे जब उसके पति घर पर नहीं थे,

मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे पर टक्कर के बाद हवा में उछली कारें बैरिकेड पर गिरी, 6 लोगों की मौत, कई घायल

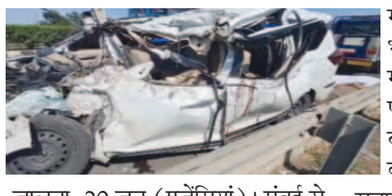

जालना, 29 जून (एजेंसियां)। मुंबई से लगभग 400 किलोमीटर दूर जालना जिले में बड़ा रोड एक्सीडेंट हुआ है। बीती रात मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे (समृद्धि महामार्ग) पर हुई दो कारों की भीषण टक्कर में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। हादसा रात करीब 11 बजे हुआ जब एक स्विफ्ट डिजायर कार ईंधन भरवाने के बाद गलत साइड से हाईवे पर घुस गई और नागपुर से मुंबई जा रही अर्टिगा से टकरा गई। दोनों कारों की टक्कर इतनी भीषण थी कि अर्टिगा हवा में उछल गई और राजमार्ग पर लगे बैरिकेड पर जा गिरी। जबकि यात्री कार से बाहर सड़क पर गिर गए। दूसरी कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।खून से लथपथ शव हाइवे पर पड़े देखे गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही समृद्धि राजमार्ग पुलिस और जालना पुलिस मौके पर पहुंची।

कारों को हटाने के लिए एक क्रेन को काम पर लगाया गया। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया कि रात के करीब 11 बजे स्विफ्ट डिजायर कार एमएच12एमएफ1856 विपरीत दिशा में डीजल भरवाने के बाद जा रही थी, तभी नागपुर से मुंबई जा रही इर्टिका कार एमएच.47बीपी5478 ने जोरदार टक्कर मार दी। यह हादसा जालना इलाके में समृद्धि हाईवे पर कडवंची गांव के पास हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही समृद्धि हाईवे पुलिस और तालुका जालना पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से समृद्धि हाईवे के नीचे से दोनों कारों को बाहर निकाला और सड़क को यातायात के लिए खोल दिया।

बता दें कि समृद्धि महामार्ग महाराष्ट्र में आंशिक रूप से कार्यात्मक छह-लेन और 701 किलोमीटर लंबा एक्सेस-नियंत्रित एक्सप्रेसवे है। यह मुंबई और राज्य के तीसरे सबसे बड़े शहर नागपुर को जोड़ने वाली देश की सबसे लंबी ग्रीनफील्ड सड़क परियोजनाओं में से एक है।

आस्था का प्रतीक : वट वृक्ष

अतुल कुमार

मनुष्य के अच्छे दोस्तों में से एक पेडों को माना गया .प्रकृति से मिले इस मित्र के दोस्ताने को उसका जीवन भर का हितैषी समझा गया . ज़िंदगी की यादों में पेड न हों तो उसे शुष्क तथा कुदरत को न समझने वाला कहा गया . फैक्ट यह है कि जो पेडों के निकट रहता है वह अन्य लोगों की तुलना में अधिक फिट, स्वस्थ्य और सुशील रहता है क्यों कि पेड केवल देते ही देते हैं .मांगते कुछ नहीं . सोचिये ! जिस दिन मांगने लगेंगे उस दिन क्या हालत होगी . इमैजीन कीजीए , उस दिन इंसानियत और इंसान की क्या स्थिति होगी . मां प्रकृति की ऐसी अनुकंपा है जो सदा दात्री ही रहीं .पेडों का महत्व प्रकृति का हिस्सा होने से कहीं अधिक है स्वच्छ और हरित वातावरण जिसके लिये आज दुनिया तरस रही है उस हरीभरी प्रकृति का ज़रूरी हिस्सा पेड हैं .लोगों में दिनों दिन सामाजीकरण घट रहा है ,करोना काल के बाद स्थितियां और बिगडी हैं लोगों के मिलने जुलने और बतियाने में कमी हुई है . घरों में ड्राइंग रूम तो ऊंचे दामों पर बने हैं और बन रहे हैं लेकिन वहां से गेस्ट नाम का शख्स तेज़ी से ओझल हो रहा है . समाजशास्त्रियों के अनुसार यह होना ही था क्यों कि जहां मतलब खोरी हावी हो वहां आपसी मोह घटेगा .वही हो रहा है .

पेडों का सामाजीकरण से गहरा रिश्ता रहा जब भी पेडों पर फल जैसे पपीता ,अमरूद , आम और संतरे आदि आते तो लोग उनको आपस में बांटते जिससे उनमें आत्मीयता बढती और बचा मार्केट के हवाले करते लेकिन अब सब पर बिक्री और मुनाफे का गणित हावी है. पेडों का इस्तेमाल भी इंटरप्रूनर के रूप में होने लगा है .वृक्षों का महत्व मानव जीवन और पृथ्वी को बचाने के लिये है वह आक्सीजन देते हैं कार्बन का भंडारण करते हैं और सभी जीवों के कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं . पर्यावरण प्रोटेक्शन के लिये उन्हें ज़रूरी माना गया . भोजन ,ईंधन और फरनीचर बनाने के मुख्य स्रोत पेड ही हैं .

इतिहास का महत्वपूर्ण प्रसंग है सिकंदर जब यहां आया तब वनस्पतियों के भंडार और ग़्रीनरी को देख इतना प्रभावित हुआ कि अपने साथ वनस्पतियों के ज्ञान ,महत्व और योगदान को साथ ले लौटा .सैनिकों ने पूछा कि हुज़ूर यह क्यों ? तो कहा " ज़िंदगी का असली आधार तो यही वनस्पति और पेड हैं इनके बिना जीवन की कल्पना बेमानी हैं ." पेड का हर हिस्सा जडों से ले उसके तने तक फायदेमंद होता है . दरअसल यह एक कल्चर बन गया है कि थोडी देर आक्सीजन देने वाले डाक्टर को भारी पैसा दे उसको भगवान मानते हैं ,जबकि जीवन भर मुफ्त में आक्सीजन देने वाले पेड को हम कद्र तक नहीं करते है न !

पेडों के विविध प्रकार हैं जिनमें एक प्रमुख को वट वृक्ष , बरगद और बड का झाड कहा गया . अंग्रेज़ी में इसे " बनयान ट्री " कहा गया जो विकास , वायु और विश्रांति का मुख्य माध्यम है . घरों ,मंदिरों और जलाशयों के आसपास इसे अधिक देखा जाता है . आकार प्रकार में बहुत विशाल और बडे बडे पत्तों वाला होता है . औषधियों का बडा भंडार है जिसकी छाल ,फल (अंजीर), और दूध से रोगों का इलाज किया जाता है आयुर्वेद के अनुसार कफ ,पित्त , और वात दोष इससे ठीक हो सकते हैं . नाक कान से संबंधित रोग , बवासीर , खुजली , तथा बालों के झड़ने की समस्या भी इससे दूर होती है . बहुत छाया दार और लंबे समय तक जीवित रहने वाला पेड है . विद्वानो के अनुसार मानवता के आरंभ में सृष्टि के प्रथम प्राणी आदम और हव्वा ने शरीर को ढकने का सलीका इसी पेड के पत्तों को लपेट कर शुरु किया यहीं से शरीर ढकने व कपडे पहनने का चलन शुरु हुआ .

वट वृक्ष की सबसे बडी खूबी है कि यह अकाल के समय में भी जीवित और हरा भरा रहता है . इंसान इसके फल खाते हैं तो जानवर इसके पत्तों को खाते हैं . इसकी लंबाई 40 मीटर से अधिक और चौडाई 100 मीटर व्यास में फैलती हैं . भरेपूरे आकार में आने में 10 वर्ष का समय लेता है लेकिन जब विकसित होता है तो कई दशकों सदियों तक जगह की शान को बढाता है . ज्ञान और निर्माण का प्रतीक है इसलिये संस्थानों , दूकानों और पदार्थों पर एमब्लेम के रूप में इसे रखा जाता है . शास्त्रीय मान्यता है कि इसकी पूजा से सुख समृद्धि ,अखंड सौभाग्य देने के साथ लंबी आयु देने की कामना पूरी होती है . भारत के इतिहास और लोक कथाओं का भी अहम हिस्सा है .इसे त्रिमूर्ती का प्रतीक माना गया इसकी छाल में विष्णु , जडों में ब्रह्मा और शाखाओं में शिव विराजते हैं इसलिये इसे उत्सर्जन का वृक्ष भी कहा गया बताया जाता है जिनको संतान की प्राप्ति न हो तो इसकी पूजा से इच्छित मनोकामना पूरी होती है . मूल रूप से यह मैदानी भागों का वृक्ष है .

पुराणों के अनुसार जब पूरी दुनिया प्रलय से खत्म हो गयी और चारों ओर पानी ही पानी हो गया तब भगवान शिव जो सृष्टि के रचयिता और विनाशक हैं ने वट वृक्ष के पत्ते पर भगवान विष्णु को शिशु रूप में अवतरित किया और इसके निर्माण के लिये उन्होंने ब्रह्मा को प्रकट किया . अतः वट वृक्ष के पत्ते को शुभ और पूजनीय माना गया . कई ऐसे वट वृक्ष हैं जो चार पांच सदियों से हरे भरे रूप में लहलहा रहे हैं . पक्षियों व चमगादडों के लिये यह उनका ठिकाना है . लंबी मोटी और घनी शाखाओं के कारण वे घोसला भी यहीं सुरक्षित जगह देख बनाते हैं .ज्योतिष शास्त्र के अनुसार व्यापार ,नौकरी या किसी भी बिगडे काम से संबंधित कोई समस्या हो तो इसकी पूजा कर दीपक जलाने से समस्या का जल्द निदान होता है क्यों कि इसमें त्रिदेव का वास है .

एक और प्रसंगानुसार सावित्री और सत्यवान की कथा का केंद्र बिंदु भी यही पेड रहा .सावित्री को जब नारद मुनि से पता चला कि उनके पति की उम्र कम है तब वो चिंतित रहने लगीं कुछ दिन बाद सत्यवान के सिर में असहनीय दर्द होने लगा और आंखें बंद हुईं तो उनको ले बरगद के पेड के नीचे पति के सिर को गोद में रख बैठ गयीं .कुछ देर बाद देखा कि सामने से .यमराज अपने साथ लोगों को ले कर आ रहे हैं .पास आ उन्होंने कहा हे ! पतिव्रता देवी धरती तक ही पति का साथ रहता है अब तुम वापस लौट जाओ और मृत सत्यवान को ले जाने लगे उनकी इस बात पर सावित्री ने कहा जहां मेरे पति रहेंगे मुझे वहीं रहना है . यही मेरा पत्नी धर्म है . देवी के हठ को देख यमराज प्रसन्न हुए और वर मांगने को कहा मैं तुमको तीन वर देता हूं लेकिन इस मृत को मुझे ले जाना होगा बोलो तुम कौन से तीन वर लोगी . तब सावित्री ने सास ससुर के लिये आंखों की रौशनी मांगी ,ससुर का खोया हुआ राज्य वापस मांगा और अपने पति सत्यवान के सौ पुत्रों की मां बनने का वर मांगा इसे सुन यमराज चकित हुए और सावित्री के पतिव्रता भाव को देख तथास्तु कहा जिसे सुन सावित्री उस वट वृक्ष के पास लौट आयी जहां सत्यवान मृत पडा था उसके स्पर्श मात्र से सत्यवान के मृत शरीर में फिर से संचार हुआ इस प्रकार सावित्री ने पतिव्रता धर्म को निभाते हुए बरगद को प्रणाम किया . तभी से वट सावित्री अमावस्या और वट सावित्री पूर्णिमा के दिन वट वृक्ष की पूजा का विधान है .

वनस्पति शास्त्र के वैज्ञानिकों के अनुसार यह 5270 साल पुराना वृक्ष है इसकी रासायनिक उम्र 3250 ई पू बताई जाती है . शास्त्रों में एक अद्भुत प्रसंग मिलता है जिसके अनुसार प्रभु राम ने वनवास के दौरान सूर्यास्त होने आया तो महर्षि भारद्वाज से पूछा कि हे महर्षि ! मैं रात को कहां विश्राम करूं ? महर्षि ने कहा एक वट वृक्ष है उससे चल कर पूछते हैं कि वह अपनी छाया में ठहरने की अनुमति देगा या नहीं क्यों कि आपकी माता कैकेयी के भय से कोई भी आपको अपने यहां ठहरने नहीं देंगा उन्हें पता लगा तो राजा दशरथ को कह सज़ा दिलवायेंगी . तब पेड के निकट पहुंच उससे पूछा क्या आप हमें अपनी छाया में रात गुज़ारने की अनुमति देंगे ?

इस पर वट वृक्ष ने उत्तर दिया दिन रात कितने लोग विश्राम करने आते हैं . लेकिन मुझ से कोई यह अनुमति नहीं मांगता क्या कारण है कि आप मुझसे अनुमति मांग रहे हैं . इसे सुन महर्षि ने पूरी बात बतायी . तब वट वृक्ष ने उत्तर दिया यदि किसी के दुख में सहायता करना पाप है किसी के कष्ट में भाग ले उसको कम करना अपराध है तो मैं यहां पाप और अपराध करने को तैयार हूं . आप यहां निश्चिंत हो विश्राम कर सकते हैं और जब तक इच्छा है रह सकते हैं . इसे सुन भगवान राम ने कहा हे ! वट वृक्ष ऐसी सोच तो किसी मनुष्य या देवता में भी बडी मुश्किल से मिलती है आप वृक्ष हो कर इतनी

महान सोच रखते हैं तो आप आज से वट वृक्ष नहीं " अक्षय वट " होगे .जो भी आपकी छाया में क्षण मात्र भी समय बिताएगा उसे अक्षय पुण्य फल प्राप्त होगा .तब से इसे "अक्षय वट" कहा गया .इसकी शाखाओं से निकली जटाएं पानी की तलाश में धरती की ओर बढती हैं जो बाद में जड के रूप में पेड को पानी और सहारा देती हैं .साईंटिस्टों के अनुसार यह दुनिया का सबसे चौडा पेड है .

वट वृक्ष राष्ट्रीय वृक्ष है जिसके सम्मान में सन 1987 में भारत सरकार द्वारा डाक टिकट निकाला गया . देश में सर्वाधिक बरगद के पेड आंध्र प्रदेश में है .

सूचनाओं कि मानें तो इनमें एक तो इतना बडा चौडा है कि उसके नीचे 20 हज़ार लोग बैठ सकते हैं .लेकिन अन्य पेडों की तरह मनुष्य इसकी कटाई में भी पीछे नहीं है . पेड पर धागे बांध अपनी मनोकामना की पूर्ती तो वो करता है पर उसे बचाने की कोई कोशिश नहीं करता यही ट्रेजेडी ट्रीस के साथ है ग्रीनरी को ट्री प्लैनेट कहते हैं लेकिन आज वह किस हाल में है सोचिये !

काव्य कुंज

बादल

प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

आरे बादल, कारे बादल!
उमड़ घुमड़ कर आओ तुम।
वर्षा की बूंदों से अपनी,
धरती की प्यास बुझाओ तुम।
तुमसे है जगत का जीवन,
पेड़ पौधे हो या हो जलचर ।
कह दो तुम समीर से जाकर,
तुमसे ना टकराये वो ।
यहां - वहां भटकाकर तुमको
निर्बल ना बनाएं वो।
निर्झरिणी तटिनी के सूखे,
स्वच्छ धारा बन जाओ तुम ।
दीरघ – दाघ, निदाघ हला से,
सबको निजात दिलाओ तुम ।
आरे बादल कारे बादल!
गरमी दूर भगाओ तुम
उमड़ घुमड़ छा जाओ तुम।

वाष्पित संवेदनाएं

संजीव ठाकुर,
रायपुर

कहां गए वो रिश्ते
कहां गई संवेदनाएं
जो कभी थे प्यारे अपने
हम देखते हैं अब उनसे
मिलने के सपने,
अपने गुम हो गए
गांव शहरों की ओट में
लुप्त हुए दादी नानी के गांव
रिश्ते की ओट में,
मिट गए सब रिश्ते और नाते,
जब से खुले जमीन जायजात के खाते,
रिश्ते अब अपने रिश्तों से कतराने आने लगे हैं
बेटे,बेटी भी मां बाप से घबराने लगे है,
फ्लैट ,मकान और दुकान की बेदम चाहत ने
संबंधों को किया हलकान सिक्कों की खनखनाहट में,
सारे रिश्ते नातों को किया परेशान
घर हो गए सुनसान,
भौतिकवाद इस कदर सिर चढ़कर बोलने लगा है
पैदा होता बच्चा ही अपने आपको बाप समझने लगा है,
भौतिक युग की चाहत ने
जल्दी अमीर बनने की आहट ने विस्मृत कर दिया
बूढ़े मां बाप को, सबसे अलग कर
लिया अपने आप को, धन विलासिता की चाहत
सदैव रिश्तो को करती रही आहत,छाया हुआ है
झूठ और फरेब, असत्य न जाने कहां खो गया सत्य,
अब सिक्कों की खनक जोर जोर से बोलने लगी है
समवेत गांव के रिश्तो की नैया अब डोलने लगी है,
खत्म हो गई सब रिश्तो की संवेदनाएं
जब से आई जीवन में अनैतिक सुख की
चाहत और बलाएं।

पुलिस

सुनिल चौरसिया,
सावन

ज़िन्दगी के ज़ख्म का मरहम है पुलिस
वर्दी में कभी खुशी, कभी गम है पुलिस
गोली-गाली मिश्रित गुलाबी गुलशन
'सावन'! जैसे मानों वैसे रहम है पुलिस
धधकते हुए शोले में पानी है पुलिस
जोश में होश की कहानी है पुलिस
सूझ से सामाजिक समझौता-सुकून
वतन की जवानी - रवानी है पुलिस
बेसहारों का सबल सहारा है पुलिस
उम्मीदों का उज्ज्वल सितारा है पुलिस
देती है दुर्दिन में दमदार दस्तक
डूबते का तिनका-किनारा है पुलिस।।

और तुम याद आयी...

डॉ डी डी देसाई

किताबों की सिलवट से
बिखरते पन्नों में कहीं...
निकला एक सूखा गुलाब..
जो समय के थापेड़ों से
कभी बक्शा न गया...
अपने रूप को बचा न सका,
देख इसे थरथाराएं मेरे होंठ...और तुम याद आयी.....।
गुलाब रखे पन्ने पर...अनायास ही चली थी पेंसिल..
निहारती रही नजर तुम्हें ...और
पन्ने पर तेरा नाम उभरा।
धूमिल सी हुई है स्याही.... पर आज भी मौजूद निशान दिखा....
और तुम याद आयी.....।
अनगिनत यादोंके झारोखे से...
एक खूबसूरत लम्हा..ओ नुक्कड़ की टपरी
वह चाय की चुस्की..सामने से तुम गुजरी थी..
सोच के पलकें हुई नम...और तुम याद आयी.....।
भूले बिसरे ओ नगमे...
कानों में गूंजती धून.. बंद कमरे की घुटन में..
अँधेरे में भी थिरकते साये...मुझ में ही तेरे होने का एहसास
बढ़ती धड़कने हुई महसूस..और तुम याद आयी.....।
समेट के रखी यादें.. बंद दीवार सा हृदय...
विचलित मन को सँभालते तेरी यादों को दबाने की
नाकाम कोशिश..... बेबस...निराश्रित...पराजित सा..
लाढता रहा तन्हाई से अकेले... और तुम याद आयी.....।

गुल्लक

पूजा महेश
हैदराबाद

याद है बचपन के वो किस्से
गुल्लक से निकालते सिक्के
एक एक सिक्का रोज डालते
जी से ज्यादा उन्हें पालते
शेखचिल्ली से सपने होते
उस गुल्लक से पूरे होते
घड़ी घड़ी सिक्कों को गिनते
बड़े जतन से उनको रखतें
हम गुल्लक की धौंस जमाते
अकड़ अकड़ कर रौब जमाते
छोटे छोटे से थे वो सिक्के
पर सोने चांदी से लगते
माना टाटा, बिड़ला हम नहीं थे
पर उनसे भी कुछ कम नहीं थें।।

समझौता

टी तारासिंह
हैदराबाद

ये दुनिया भी है एक मेला
ये सब है पैसे का झमेला
यहाँ कौन किसे भी ना पहचाने !
सबकी राहे है अलग अलग
कोई आगे तो कोई पिछे
कोई धनवान है तो कोई निर्धन
यहाँ ना मिले किसीको भी सच्ची खुशियाँ
सबको ना मिले अपना अपनापन
फिर भी जीना तो है इस जहाँ मे
सिख ले सबसे समझौता करना
हम तुम रहे या ना रहे इस दुनिया मे
किसी की भी जिंदगी बचा लेना सिखे
धन से,खून से,या शरीर का कोई अंग देकर
उसकी दुआ से हमारा जीवन सफल हो जाए
हमारे कर्म अमर रहे इस जहाँ मे ।।

कागज की किश्ती...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

सुबह हो या शाम,चौबीसों घंटे चिंतित रहता है
की संग्रहित अपार संपदा,..अत्यवस्थित रहता है
अवगत, जो आया सो चलसी सबकी आई वारियो
छाड़ परा नू, विंगा विंगा
कल का दिनमान है हम
कागज की किश्ती पर सवार हैं हम
फिर भी कल के लिए परेशान हैं हम
वादा करके गया था मां से सिकंदर
जीत सारी दुनिया तुम्हारे चरणों में डालूंगा
मां! अभी गया ,अभी आया,
पलक झपकते जहां को निचोड़ डालूंगा
कले आवे नानका, सदे उठ जाए
बीच रास्ते शांत हो गया
चोटी के हकीम वैद्य ने हाथ उठा दिए
खंडहर मचान हैं हम कागज की किश्ती...
यह भी मेरा,वह भी मेरा,जो दिखे सब मेरा
थकता नहीं है कि जो भी जोड़ लिया वह बथेरा
बस भोर के साथ भाग दौड़ शुरू हो जाती है
अवगत,हम आदमी हां इक दम के
जोर कितना भी लगा लै, टैंहदी मुस्कान हैं हम
कागज की किश्ती...
छाड़ मालिक ते डोरा, बहुता सोची ना
लौड जिना ही मांग लै, वादु लोची ना
जान कर अनजान बंदा, संयम नहीं रखता
नैया तो धकेल देता बीच मझधार में
ऐवी नहीं पता, टूटे पजे मकान हैं हम
कागज की किश्ती...

प्रभु श्री कृष्ण

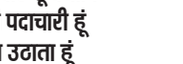

अमित पाठक
शाकद्वीपी

कितना सुंदर रूप
मनोहर मन को हरता जाता है,
जो देखें ये छवि
निराली भव सागर तर जाता है।
मुख मंडल पर दिनकर
सा यूं तेज बिखरता जाता है,
मानो सूरज इन किरणों
से प्रभु का रूप सजाता है।
मृदुल मृदुल वंशी की धुन पर सारे जग को मोह लिया,
वंशी वाले ने जन-जन को जाने कितना स्नेह दिया।
बनकर ग्वाला गाय चराई, गोपो का उद्धार किया,
हाय द्वारिकाधीश वो सुंदर, ग्रामीण जीवन स्वीकार किया।
नेह लगाया राधिका से, प्रेम का यूं विस्तार दिया,
प्रेम के बंधन में ही बंध कर, मीरा को भी तार दिया।
जिनके नैनन शशि दिवाकर, ज्योत अखंड परिपूर्ण करें,
मानो दर्शन देकर प्रभु जी, सबका जीवन सम्पूर्ण करें।
जैसे नीलमणि सम सुन्दर, तन की शोभा महती है,
हृदय निरंतर राधा राधा, बस राधा राधा कहती है।
शब्द सीमित में उनका वर्णन कर पाना तो मुश्किल है,
यूं समझो के लेखनी मेरी प्रभु सेवा में शामिल है।

भ्रष्टाचार

किशन सनमुखदास
भावनानी, गोंदिया

घूसखोरी मामले
में तीन बार निलंबित हो चुका हूं
ले दे कर छूटकर फ़िर
पद पर लग जाता हूं
फिर वही चकरे
खिलाकर माल सूतता हूं
विभाग में भ्रष्टाचारके नामसे मेरी तूती बोलती है
बड़े से छोटे साहब मुझे पसंद करते हैं
हिस्सेदारी के दम पर उनका पसंददार हूं
मोहल्ले वाले की सब्जी आचार लाया हूं
उनके रेट में भी तिकड़म जमाया हूं
सौ देकर दो सौ लेने मज़बूर हूं क्योंकि
समाज सेवा में भी अंटी मारने मज़बूर हूं
मार्केट से अधिक बिल बनाकर हेराफेरी करताहूं
हरे गुलाबी से सबको फंसानदार हूं क्योंकि
अधिकारी हूं पर मंदिरों में भी पदाचारी हूं
वहां भी अपने पद का फायदा उठाता हूं
किसीको बतानामत हेराफेरी करनेको मलाईचारहूं
भ्रष्टाचार की आदत से लाचार हूं।।

"रफ्तार"

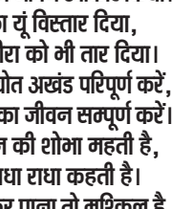

हेमंत सुराना

बहुत तेज है रफ्तार तेरी,
जिंदगी जरा धीरे चलना
पड़ाव है या मंजिल,
जरा तू समझा तो देना
कोई अपना छूट न जाए,
कोई सपना टूट न जाए
जिंदगी जरा आहिस्ता चलना
कोई उम्मीद ढह ना जाए,
कोई इरादे टूट न जाए
जिंदगी जरा होले चलना
कोई कामयाबी रह न जाए,
कोई काम रुक ना जाए
जिंदगी जरा धीमे हो जाना
कोई फर्ज निभाना रह ना जाए,
कोई कर्ज चुकाना रह ना जाए
जिंदगी जरा ठहराव तो देना
जिंदगी तेरी तेज रफ्तार में,
बहुत कुछ खो बैठे हैं
दिन का सुकून, रात की नींद,
पूरी तरह खो बैठे हैं
कुछ पल रुक तो जा,
खुद के लिए जीने दे,
खुद के लिए जीने दे ।

यक्ष प्रश्न कलयुग का

कमलेश झा

हे धर्म राज यह भारत
पूछ रहा आपसे यक्ष प्रश्न
संभव हो तो हल कर दो यह
भारत के यक्ष प्रश्न ।।
चार भाई के जीवन खातिर
आपने हल किए सारे यक्ष प्रश्न
आज इस कलयुग में क्यों
नहीं हल कर रहे यह यक्ष प्रश्न ।।
माना भीम अर्जुन सा ना अब इस युग में है कोई बलवान
पर आप तो समदर्शी हैं इसका कहाँ आपको अभिमान ।।
उस युग में तो केवल चार जान थे संकट में
लेकिन आज तो पूरा भारत हीं है संकट में ।।
वहाँ तो केवल एक शकुनी जो गंदी चाले चलता था
यहाँ तो हर गली में शकुनि जो गंदी चाले चलता है ।।
वहाँ तो केवल एक दुर्योधन जिसको था सत्ता का भूख
यहाँ तो हर घर चौराहे पर दुर्योधन खोज रहा सत्ता का सुख ।।
एक धृतराष्ट्र मौन साधकर बुलाया कई संकट को
यहाँ तो धृतराष्ट्र का फौज खड़ा बुला रहा संकटों को ।।
एक शकुनी कंधार से आकर हस्तिनापुर मिटाने का रखा था दम
आज ना जाने कितने शकुनी भारत को मिटाने का करते जतन ।।
उन दुष्टों को तो झेल गए आप अपने दृढ़ विचारों से
अब इस भारत को कौन बचाए ऐसे कु विचारों से ।।
दुर्योधन संग एक दुशासन चीर हरण को था बेताब।
आज ना जाने कितने दुशासन चीरहरण को है तैयार ।।
उस युग में तो श्रीकृष्ण थे स्वयं विष्णु के अवतार
आज इस कलयुग में पूरा भारत हीं है निराधार ।।
सत्ता पाने के मद में सब के सब बन बैठे धृतराष्ट्र ।
भारत माता की गरिमा को कर रहे हैं तार-तार ।।
सेना की गरिमा को यह धूल धूसरीत करते हैं।
अपने खादी के काले छींटें को भारत माँ पर मढते हैं ।।
अगर उन्हें मौका मिले तो बोटी बोटी नोच कर खाएंगे ।
ऊपर से राक्षसी अट्टाहस कर हम आम जनता को डराएंगे ।।
जब आपने स्थापित किया खुशहाल
शासन आपको भी ना इसका होगा एहसास।
एक दिन इस भरतपुर का होगा ऐसा खस्ताहाल ।।
अब जनता त्रस्त हो चुका ऐसा यक्ष प्रश्न झेल कर
बस आपसे यही निवेदन आम
जनता को शांति देदो यक्ष प्रश्न हल कर ।।
यह ना कर सकते तो आपको पुनः धरा पर आना होगा।
संग अपने परीक्षित को लाकर पुनः
एक कुशल शासक छोड़कर जाना होगा ।।

आंखों बीच नज़ारे रख जा दोबारा

-बलविंदर सिंह,
गुरदासपुर

आंखों बीच नज़ारे रख जा दोबारा।
सजना झूठे लारे रख जा दोबारा।
मेरे दिल का अम्बर बिल्कुल सूना है,
सूरज चांद सितारे रख जा दोबारा।
तेरे दिए ज़ख्म पुराने भर गए हैं,
पांव तले अंगारे रख जा दोबारा।
इक डुबकी की सजना सारी बात रही,
पानी बीच खरारे रख जा दोबारा।
एक दफा हंस कर ईधर से गुजर सही,
गुलशन प्यारे-प्यारे रख जा दोबारा।
अपने भींच आलिंगन वाले कुछ चश्में,
खट्टे, मीठे, खारे रख जा दोबारा।
बीत चुके जीवन के बीते सब सपने,
आंखों बीच उधारे रख जा दोबारा।
बचपन वाले सिक्के नज़र नहीं आते,
गुल्लक भीतर सारे रख जा दोबारा।
उलफ़त के व्यापार जताने की इच्छा,
फिर झूठे बंनजारे रख जा दोबारा।
फूलों ऊपर उड़ती काली तितलियां,
नयन कहीं कजरारे रख जा दोबारा।
बालम फिर साहिल के ऊपर घू रहा,
फिर भंवर के धारे रख जा दोबारा।

बुद्ध होना...

जहाँ से निकलती हो नदी
जहाँ से निकलता हो वेदना का स्वर
जहाँ से आवाजें आती हों मानवता बचाने की
ऐसे में सब युक्तियाँ हो जाती हैं असफल
और आना पड़ता है किसी सिद्धार्थ को
बुद्ध होने के लिए।
बुद्ध होने की पहली शर्त है
आदमी राजा होते हुए भी, हो रंकों का हितैषी
या यूँ कहा जाए हो रंक,
बिना किसी पूर्व सूचना, या ढिंढोरा पिटवाए
और निकल जाए रात के अँधेरे में
मानवता के कल्याणार्थ।
बुद्ध होने की दूसरी और अंतिम शर्त है
कुछ भी न चाहना
चाहना ही वह क्रिया है जो
सभी दुःखों की जन्मदात्री है।
जहाँ चाह है वहाँ चिंताओं की चिता
चौराहे पर जल रही होगी।
और बुद्ध कहते हुए निकल जाएँगे
मोक्ष ऐसे ही नहीं मिलता है
मेरे भिक्खुओ।

--- राजकुमार बघेल प्रभात

हार नहीं होती

संजय एम.
तराणेकर

झूठ की कोई बुनियाद नहीं होती,
543 में से 99 मिल जाए
तब भी हमारी हार नहीं होती।
हम भले ही 240 न पाए हो,
हमारी नैतिक हार नहीं होती।
खटाखट-खटाखट न दे पाए,
हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं होती।

आषाढ़

रेणुका अग्रवाल

आया है आषाढ़।
शहर में पानी की भरमार।
गड्ढे भरे सड़कों के,
मेहरबानी है सरकार।
वोट खत्म हुए,
तो नेता भी बदले।
मौसम की तरह,तबियत भी बदले।
चलो फुहार का , आनंद लेते है।
दूध में नींबू निचोड़कर,नेता विदेश जाते है।
पेड़ पत्ते धुले धुले से है। छत आंगन गिले गिले से है।
कुछ दीवारो में नमी भर गई,गरीबी से दिल जले जले से है।
स्वेटर आया कंबल आया। साथ रेनकोट छतरी लाया।
युवक युवतियां घूम रहे हैं,कैसा नशीला मौसम आया।
तन भीगा ,मन भी भीगा है।
सारे जहान में समां भीगा है।
हर मौसम के मजे अनूठे,प्रेमिका कहे तुम हो झूठे।
ठंडी ठंडी हवा चलती है। बच्चों की नाक बहती है।
बच्चे है किसकी सुनते, फिर भी पानी में उछलते।
ये कुदरत के मौसम जादुई। इसमें पूरी सृष्टि समाई।
बारिश हो या बहे पसीना, कमाई तो करना है भाई।
ठेले वालों की अलग कहानी।बारिश आई धंधे की कुर्बानी।
बार बार ठेला ढक देते, किसकी करे पुकार जवानी।
रंग बिरंगी दुनिया में। रंग रंगीले मौसम है।
कोई हंसता जीता है। किसी के दिल में,ग़म ही ग़म है।
बूंद तन पर गिरे तो,मन खिला खिला रहता है।
एक बूंद चातक की, प्यास बुझाए।
एक बूंद मोती बन जाताहै। एक बूंद कोई आंसू बहाता।
बूंद बूंद से घड़ा है भराता। एक बूंद गंगा जल है काफी।
अंत में स्वर्ग जो जाता।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

नीट का मामला आखिर कब सुलझेगा?

राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट का पेपर लीक मामला एक बडा गड़बड़झाला बन के रूप में आज देश के सामने है। पेपर लीक, कुप्रबंधन, अनुचित मार्किंग योजनाओं और नतीजों के अविश्वसनीय पैटर्न के आरोप उस पर लग रहे हैं। यह न केवल परीक्षा देने वाले लाखों छात्रों के लिए तनावपूर्ण है, बल्कि उनके लिए भी है, जो आने वाले वर्षों में इसकी योजना बना रहे हैं। भारतीय प्रवेश परीक्षाएं पहले ही बहुत तनावपूर्ण हैं। और नीट तो बेहद प्रतिस्पर्धी है। अनुमानित रूप से लगभग 24 लाख छात्र अच्छे सरकारी मेडिकल कॉलेजों की 30,000 सीटों में से एक को पाने के उद्देश्य से परीक्षा देते हैं। यानी इसमें लगभग 1.25% की चयन दर या 98.75% की अस्वीकृति दर है।

निजी कॉलेजों को शामिल करने पर भी कुल मेडिकल सीटें 100,000 से कुछ ही अधिक हैं, जिससे कुल चयन दर लगभग 3.3% हो जाती है। ऐसे में सरकारी मेडिकल कॉलेज की सीटों के लिए शीर्ष 30,000 रैंक में से एक पाने के लिए होने वाली प्रतिस्पर्धा की कल्पना करें। अन्य प्रवेश परीक्षाओं की भी लगभग यही कहानी है- उनमें धांधली से पैसा कमाने का स्कोप इतना है कि बात लाखों करोड़ रुपयों की हो जाती है। ऐसे में इन परीक्षाओं से पैसे कमाने का उद्योग खड़ा हो जाए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। कुछ बेहद कठिन लेकिन कथित रूप से ईमानदार परीक्षाओं में व्यापक पैमाने पर होने वाली नकल देशवासियों को अंदर तक हिला देती है। यह सिर्फ छात्रों तक ही सीमित नहीं है, यह हम सभी के बारे में है, जिन्हें लगता है कि आज किसी पर भरोसा नहीं किया जा सकता और आखिरकार सबकुछ सत्ता और पैसे का ही खेल हो गया है। नीट, जेईई, यूपीएससी जैसी परीक्षाएं हमारे देश में लोगों के लिए अपने वर्ग से ऊपर उठने का एक रास्ता हैं। कोई उनके जरिए अपने और अपने माता-पिता के लिए सम्मान की बेहतर जिंदगी पाना चाहता है।

उम्मीद ही की जा सकती है कि यह नीट वाला मामला हमें झकझोरकर जगाएगा। यह हमें अहसास दिलाएगा कि ईमानदारी, योग्यता, कड़ी मेहनत जैसे मूल्य किसी भी चीज से ऊपर हैं। और इनकी रक्षा करने की जरूरत है। मनुष्य में खामियां तो होती ही हैं। अगर धांधली और धोखाधड़ी करने का बड़ा अवसर मिले, तो सिस्टम में कुछ लोग निश्चित रूप से ऐसा करेंगे। इसलिए हमें नागरिकों के रूप में सतर्क रहना चाहिए।

नीट की मौजूदा समस्या के मूल में एनटीए या नेशनल टेस्टिंग एजेंसी जैसी संस्थाएं जिम्मेदार हैं। वे बिना किसी अच्छे सिस्टम के इन महत्वपूर्ण परीक्षाओं का आयोजन करती हैं। जहां लाखों करोड़ की गड़बड़ी का अंदेशा हो, वहां संस्थान का फुल-प्रूफ होना बहुत जरूरी है। नीट जैसी परीक्षाओं के लिए कई पेपर सेट किए जा सकते हैं, जिसमें किसी को पता नहीं हो कि ऐन परीक्षा के दिन कौन-सा पेपर इस्तेमाल किया जाएगा। केंद्रों को प्रतिष्ठित और सुरक्षित होना चाहिए। यदि पर्याप्त अच्छे केंद्र उपलब्ध नहीं हैं, तो चुनाव की तरह परीक्षाएं चरणबद्ध तरीके से आयोजित की जा सकती हैं।

इनके लिए एक से अधिक प्रश्न-पत्र सेट किए जा सकते हैं। ईमानदारी से परीक्षा आयोजित करना संभव है, बशर्ते आयोजकों में सही मूल्य-प्रणाली हो। वहीं पेपर लीक करना तो सीटों को बेच देने जैसा है। यह भारत के युवाओं की योग्यता, ईमानदारी और कड़ी मेहनत को दांव पर लगा देना है। यदि ऐसा ही सबकुछ चलता रहा तो देश के प्रतिभावान छात्र आखिर आगे कैसे बढ़ कर देश के विकास में योगदान दे पाएंगे।

रेगिस्तान के नीचे छिपी एक नई दुनिया

सार्वभौमिक गर्माहट, नित नए रिकॉर्ड बनाता सृष्टि का तापक्रम, और जीवन की कड़ियों को तोड़ने पर उतारू जलवायु परिवर्तन! ऐसे निराशाजनक भू-परिदृश्य में कोई सुखद समाचार मिले, तो मन हर्षित हो जाता है। पृथ्वी ग्रह, जो पूरे ब्रह्मांड में अब तक एकमात्र ज्ञात जिंदा ग्रह है, का जीवन के प्रति एक गहरा अनुराग है। जीवन के प्रति गहरी आत्मीयता संजोए और जीवन को निरंतर पोषित करती पृथ्वी का एक दिव्य दर्शन पृथ्वी पर सबसे शुष्क और जीव रहित अटाकामा रेगिस्तान के नीचे छिपे एक जीवमंडल की हाल में हुई एक खोज से हुआ है।

एक अभूतपूर्व खोज में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर जीवन के लिए सबसे विकट पर्यावरण और जीवन संभावनाओं को ठेंगा दिखाने वाली चरम पर पहुंची जलवायु वाले अटाकामा रेगिस्तान की तपती रेत के नीचे छिपे हुए जीवमंडल को उजागर किया है। अनंत काल से जीवन से रहित माना जाने वाला अटाकामा अब नीचे की गहराइयों में पनप रहे सूक्ष्मजीवी जीवन की एक आश्चर्यजनक श्रृंखला को प्रकट करता है। अटाकामा मरुस्थल दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट के साथ पेरू, बोलेविया, चिली और अर्जेंटीना के कुछ हिस्सों को कवर करते हुए 1000 किलोमीटर तक विस्तार लिए हुए है। इसकी शुष्कतम जलवायु, जिसमें वस्तुतः नहीं के बराबर (मात्र 1 से 3 मिलीलीटर प्रतिवर्ष) वर्षा होती है, जो जीवन प्रक्रियाओं के लिए पर्याप्त नहीं है और अत्यधिक तापमान का उतार-चढ़ाव होता है, ने वैज्ञानिकों को इसकी तुलना मंगल ग्रह पर पाई जाने वाली स्थितियों से करने के लिए प्रेरित किया है। इसकी दुर्गम सतह के उपरांत भी शोधकर्ताओं को लंबे समय से संदेह था कि ऊपर की कठोरता से सुरक्षित होकर निचली सतह पर जीवन बना रह सकता है।

वैज्ञानिकों के एक अंतरराष्ट्रीय समूह के नेतृत्व में हाल के अभियानों ने इन संदेहों की पुष्टि की है, क्योंकि उन्होंने रेगिस्तान की मिट्टी और चट्टानों की गहराई में खोज की है। डीएनए अनुक्रमण और समस्थानिक विश्लेषण सहित अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने इस असंभावित आवास में पनप रहे सूक्ष्मजीवों के एक विविध समुदाय की पहचान की है।

परियोजना की प्रमुख शोधकर्ता डॉ. ऐलेना रोड्रिग्ज इस खोज को 'उल्लेखनीय रहस्योद्घाटन' के रूप में वर्णित करती हैं। वह कहती हैं कि अटाकामा मरुस्थल को लंबे समय से रेत और चट्टान का एक बेजान विस्तार माना जाता रहा है, लेकिन हमारे निष्कर्ष इस धारणा को पूरी तरह से चुनौती देते हैं। सतह के नीचे, जहां स्थितियां अधिक स्थिर हैं, हमने सूक्ष्मजीव जीवन के एक संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र का सामना किया है। खोजा गया एक नया जीवमंडल अपने भूमिगत पर्यावरण की चरम स्थितियों के लिए अनुकूलित सूक्ष्म जीवों से भरा हुआ है। बैक्टीरिया, आर्किया और कवक सहित इन सूक्ष्मजीवों ने इस कठोर परिदृश्य में जीवित रहने के लिए सरल रणनीतियां विकसित की हैं। इनमें से कुछ खनिजों से भोजन करते हैं, जबकि अन्य ऊर्जा की लिए रासायनिक प्रक्रियाओं पर निर्भर रहते हैं और इस प्रकार दुनिया से छिपकर अपने लिए एक अनूठा आश्रय बनाते हैं। यह अद्भुत खोज हमारे मन में जीवन के प्रति सम्मान और पवित्रता के भावों का बीजारोपण करती है।

इसके अतिरिक्त, अटाकामा मरुस्थल में खोजे गए सूक्ष्मजीव समुदाय मंगल जैसे अन्य ग्रहों पर जीवन की संभावना का सुराग दे सकते हैं। मंगल ग्रह की सतह से अपनी समानता के साथ अटाकामा मरुस्थल चरम वातावरण में जीवन की सीमाओं का अध्ययन करने और अलौकिक जीवन के लिए हमारी खोज को परिष्कृत करने के लिए एक प्राकृतिक प्रयोगशाला के रूप में कार्य कर सकता है।

जैस-जैसे शोधकर्ता अटाकामा मरुस्थल और पृथ्वी पर अन्य चरम वातावरणों की गहराई का पता लगाना जारी रखते हैं, वे निश्चित रूप से और भी अधिक आश्चर्यों को उजागर करेंगे। प्रत्येक नई खोज हमें जीवन की उत्पत्ति और ब्रह्मांड में इसकी क्षमता के रहस्यों को उजागर करने के समीप लाती है। अटाकामा ब्रह्मांड के अन्य ग्रहों और चंद्रमाओं पर जीवन की अनंत संभावनाओं के विकास की खिड़की खोलता है।

योगी का कद घटाने में यूपी की सीटें घटी

निरंकार सिंह

लोकसभा के चुनाव में उत्तर प्रदेश में सीटें कम मिलने के कारण भाजपा बहुमत का आंकड़ा पार नहीं कर पायी। इसके बारे में कई तरह की बातें कही जा रही हैं। दरअसल प्रदेश और देश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बढ़ती लोकप्रियता से उनके मंत्रिमंडल के ही कुछ लोग काफी परेशान हैं। इन मंत्रियों की मुख्यमंत्री बनने की लालसा भी हिलोरें मार रही है। जाने-अनजाने में कुछ केन्द्रीय नेताओं का भी इन्हें संरक्षण मिल रहा था। ये लोग नहीं चाहते थे कि योगी की लोकप्रियता बढ़े। इसलिए लोकसभा के चुनाव में भाजपा को जिताने और बढ़ाने में इनकी कोई विशेष सक्रियता भी दिखायी नहीं पड़ी।अब पार्टी संगठन एक टास्क फोर्स बनाकर इसके कारणों की छानबीन कर रहा है। प्रदेश में भाजपा की सीटें घटने के कई कारण बताये जा रहे हैं। पहला कारण दो बार लगातार चुनाव जीतने वाले सांसदों का अपने-अपने क्षेत्र में भाजपा के कार्यकताओं के साथ-साथ जनता से सम्पर्क टूट गया था। यदि आप सांसद या विधायक हैं तो आपको अपने क्षेत्र का बराबर दौरा करना चाहिए। लोगों के दुःख दर्द में शामिल होना चाहिए। उनकी समस्याएं जाननी चाहिए। जनता आप से यही अपेक्षा करती है। ये लोग मोदी और योगी के सहारे चुनाव जीतने की उम्मीदें लगाये बैठे थे, इसलिए अपने क्षेत्रों में जनता से सम्पर्क साधने की जरूरत नहीं समझी। ये लोग अपने घर पर ही ठेका -पट्टा पाने वालो का दरबार लगाते रहे। ऐसे लोगों को दोबारा टिकट देने वाले नेता भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते हैं। दूसरा बड़ा कारण भाजपा प्रदेश और जिला संगठन भी जनता से दूर हो गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कितने जिलों में संगठन को मजबूत करने के लिए कितनी बार दौरा किया, इसका कोई ब्यौरा पार्टी संगठन के पास नहीं है। प्रदेश पार्टी का आई.टी. सेल पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। यही कारण है कि ग्रामीण अंचलों में असंतुष्ट प्रधानों, उप प्रधानों, पूर्व प्रधानों और प्राइमरी स्कूल के शिक्षकों के जरिए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ योगी सहित कई नेताओं के फेक (फर्जी) वीडियो सोशल मीडिया पर फैलाये गये। ब्राह्मणों-ठाकुरों को लड़ाया गया, दलितों और पिछड़ों को भरमाया गया। इनके जरिए आरक्षण खत्म करने से लेकर संविधान बदलते तक की बातें तक कही गयीं। जिसका प्रदेश भाजपा का आईटी सेल कोई जवाब नहीं दे पाया। हर लोकसभा और विधानसभा चुनावों के छह महीने पहले ही मतदाता सूची का पोलिंग, बूथ स्तर पर संशोधन और परिवर्धन होता है। यदि भाजपा संगठन के कार्यकर्ता अपनी-अपनी पोलिंग बूथों पर सक्रिय रहते तो हजारों भाजपा समर्थकों के नाम मतदाता सूची से नहीं कटते। विपक्षी दलों के सामने अपने अस्तित्व को बचाये रखने का सवाल था इसलिए वे करो या मरो के संकल्प के साथ चुनाव लड़ रहे थे उन्होंने हर तरह के छल प्रपंच को किया जो वे कर सकते थे। इसका भी अंदाजा भाजपा का प्रदेश और जिला संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता नहीं लगा सके।

कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी का गारंटी कार्ड का फार्म खासतौर अल्पसंख्यक, अशिक्षित और निर्धन महिलाओं से भरवाया गया। उन्हें डर था कि तीन तलाक के मामले खत्म करने के कारण ये महिलाएं भाजपा को वोट दे सकती हैं। काट के लिए पार्टी स्तर पर कोई प्रयास नहीं किया गया। प्रमुखों की तमाम जिलों में फर्जी सूची बनायी गयी जो वास्तव में कहीं थे ही नहीं। कई उम्मीदवारों ने इसकी शिकायत भी की है। यदि वास्तव में पन्ना प्रमुख होते तो उनके मोबाइल फोन नम्बरों के जरिए इन फर्जी वीडियो का आईटी सेल जवाब दे सकता था। कुल मिलाकर फेक वीडियो और अफवाहों का जमीनी स्तर भाजपा का संगठन कोई जवाब नहीं दे सका और पार्टी कई जगह चुनाव हार गयी। हालांकि जो काम विपक्षी दलों का आईटी सेल कर रहा था वह भाजपा का आईटी सेल कर सकता था। पर उसे तो पता ही नहीं चला और उसके पास ग्रामीण क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के नम्बर भी नहीं होंगे। बहरहाल पार्टी संगठन इस हार की समीक्षा के लिए बनाई गई ।

मिलावट के लिए कंपनियां हैं जिम्मेदार

खाद्य या आहार को किसी व्यक्ति के भरण-पोषण, विकास और वृद्धि के लिए मूलभूत आवश्यकता माना जाता है। हाल ही में राजस्थान के स्वास्थ्य विभाग द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत गुणवत्ता परीक्षणों में कई प्रमुख मसाला ब्रांड विफल रहे, जिसमें एमडीएच, एवरेस्ट, गजानंद, श्याम और शीबा ताजा जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के नमूने उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाए गए। इनमें कीटनाशक के अवशेष और अन्य हानिकारक रसायन मिले हैं। यह पहली घटना नहीं है, इससे पहले भी मिलावट की घटनाएं पाई गई हैं। ऐसी घटनाएं खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता के प्रति गंभीर चिंताओं को उजागर करती हैं, जो उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और वैश्विक व्यापार में भारत की साख पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं।

ऐसी समस्या के लिए अब किसानों को जिम्मेदार ठहराया जाने लगा है, क्योंकि वे अपनी फसल सुरक्षा और उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर रासायनिक का उपयोग करते हैं। लेकिन किसानों को दोषी ठहराना अनुचित है। यह एक जटिल और बहुआयामी समस्या है, जिसमें किसानों की भूमिका बहुत कम है। कई छोटे और सीमांत किसानों के पास आधुनिक कृषि पद्धतियों और सुरक्षित रसायनों के बारे में जानकारी की कमी होती है। ज्ञान और जागरूकता की कमी उन्हें अनजाने में हानिकारक रसायनों का उपयोग करने के लिए मजबूर करती है।गंभीर आर्थिक दबाव में फंसे किसान अधिकतम उत्पादन के लिए तेजी से परिणाम देने वाले रसायनों का उपयोग करने के लिए मजबूर होते हैं। पर्याप्त निगरानी और प्रवर्तन की कमी के कारण, बाजार में हानिकारक और प्रतिबंधित रसायन आसानी से मिलते हैं। किसानों को अक्सर इन रसायनों की सुरक्षा और कानूनी स्थिति के बारे में नहीं बताया जाता है। निस्संदेह आज कृषि क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है, जिसमें सरकार की नीतियों और संरचनात्मक बदलावों का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। किसानों को सुरक्षित कृषि पद्धतियों की ओर प्रोत्साहित करने के लिए नीतिगत समर्थन, वित्तीय सहायता और उचित बाजार पहुंच आवश्यक है। इसके बिना, किसानों को दोषी ठहराना समाधान की दिशा में सही कदम नहीं माना जा सकता।

एक मजबूत ट्रेसिबिलिटी सिस्टम की कमी खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में मिलावट, संदूषण और अनैतिक प्रथाओं के लिए गुंजाइश बनाती है। सब्जियों और फलों में कीटनाशक अवशेषों की अधिक मात्रा, दूध उत्पादों में हानिकारक रसायनों की मौजूदगी और मसालों में मिलावट की घटनाएं स्थिति की गंभीरता को उजागर करती हैं। हालांकि इन चिंताओं को दूर करने के लिए फूड सेफ्टी ऐंड स्टैंडर्ड रूल्स, 2011 के संशोधन से ट्रेसिबिलिटी को अनिवार्य कर आपूर्ति श्रृंखला में खाद्य की उत्पत्ति और आवाजाही को ट्रैक करने की क्षमता पर जोर दिया गया है। यदि यह प्रणाली प्रभावी ढंग से लागू की जाती है, तो हर हितधारक को जवाबदेह बनाया जाएगा और यह प्रणाली मिलावट की प्रथाओं को रोकेगी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की साख बढ़ाएगी। हालांकि, संभावित लाभों के बावजूद, 2011 का संशोधन काफी हद तक लागू नहीं हो पाया है, जिसके कारणों में बुनियादी ढांचे की कमी, लॉजिस्टिक चुनौतियां और छोटे व सीमांत किसानों को डिजिटल प्रणाली में एकीकृत करने की आवश्यकता शामिल है। खाद्य सुरक्षा मानकों के बारे में चिंताओं के कारण भारतीय कृषि निर्यात को खारिज कर दिया जाता है। इससे किसानों के लिए कम कीमतें और निर्यात के अवसर खत्म हो सकते हैं। यह विश्वसनीय उत्पादक और निर्यातक के रूप में भारत की छवि को कमजोर करती है। इस समस्या के समाधान के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। किसानों को समर्थन और संसाधन प्रदान करना महत्वपूर्ण है, ताकि वे सुरक्षित और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाकर खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता को सुनिश्चित कर सकें। सरकार को बुनियादी ढांचे और क्षमता निर्माण में निवेश को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। उपभोक्ताओं को सुरक्षित भोजन की मांग करने के लिए सशक्त बनाया जाना चाहिए।

क्या 2030 तक भारत में पानी की समस्या बहुत ज्यादा बढ़ जाएगी ?

अशोक भाटिया

हाल ही में हमने देखा कि देश में सूरज आग उगल रहा था और देश के कई हिस्सों में पारा 50 डिग्री को पार कर गया । राजधानी दिल्ली के मुंगेशपुर में भी पारा 52 डिग्री के ऊपर चला गया। इस चिलचिलाती गर्मी में सिर्फ दिल्ली ही नहीं, देश के कई इलाकों में पानी की किल्लत भी सामने आ रही है। दिल्लीवालों को हर दिन 129 करोड़ गैलन पानी की जरूरत है मगर दिल्ली जल बोर्ड 97 करोड़ गैलन पानी की सप्लाई भी नहीं कर पा रहा है। हालात ये हैं कि पानी की बर्बादी करने पर अब दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया जा रहा है। इसी तरह, इस साल फरवरी-मार्च में पानी के भयानक संकट से जूझ रहे बेंगलुरु में हालात अब भी पूरी तरह से सुधरे नहीं हैं।

बात यहीं खत्म नहीं होती। अभी हालात और बिगड़ने का डर है। नीति आयोग का कहना है कि हो सकता है कि 2030 तक 40 फीसदी भारतीयों को पीने का पानी भी न मिले। नीति आयोग ने अपनी रिपोर्ट में ये भी अनुमान लगाया था कि भारत के 21 बड़े शहरों में ग्राउंडवाटर खत्म होने की कगार पर है, जिससे लगभग 10 करोड़ आबादी प्रभावित होगी।

दुनिया की 17% आबादी और 15% मवेशी भारत में रहते हैं, लेकिन यहां साफ पानी के संसाधन महज 4% ही हैं। पानी की जरूरतें सरफेस वाटर और ग्राउंडवाटर से पूरी होती है। सरफेस वाटर में नदियां, तालाब, झीलें आती हैं जबकि, ग्राउंडवाटर यानी जमीन के अंदर मौजूद पानी। दोनों ही मॉनसून पर निर्भर हैं लेकिन समस्या ये है कि सरफेस वाटर और ग्राउंडवाटर, दोनों ही तेजी से कम हो रहे हैं। नदियां-तालाब सूख रहे हैं और हर साल कम से कम 0।3 मीटर ग्राउंटवाटर कम होता जा रहा है।

इसका एक बड़ा कारण खेती-बाड़ी है। भारत में खेती-बाड़ी बहुत ज्यादा होती है और इसके लिए पानी की काफी जरूरत पड़ती है। अनुमान है कि भारत में हर साल जितना पानी उपयोग होता है, उसका लगभग 80 फीसदी खेती-बाड़ी में ही इस्तेमाल होता है।अनुमान है कि अभी भारत में हर साल 3,880 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी बारिश से मिलता है। लेकिन इसमें से 1,999 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी ही उपलब्ध होता है। अब इसमें से भी 1,122 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी ही इस्तेमाल के लायक होता है, लेकिन हम 699 बिलियन क्यूबिक पानी ही उपयोग कर पाते हैं। (1 बिलियन क्यूबिक मीटर में 4 लाख ओलंपिक साइज स्विंमिंग पूल के बराबर पानी होता है।)

अब समस्या ये भी है कि आबादी और लोगों की जरूरतें तेजी से बढ़ रही है, जिस कारण पानी कम पड़ता जा रहा है। इसे ऐसे समझिए कि 1947 में हर व्यक्ति के लिए औसतन 6,042 क्यूबिक मीटर (60.42 लाख लीटर) पानी मौजूद था। लेकिन 2011 तक ये घटकर 1,545 क्यूबिक मीटर (15.45 लाख लीटर) हो गया। 2031 तक हर भारतीय के लिए औसतन 1,367 क्यूबिक मीटर (13.67 लाख लीटर) पानी ही रहेगा। जबकि, 2051 तक तो 1,140 क्यूबिक मीटर (11।40 लाख लीटर) पानी ही रह जाएगा।

जब प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता 1,700 क्यूबिक मीटर यानी 17 लाख लीटर से कम होती है, तब माना जाता है कि देश में पानी की कमी हो रही है। लेकिन जब ये उपलब्धता 1,000 क्यूबिक मीटर यानी 10 लाख लीटर से कम हो जाएगी तो माना जाएगा कि भारत में पानी की भयानक किल्लत है।

सवाल यह भी है कि ऐसा क्यों है ?देखा जाए तो पानी की इस पूरी समस्या की जड़ मैनेजमेंट से जुड़ी है। भारत में पानी को सही तरीके से मैनेज नहीं किया जा रहा है। सेंट्रल वाटर कमीशन (CWC) के मुताबिक, भारत को हर साल तीन हजार क्यूबिक मीटर पानी की जरूरत है। जबकि, सालाना इससे कहीं ज्यादा पानी बारिश से मिल जाता है। उसके बावजूद इसका एक-चौथाई पानी इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

पीने के पाने के लिए ग्राउंडवाटर सबसे बड़ा जरिया है। लेकिन ग्राउंडवाटर का सबसे ज्यादा इस्तेमाल खेती-बाड़ी में होता है। ये तब है जब बारिश, नदी और तालाबों से भी सिंचाई हो रही है। अनुमान है कि खेती-बाड़ी में 80% और इंडस्ट्रियों में 12% पानी ग्राउंडवाटर से लिया जाता है। किसान और इंडस्ट्री मालिक ग्राउंडवाटर को सबसे आसान जरिया मानते हैं। यही कारण है कि जमीन से पानी निकालने में भारत पहले नंबर पर बना हुआ है।

और ग्राउंडवाटर का सिर्फ 8% ही पीने के लिए इस्तेमाल होता है। जमीन से निकले पाने को शुद्ध करने की जरूरत नहीं पड़ती, जबकि बाकी जरियों से आए पानी को पीने लायक बनाना पड़ता है। इस हिसाब से खेती-बाड़ी और इंडस्ट्रियों में ग्राउंडवाटर का ज्यादा इस्तेमाल होने से पीने का बहुत सारा पानी बर्बाद हो जाता है।

जब भी पानी की बर्बादी की बात होती है तो आमतौर पर इसके लिए खेती-बाड़ी और इंडस्ट्रियों को दोषी ठहरा दिया जाता है। लेकिन भारत में घरों में भी हर दिन काफी पानी बर्बाद होता है।माना जाता है कि हर व्यक्ति को अपनी जरूरतों के लिए हर दिन 150 लीटर पानी की जरूरत पड़ती है। इसमें से खाना खाने और पीने के लिए सिर्फ 5 लीटर पानी लगता है। स्टडी से पता चला है कि भारत में हर व्यक्ति हर दिन 45 लीटर पानी बर्बाद कर देता है।

घरों में पानी के बर्बाद होने की एक वजह वाटर प्यूरिफायर भी हैं। वाटर प्यूरिफायर 1 लीटर पानी को साफ करने के लिए 4 लीटर पानी का इस्तेमाल करता है। इतना ही नहीं, लापरवाही के कारण हर दिन भारत में 49 अरब लीटर पानी बर्बाद हो जाता है। इसे लेकर एनजीटी ने जल शक्ति मंत्रालय से रिपोर्ट भी मांगी है। एनजीटी का कहना है कि पानी बर्बाद करने वालों पर फाइन लगाया जाना चाहिए।

इसके अलावा बोतलबंद पानी से भी पानी की जबरदस्त बर्बादी होती है। रिपोर्ट के मुताबिक, पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर बेचने वाली हर कंपनी जमीन से हर घंटे 5 से 20 हजार लीटर पानी निकालती है। बोतलबंद पानी ही नहीं, बल्कि सॉफ्ट ड्रिंक भी पानी की बर्बादी का बड़ा कारण है। जनवरी 2017 में केरल सरकार ने इंडस्ट्रियों को मिलने वाले पानी में 75% की कटौती कर दी थी। इस कारण पेप्सिको को अपना प्लांट बंद करना पड़ गया था। क्योंकि पेप्सिको हर दिन जमीन से 6 लाख लीटर पानी निकाल रही थी।

WHO और UNICEF की 2019 की रिपोर्ट में चेताया गया था कि 10 करोड़ भारतीयों के पास पानी की सप्लाई का कोई ठोस साधन भी नहीं है।2018 की नीति आयोग की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि 2030 तक 60 करोड़ भारतीयों को पानी की किल्लत से जूझना पड़ सकता है।

भगवान जगन्नाथ के रथ का कौन है सारथी, कितनी है पहियों की संख्या ?

जगन्नाथ रथ यात्रा न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व भर में प्रसिद्ध है। हिंदू धर्म में आस्था रखने वाले लोग जगन्नाथ पुरी यात्रा के दौरान दुनिया भर से पहुंचते हैं। साल 2024 में जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत 7 जुलाई से होने वाली है। ऐसे में आज हम जगन्नाथ रथ यात्रा से जुड़ी कुछ रोचक जानकारियां अपने इस लेख में देंगे।

माना जाता है कि जो भी व्यक्ति जगन्नाथ यात्रा में एक बार शामिल हो जाता है उसे भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही भक्तों को पुण्य की भी प्राप्ति होती है।

यात्रा के दौरान जगन्नाथ जी के साथ ही भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा भी यात्रा में होते हैं। यह यात्रा गुंडिचा मंदिर तक की जाती है। माना जाता है कि गुंडिचा देवी भगवान जगन्नाथ की मौसी हैं। यानि जगन्नाथ जी, बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ अपनी मौसी के घर जाते हैं। कुछ दिन वहां रुकने के बाद वापस वो लौटते हैं।

यात्रा के दौरान जगन्नाथ जी, बलभद्र जी और सुभद्रा जी अपने अपने रथों पर होते हैं। तीनों के रथ के नाम अलग-अलग हैं और इनकी विशेषताएं भी अलग हैं।

सुभद्रा जी का रथ

सुभद्रा जी के रथ का नाम दर्पदलन है जिसकी ऊंचाई लगभग 42 फीट होती है। इसमें 12 पहिये होते हैं और इसका रंग लाल या काला रखा जाता है। इस पर लहराने वाले ध्वज का नाम नादाम्बिका है। इस रथ के सारथी अर्जुन, संरक्षक जयदुर्गा और द्वारपाल गंगा और जमुना हैं।

बलभद्र जी का रथ

बलभद्र जी के रथ का नाम है ताल्ध्वाज जिसकी ऊँचाई 43.2 फीट है। इनके रथ में 14 पहिये होते हैं और रंग लाल या हरा रहता है। ध्वज पर लहरा रही पताका का नाम उन्ननी है और ध्वज के सारथी मातली हैं। रथ के संरक्षक वासुदेव और द्वारपाल नंद और सुनंद हैं।

महाप्रभु जगन्नाथ का रथ

भगवान जगन्नाथ जी के रथ का नाम नंदीघोष है, जिसकी ऊंचाई 44.2 फीट है और इसमें 16 पहिये हैं। जगन्नाथ जी के रथ का रंग लाल या पीला होता है। इनके रथ पर लहरा रहा ध्वज त्रिलोक्यमोहिनी नाम से जाना जाता है। सारथी दारूक हैं और संरक्षक गरुड़। जगन्नाथ जी के रथ के द्वारपाल जय और विजय हैं।

क्यों निकाली जाती है रथ यात्रा ?

पौराणिक ग्रंथों में वर्णित है कि एक बार जगन्नाथ जी अपनी बहन सुभद्रा के साथ नगर भ्रमण पर थे। भगवान जगन्नाथ अपनी बहन को नगर दिखा रहे थे, इसी दौरान उन्होंने अपनी मौसी के घर जाने का कार्यक्रम भी बनाया और वहां लगभग एक सप्ताह वो रहकर आए। माना जाता है कि तब से ही जगन्नाथ रथ यात्रा का शुभारंभ हुआ था। आपको बता दें कि जगन्नाथ यात्रा में जो रथ होते हैं उनका निर्माण कार्य अक्षय तृतीया के दिन से ही शुरू हो जाता है। रथ में इस्तेमाल होने वाली लकड़ी की भी पहले पूजा अर्चना की जाती है।

आज से शनि वक्री होगा

देश की उन्नति के संकेत, लेकिन प्राकृतिक आपदा की भी आशंका है; 15 नवंबर तक वक्री रहेगा शनि

30 जून को शनि कुंभ राशि में वक्री होगा, इस ग्रह की चाल और धीमी हो जाएगी। 139 दिनों तक कुंभ राशि में शनि ऐसे ही चलेगा। इसके बाद 15 नवंबर को ये सामान्य गति से चलने लगेगा। भविष्य जानने के लिए ग्रहों का ऐसा बदलाव ज्योतिष में खास माना जाता है। ज्योतिषियों का मानना है कि शनि की वक्री चाल का असर देश-दुनिया सहित सभी राशियों पर रहेगा।

देश-दुनिया पर शनि का असर...

ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र का कहना है कि शनि की चाल में होने वाला ये बदलाव देश के लिए ये फायदेमंद होगा। इस साल अनाज की अच्छी पैदावार के साथ बाजार में उछाल आने के आसार हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश की प्रगति होगी, लेकिन प्राकृतिक आपदा प्रभावित कर सकती है। इस साल शनि देव वक्री होकर कुंभ राशि में ही रहेंगे। जिसके अशुभ प्रभाव से आतंकी घटनाएं बढ़ सकती हैं। महत्वपूर्ण पद वालों को सुरक्षा और सेहत का खासतौर से ध्यान रखना होगा। अस्थिरता बढ़ सकती है।

कैसे प्रभावित करेंगे शनि देव

शनि के शुभ प्रभाव से लोगों के रुके हुए काम पूरे होंगे। प्रॉपर्टी से जुड़े मामले सामने आएंगे। कुछ नौकरीपेशा लोगों के ट्रांसफर की स्थिति बन सकती है। प्रमोशन हो सकता है। कामकाज की जिम्मेदारी भी बढ़ने के योग हैं। बिजनेस करने वालों के भी काम करने की जगह पर बदलाव होगा। रहने की जगह भी बदल सकती है। वहीं, इसके अशुभ प्रभाव से कुछ लोगों को पैर में या हड्डी की चोट लग सकती है। ऑपरेशन की स्थिति भी बनेगी। साढ़ेसाती वालों को कर्जा लेना पड़ सकता है। कामकाज में बार-बार बदलाव की स्थितियां बनेंगी।

शनि के अशुभ में कमी लाएंगे ये उपाय

शनि के अशुभ असर से बचने के लिए रोज ऊं प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः मंत्र का जाप करें। शनि मंदिर में तिल के तेल का दीपक लगाएं। शनि देव को तिल का तेल और काली उड़द चढ़ाएं।

घोड़े की नाल का छल्ला मीडिल फिंगर में पहनें। जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाएं। साथ ही कपड़े, पानी, छाता और जूते-चप्पल का दान करें। रोज सुबह जल्दी पीपल के पेड़ पर काले तिल मिला पानी चढ़ाएं।

अंगद की रावण को सीख

कंजूस, मूर्ख, क्रोधी, भगवान से विमुख, निंदा करने वाला और पाप कर्म करना वाला व्यक्ति कभी सुखी नहीं रहता है

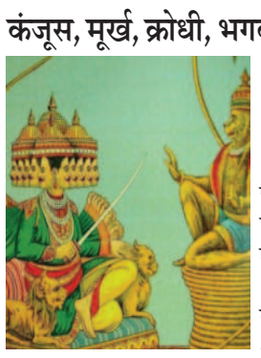

श्रीरामचरित मानस के लंकाकांड का प्रसंग है। श्रीराम अपनी वानर सेना के साथ लंका पहुंच गए थे। युद्ध से पहले श्रीराम युद्ध को टालने की एक कोशिश और करना चाहते थे। उन्होंने अंगद को दूत बनाकर रावण के दरबार में भेजा। लंका के दरबार में रावण और अंगद के बीच जो संवाद हुआ उसमें अंगद ने रावण को 14 ऐसी बुराइयां बताई थीं, जिनकी वजह से किसी भी व्यक्ति का जीवन बर्बाद हो सकता है। इन बुराइयों में से कोई एक बुराई भी किसी व्यक्ति के स्वभाव में आ जाए तो उसके जीवन से सुख-शांति खत्म हो जाती है। जानिए ये प्रसंग...

अंगद ने रावण से कहा कि-

कौल कामबस कृपिन बिमूढ़ा। अति दरिद्र अजसी अति बूढ़ा।।
सदा रोगबस संतत क्रोधी। बिष्नु बिमुख श्रुति संत बिरोधी।।
तनु पोषक निंदक अघ खानी। जीवत सव सम चौदह प्रानी।।

अर्थः वाम मार्गी यानी दुनिया से उलटा चलना, कामी, कंजूस, अत्यंत मूर्ख, अति दरिद्र, बदनाम, बहुत बूढ़ा, नित्य रोगी, हमेशा क्रोध में रहना, भगवान से विमुख, वेद और संतों का विरोध करना, सिर्फ अपना पालन-पोषण करना, निंदा करना और पाप कर्म करना, ये 14 बुराइयां जल्दी से जल्दी छोड़ देनी चाहिए, वर्ना हमारा बर्बाद हो सकता है।

ये है अंगद और रावण का संक्षिप्त प्रसंग

श्रीराम ने अंगद को अपना दूत बनाकर रावण के दरबार में भेजा। जैसे ही अंगद ने रावण की लंका में प्रवेश किया तो उसकी भेंट रावण के एक पुत्र से हुई। अंगद ने रावण के पुत्र को पराजित कर दिया। अंगद जब रावण के दरबार में पहुंचा तो उसने रावण को बालि के बारे में बताया। बालि का नाम सुनते ही रावण थोड़ा असहज हो गया था। अंगद ने रावण से कहा कि तुम श्रीराम से युद्ध टाल दो। सीता माता को सकुशल लौटा दो, इसी में सभी का कल्याण है। रावण अहंकारी था, उसने अंगद की बातें नहीं मानी। तब अंगद ने रावण से कहा था कि जिन लोगों में 14 बुराइयां होती हैं, उनका जीवन बर्बाद हो जाता है और ऐसे लोगों के जीवन में सुख-शांति और सफलता नहीं होती है।

इन 3 चीजों से करें अपनी कुंडली में धनयोग

लाल किताब के अनुसार आपकी कुंडली का पहला भाव पूर्व दिशा को दर्शाता है। सेकंड हाउस जो है वो अपने घर के वायु कोण से जुड़ा हुआ है। आपके बर्थ चार्ट का तीसरा भाव आपके घर का दक्षिण है। चौथा घर आपके घर नार्थ-ईस्ट को दर्शाता है। पांचवां घर भी आपके ईस्ट दिशा से जुड़ा हुआ है। छठा घर आपके घर की नार्थ दिशा है। आठवां घर आपके साउथ दिशा से जुड़ा हुआ है। नाइन्थ भाव आपके घर का सेंटर पॉइंट है। टेंथ हॉउस आपके घर का पश्चिम भाव है। बारहवां भाव आपके घर के अग्नि कोण को दर्शाता है।

आपकी कुंडली में ये राशियां हमेशा धन का जुगाड़ करने का काम करती हैं। पहली राशि है वृष राशि, कन्या राशि और मकर राशि। अब ये राशियां जिस भी घर में रहेंगी ये उसको एक्टिवेट करने काम करेंगी।

वृष राशि धन को जोड़ने की राशि है। वृष राशि अगर ब्लॉक होगी तो धन जोड़ने में कमी का सामना करना पड़ेगा। कहीं न कहीं धन खर्च हो सकता है। इसको सही रखने के लिए वायु कोण में गुल्लक में रख दें। इसके अलावा आप इसे पश्चिम दिशा में भी रख सकते हैं। कुंडली में जहां दूसरा भाव में उसके अनुसार नार्थ-ईस्ट में ये गुल्लक रख दें। इसके बाद रोज इस गुल्लक में थोड़े-थोड़े पैसे डाल दें। ये पैसों से जुड़ी परेशानियों को दूर करने का काम करते हैं। कन्या राशि पेंडिंग कर्मा को दर्शाती है। जब तक ये सही नहीं होगा तो आपको धन प्राप्त करने में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। यदि आप घड़ी कन्या राशि के अनुसार लगाएंगे तो आपके जीवन में धन की आवक बढ़ जाएगी। जिनके पेंडिंग कर्म सही होते हैं उनकी परेशानियां जल्द ही दूर हो जाती हैं। अगर आप धन के लेनदेन में फंसे हुए हैं तो घड़ी आपके जीवन से परेशानियों को दूर करने का काम करेगी।

कारोबार को बढ़ाने के लिए उपाय

काम को बढ़ाने का कारक है मकर राशि। मकर राशि अगर आपकी कुंडली में सही से होगी तो काम आएगा भी और बढ़ेगा भी। इसके बाद आपके जीवन से धन की समस्याएं खत्म हो जाएंगी। इसे सही करने के लिए आपको भगवान विष्णु की पूजा करनी है। इसी के साथ आपकी कुंडली में जिस भी दिशा में मकर राशि है उधर श्री हरि की तस्वीर लगा दें। ऐसा करने से आपकी सारी समस्याएं खत्म हो जाएंगी।

कुंभ राशि वालों के लिए कैसा रहेगा जुलाई का महीना

ज्योतिष के अनुसार ग्रहों की स्थिति के आधार पर किसी राशि के बारे में जाना जाता है। ग्रहों की स्थिति हर माह अलग-अलग होती है। आइये मासिक राशिफल में जानते हैं, जुलाई का महीना कुंभ राशि वालों के लिए कैसा रहेगा

मासिक राशिफल में आपको बताएंगे कि जुलाई का महीना आपके करियर, व्यापार, धन, सेहत और निजी जीवन को लेकर कैसा रहेगा। साथ ही आपको किन चीजों से सावधान रहने की जरूरत रहेगी।

कुंभ मासिक राशिफल

कुंभ राशि के लिए जुलाई का महीना मिलाजुला साबित होने वाला है। इस दौरान आपको अपने जीवन में अचानक से आने वाली तमाम तरह की परेशानियों से जूझना पड़ सकता है और किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ेगा। हालांकि आप अपनी हिम्मत और विवेक से हर कठिन चुनौती से पार पाने में अंततः कामयाब होंगे।

माह की शुरुआत में आपको निजी जीवन और कार्यक्षेत्र में अपनों का सहयोग न मिल पाने के कारण आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। धन का लेन-देन सावधानी के साथ करें अन्यथा विवाद और नुकसान होने

की आशंका बनी हुई है। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को परिश्रम करने पर ही मनचाही सफलता के योग बनेंगे।

जुलाई महीने के दूसरे सप्ताह में अपनी सेहत और खान-पान का खूब ख्याल रखें। वरना मौसमी या कोई पुरानी बीमारी पीड़ा दे सकती है। माह के मध्य में पूर्व में चली आ रही समस्याओं से राहत मिल सकती है। इस दौरान आपको सत्ता-सरकार से जुड़े लोगों की मदद मिलेगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को कारोबार में लाभ होगा और नौकरीपेशा लोगों की आय भी बढ़ेगी लेकिन आय के मुकाबले खर्च की अधिकता के चलते आर्थिक संकट बरकरार रहेगा।

लंबी यात्रा के योग भी बनेंगे। माह के उत्तरार्ध में आपको अपने समय और धन दोनों का प्रबंधन करके चलना होगा वरना उधार मांगने की नौबत आ सकती है। प्रेम संबंध में सावधानी के साथ कदम आगे बढ़ाएं और गलतफहमियों को संवाद के जरिए दूर करें। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें।

धनु के लिए सामान्य रहेगा जुलाई माह, प्रमोशन या ट्रांसफर की इच्छा हो सकती है पूरी

धनु मासिक राशिफल

धनु राशि के लिए जुलाई महीने के उत्तरार्ध का कुछ समय अगर छोड़ दिया जाए तो पूरा महीना शुभता और सफलता लिए हुए है। इस महीने आप जिस भी काम में अपना हाथ लगाएंगे आपको उसमें आपको सफलता मिलेगी। इस महीने अपने इष्ट-मित्रों और शुभचिंतकों की तरफ से पूरा सहयोग और समर्थन मिलेगा। आप अपनी मेहनत और परिश्रम की बदौलत अपने सपनों को सच करते हुए नजर आएंगे।

माह की शुरुआत में ही मनचाही पदोन्नति और तबादले की कामना पूरी हो सकती है। समाजसेवा से जुड़े लोगों को विशेष पुरस्कार आदि से सम्मानित किया जा सकता है। इस दौरान व्यवसाय से जुड़े सभी प्रयास सफल होते हुए नजर आएंगे। करियर-कारोबार से जुड़ी यात्राएं सुखद एवं सफल साबित होंगी। माह के मध्य में आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर बहुत नियंत्रण रखने की जरूरत रहेगी। माह के उत्तरार्ध में आपको करियर या कारोबार के संबंध में कोई भी कदम आगे बढ़ाते या फिर कहें बड़ा फैसला करते समय खूब सावधान रहना होगा। इस दौरान भावनाओं में बहकर या फिर गुस्से में आकर कोई भी बड़ा फैसला न लें, अन्यथा आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

माह के उत्तरार्ध में कामकाज का अधिक दबाव बना रहेगा। आपको अपने काम के साथ अपने शरीर पर विशेष ध्यान देना होगा। प्रेम संबंध की दृष्टि से भी यह समय थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में सोच-समझकर ही इस दिशा में कदम आगे बढ़ाएं। वैवाहिक जीवन को सुखमय बनाए रखने के लिए जीवनसाथी के लिए समय निकालें और उसकी भावनाओं का आदर करें।

चौदह प्रकार के लोग जो मृततुल्य हैं

कामवशः जो व्यक्ति अत्यंत भोगी हो, कामवासना में लिप्त रहता हो, जो संसार के भोगों में उलझा हुआ हो, वह मृत समान है। जिसके मन की इच्छाएं कभी खत्म नहीं होतीं और जो प्राणी सिर्फ अपनी इच्छाओं के अधीन होकर ही जीता है, वह मृत समान है। वह अध्यात्म का सेवन नहीं करता है, सदैव वासना में लीन रहता है।

वाममार्गीः जो व्यक्ति पूरी दुनिया से उल्टा चले, जो संसार की हर बात के पीछे नकारात्मकता खोजता हो, सत्य वैज्ञानिक नियमों, परंपराओं, धर्म एवं लोक व्यवहार के खिलाफ चलता हो, वह वाम मार्गी कहलाता है। ऐसे काम करने वाले लोग मृत समान माने गए हैं।

कंजूसः अति कंजूस व्यक्ति भी मरा हुआ होता है। जो व्यक्ति धर्म कार्य करने में, आर्थिक रूप से किसी कल्याणकारी कार्य में हिस्सा लेने में हिचकता हो, दान एवं यज्ञ करने से बचता हो, ऐसा आदमी भी मृतक समान ही है।

अति दरिद्रः गरीबी सबसे बड़ा श्राप है। जो व्यक्ति धन, आत्म-विश्वास, सम्मान और साहस से हीन हो, वह भी मृत ही है। अत्यंत दरिद्र भी मरा हुआ है। गरीब आदमी को दुत्कारना नहीं चाहिए, क्योंकि वह पहले ही मरा हुआ होता है। दरिद्र मानकर उनकी मदद करनी चाहिए। उनके प्रति करुणा का भाव रखना चाहिए।

विमूढ़ः अत्यंत मूढ़ यानी मूर्ख व्यक्ति भी मरा हुआ ही होता है। जिसके पास बुद्धि-विवेक न हो, जो खुद निर्णय न ले सके, यानि हर काम को समझने या निर्णय लेने में किसी अन्य पर आश्रित हो, ऐसा व्यक्ति भी जीवित होते हुए मृतक समान ही है, मूढ़ अध्यात्म को नहीं समझता।

अपयसीः जिस व्यक्ति को संसार में बदनामी मिली हुई है, वह भी मरा हुआ है। जो घर-परिवार, कुटुंब-समाज, नगर-राष्ट्र, किसी भी ईकाई में सम्मान नहीं पाता, वह व्यक्ति भी मृत समान ही होता है।

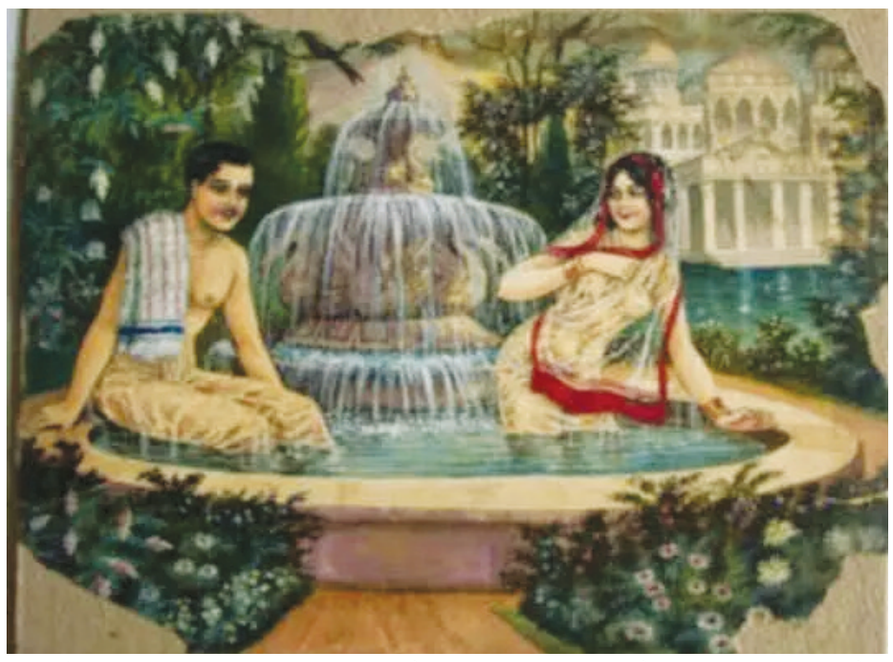

सदा रोगवशः जो व्यक्ति निरंतर रोगी रहता है, वह भी मरा हुआ है। स्वस्थ शरीर के अभाव में मन विचलित रहता है। नकारात्मकता हावी हो जाती है। व्यक्ति मृत्यु की कामना में लग जाता है। जीवित होते हुए भी रोगी व्यक्ति जीवन के आनंद से वंचित रह जाता है।

अति बूढ़ाः अत्यंत वृद्ध व्यक्ति भी मृत समान होता है, क्योंकि वह अन्य लोगों पर आश्रित हो जाता है। शरीर और बुद्धि, दोनों अक्षम हो जाते हैं। ऐसे में कई बार वह स्वयं और उसके परिजन ही उसकी मृत्यु की कामना करने लगते हैं, ताकि उसे इन कष्टों से मुक्ति मिल सके।

सतत क्रोधीः २४ घंटे क्रोध में रहने वाला व्यक्ति भी मृतक समान ही है। ऐसा व्यक्ति हर छोटी-बड़ी बात पर क्रोध करता है। क्रोध के कारण मन और बुद्धि दोनों ही उसके नियंत्रण से बाहर होते हैं। जिस व्यक्ति का अपने मन और बुद्धि पर नियंत्रण न हो, वह जीवित होकर भी जीवित नहीं माना जाता। पूर्व जन्म के संस्कार लेकर यह जीव क्रोधी होता है। क्रोधी अनेक जीवों का घात करता है और नरकगामी होता है।

अघ खानीः जो व्यक्ति पाप कर्मों से अर्जित धन से अपना और परिवार का पालन-पोषण करता है, वह व्यक्ति भी मृत समान ही है। उसके साथ रहने वाले लोग भी उसी के समान हो जाते हैं। हमेशा मेहनत और ईमानदारी से कमाई करके ही धन प्राप्त करना चाहिए। पाप की कमाई पाप में ही जाती है और पाप की कमाई से नीच गोत्र, निगोद की प्राप्ति होती है।

तनु पोषकः ऐसा व्यक्ति जो पूरी तरह से आत्म संतुष्टि और खुद के स्वार्थों के लिए ही जीता है, संसार के किसी अन्य प्राणी के लिए उसके मन में कोई संवेदना न हो, ऐसा व्यक्ति भी मृतक समान ही है। जो लोग खाने-पीने में, वाहनों में स्थान के लिए, हर बात में सिर्फ यही सोचते हैं कि सारी चीजें पहले हमें ही मिल जाएं, बाकी किसी अन्य को मिलें न मिलें, वे मृत समान होते हैं। ऐसे लोग समाज और राष्ट्र के लिए अनुपयोगी होते हैं। शरीर को अपना मानकर उसमें रत रहना मूर्खता है, क्योंकि यह शरीर विनाशी है, नष्ट होने वाला है।

निंदकः अकारण निंदा करने वाला व्यक्ति भी मरा हुआ होता है। जिसे दूसरों में सिर्फ कमियाँ ही नजर आती हैं, जो व्यक्ति किसी के अच्छे काम की भी आलोचना करने से नहीं चूकता है, ऐसा व्यक्ति जो किसी के पास भी बैठे, तो सिर्फ किसी न किसी की बुराई ही करे, वह व्यक्ति भी मृत समान होता है। परनिंदा करने से नीच गोत्र का बंध होता है।

परमात्मा विमुखः जो व्यक्ति ईश्वर यानि परमात्मा का विरोधी है, वह भी मृत समान है। जो व्यक्ति यह सोच लेता है कि कोई परमतत्व है ही नहीं; हम जो करते हैं, वही होता है, संसार हम ही चला रहे हैं, जो परमशक्ति में आस्था नहीं रखता, ऐसा व्यक्ति भी मृत माना जाता है।

श्रुति संत विरोधीः जो वेदादि सत्य सत्य आर्ष शास्त्रों एवं संत पुरुषों विरोधी है, वह भी मृत समान है। श्रुत और संत, समाज में अनाचार पर नियंत्रण (ब्रेक) का काम करते हैं। अगर गाड़ी में ब्रेक न हो, तो कहीं भी गिरकर एक्सीडेंट हो सकता है। वैसे ही समाज को संतों की जरूरत होती है, वरना समाज में अनाचार पर कोई नियंत्रण नहीं रह जाएगा।

अतः मनुष्य को उपरोक्त चौदह दुर्गुणों से यथासंभव दूर रहकर स्वयं को मृतक समान जीवित रहने से बचाना चाहिए।

असल जिंदगी के अलावा 'कल्कि 2898 एडी' में मां बनीं दीपिका

'सुमति' बन बटोरीं दर्शकों की तालियां

नाग अश्विन की साइंस-फिक्शन डायस्टोपियन फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' ने आज यानी 27 जून को सिनेमाघरों में दस्तक दी है। प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन अभिनीत इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। फिल्म में दीपिका एक मां की भूमिका निभा रही हैं और हर कोई उनके अभिनय की खूब तारीफ कर रहा है। असल जिंदगी में भी दीपिका जल्द ही मां बनने वाली हैं। ऐसे में फिल्म में भी उन्होंने अपने किरदार से सबका दिल जीत लिया है। बता दें कि दीपिका ने अपने करियर की शुरुआत साउथ सिनेमा से ही की थी। आगे चलकर अभिनेत्री ने बॉलीवुड का रुख किया और छा गईं। अब एक बार फिर सालों बाद दीपिका पादुकोण किसी साउथ इंडियन फिल्म में नजर आई हैं। हालांकि, यह पैन इंडिया फिल्म है, जो हिंदी समेत कई भाषाओं में रिलीज हुई है।

फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में एंट्री काशी से होती है, लेकिन इंटरवल के बाद दर्शकों के सामने एक नए संसार की कहानी सामने आती है, जिसका नाम शम्बाला है। यह आम संसार से छिपाकर रखी गई एक जगह है। यहां वो लोग हैं, जो तबाह होने जा रही दुनिया के आखिरी छोर पर एक उम्मीद के सहारे जिंदा हैं। फर्स्ट ऑफ में यही दिखाया गया है। फिल्म में दीपिका सुमति की भूमिका निभा रही है, जिसके गर्भ में पल रहा बच्चा साधारण नहीं है। आगे की कहानी फिल्म के सेकेंड हाफ में दिखाई गई है।

फिल्म के सेकेंड हाफ में कॉम्प्लेक्स से बचकर भाग निकली सुमति पर बाउंटी है, जिसके लिए भैरव उसे पकड़ना चाहता है। कॉम्प्लेक्स के लिए सुमति एक बहुमूल्य एक्सपरिमेंट है और अश्वत्थामा के लिए अगले अवतार की मां, इसलिए वो हमेशा सुमति की रक्षा में तैयार है। एक तरफ दीपिका असल जिंदगी में भी मां बनने वाली हैं। वहीं, फिल्म में उनकी मां की छवि ने दर्शकों की खूब सराहना बटोरी है।

कल्कि 2898 एडी' को लेकर सोशल मीडिया पर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। एक्स पर यूजर्स इसे प्रभास की सर्वश्रेष्ठ फिल्म बता रहे हैं। साउथ में सुबह चार बजे से ही दर्शक इस फिल्म को देखने पहुंचने लगे। एक इंटरव्यू में दीपिका ने मां बनने को लेकर कहा था, मां बनना विवाहित होने से बढ़कर है। यही मैं उन लोगों से सुनती हूं जिनके बच्चे हैं। बेशक, यह किसी न किसी समय होगा लेकिन नहीं, मुझे लगता है कि हर महिलाओं को इस स्थिति से गुजरना है। मुझे लगता है कि जिस दिन हम औरत से बच्चे को लेकर सवाल पूछना बंद कर देंगे, उसी दिन हम बदलाव लाएंगे।

क्या इस वजह से बदल दी सुष्मिता सेन ने अपनी जन्मतिथि?

दिग्गज अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने अपने प्रशंसकों को तब हैरान कर दिया, जब उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर अपनी जन्मतिथि ही बदल दी। अभिनेत्री के प्रशंसक इसे देखकर भ्रमित और हैरान रह गए। अब उनके प्रशंसक जानना चाहते हैं आखिर उन्होंने ऐसा क्यों किया? आइए जानते हैं इसके पीछे की वजह, आखिर अभिनेत्री ने अपनी जन्मतिथि क्यों बदली?

क्या है नई जन्मतिथि?

सुष्मिता सेन बॉलीवुड की दिग्गज और दमदार अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनकी अदाकारी और खूबसूरती के लाखों दीवाने हैं। अब अगर आप सुष्मिता के इंस्टाग्राम बायो में जाएंगे तो उनकी जन्मतिथि देखकर हैरान रह जाएंगे। उन्होंने अपनी जन्मतिथि 27 फरवरी 2023 लिख रखी है।

ये है वास्तविक जन्मतिथि?

अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने जब से नई जन्मतिथि लिखी है, उनके प्रशंसकों में यह कौतूहल का विषय बना हुआ है। हर कोई इसके पीछे की वजह जानना चाहता है। हालांकि, अभिनेत्री ने इसका हिंट खुद अपनी बायो में दे रखा है। वहीं, अगर सुष्मिता के वास्तविक जन्मतिथि की बात करें तो यह 19 नवंबर 1975 है।

आखिर क्यों बदली जन्मतिथि?

अभिनेत्री ने अपनी बायो में लिखा है, दूसरी जन्मतिथि, 27 फरवरी 2023, बताते चलें कि फरवरी 2023 में ही अभिनेत्री को वेब सीरीज 'आर्या सीजन 3' की शूटिंग के दौरान हार्ट अटैक भी आया था और उन्हें मुंबई के नानावटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि अभिनेत्री ने सर्जरी करवाई और अब वह स्वस्थ हैं। ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह तारीख सभी प्रशंसकों के दिलों में बसी हुई होगी और यही कारण है कि वह इसे अपनी दूसरी जन्मतिथि कह रही हैं।

एमी जैक्सन का 'जैकपॉट'

लोग यहां सोनाक्षी सिन्हा की शादी में ही उलझे रहे और वहां एमी जैक्सन ने जैकपॉट मार दिया है। दरअसल, एमी भी शादी करने जा रही है और उसने अपनी बैचलर पार्टी की तस्वीरें जारी कर दी हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि इसमें जैकपॉट वाली बात क्या है? तो हुजूर बात यह है कि एमी 'लिव इन रिलेशनशिप यानी बिना शादी के किसी और के साथ रह रही थी और अब शादी किसी और के साथ करने जा रही है।मजे की बात यह है कि एमी के पास एक 5 साल का बच्चा भी है जो उसे 'लिव इन' में रहने के दौरान हुआ था, यानी अब एमी अपने पति के घर अपने प्रेमी के बच्चे के साथ जाएगी। उसके होने वाले पति का नाम एड वैस्टविक है। उससे पहले एमी बिजनैसमैन जॉर्ज पायनिट्टू के साथ रिलेशन में थी। उससे ही एमी का बेटा है। जॉर्ज से ब्रेकअप के बाद एमी की लाइफ में एड वैस्टविक की एंट्री हुई थी। मगर यह अमरीका है और वहां सब चलता है। सोनाक्षी ने तो जो अपनी पसंद का दूल्हा ढूंढा है, सुनने में आ रहा है कि उसके पापा, मामा और भाई वगैरह उससे खुश नहीं हैं।

'गंदी बात' करने वाले पर भड़की आयशा खान

सोशल मीडिया जितना फायदेमंद है, उतना ही सितारों के लिए सिर दर्द भी बन चुका है। कुछ एक्टर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तो हमेशा ही ट्रोलर्स के निशाने पर रहते हैं। इन्हीं में से एक आयशा खान भी है। एक सोशल मीडिया यूजर नेतो उसके लिए इतनी गंदी बात लिखी कि वह खुद को उसका जवाब देने से नहीं रोक सकी।

आयशा ने ट्रोलर के मैसेज को अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर करते हुए मुंहतोड़ जवाब देते हुए लिखा, अब बस बहुत हो चुका है, ऐसे लोग हमारे आसपास ही हैं। बस हमें नहीं पता है कि वे महिलाओं को लेकर कैसी सोच रखते हैं जब उन्हें देखने वाला कोई नहीं होता है। मैं तो यह सोचती हूं कि इनके घर में रहने वाली महिलाएं खुद को कैसे सुरक्षित महसूस करती होंगी। आयशा ने गुस्सा व्यक्त करते हुए आगे लिखा, ₹ऐसे कैसे चलेगा? आप जो मन में आए कह देंगे, क्योंकि आप पर उंगली उठाने वाला कोई नहीं है। क्योंकि किसी को यह नहीं पता है कि आपने किसे क्या मैसेज किया है? आयशा खान ने अंत में लिखा, मेरे चाहने वालों ने मुझे कहा था कि मैं इस तरह के घटिया लोगों को अटेंशन न दूं, लेकिन हम बोलेंगे नहीं तो बदलाव आएगा कैसे?

'कल्कि 2898 एडी' में कैमियो को लेकर मृणाल ने किया खुलासा

फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' आखिरकार रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ती जा रही है। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में विजय देवरकोंडा, एसएस राजामौली, दुलकर सलमान और राम गोपाल वर्मा सहित कई अभिनेताओं ने कैमियो किया है। मृणाल ठाकुर ने बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अपने कैमियो को लेकर खुलकर बातचीत की है।

मृणाल ठाकुर का खास किरदार

बेहतरीन अदाकारी के लिए प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने 'कल्कि 2898 एडी' का हिस्सा बनने के बारे में बताया कि जब उनसे इस फिल्म के लिए संपर्क किया गया था, तब क्या हुआ था। मृणाल ने फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' को लेकर अपनी उत्सुकता और आत्मविश्वास दोनों को ही जाहिर किया। मृणाल ने बताया कि वह पहले फिल्म 'सीता रामम' में निर्माता अश्विनी दत्त, स्वप्ना दत्त और प्रियंका दत्त के साथ काम कर चुकी हैं, इसलिए उन्होंने 'कल्कि 2898 एडी' के लिए तुरंत हामी भर दी थी। मृणाल ने कहा, ₹जब मुझे 'कल्कि' के लिए संपर्क किया गया था, तब मैंने तुंरत हां कहने में एक पल भी नहीं लगाया। मुझे निर्माता अश्विनी दत्त, स्वप्ना दत्त और प्रियंका पर पूरा भरोसा है। 'सीता रामम' में हमारे सफल सहयोग ने यह निर्णय लेना मेरे लिए काफी आसान बना दिया। इस बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा, मुझे बनना ही था।

मृणाल के लिए 'कल्कि' के कलाकारों में शामिल होना किसी रोमांच से कम नहीं रहा। फिल्म में उनकी उपस्थिति को एक आश्चर्य के रूप में रखा गया, जिससे उनके प्रशंसकों के बीच उत्साह बना रहे। इस बहुप्रतिष्ठित फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना अभिनेत्री और उनके प्रशंसकों दोनों के लिए एक सुखद अवसर रहा। 'कल्कि' एक साइंस फिक्शन फिल्म है, जो कई नामी कलाकारों को एक साथ लेकर आई है। प्रशंसक फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं।मृणाल ठाकुर आज की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक है। 'सीता रामम' जैसी फिल्मों से अपने अभिनय का जादू चलाने वाली मृणाल ने रिलेशनशिप तथा अन्य कई मुद्दों पर हाल ही में बात की। मैं वाकई इंटीमेट और रोमांटिक सीन्स करने में सहज नहीं थी। मैं उनके बारे में सुनकर बस डर जाती और न कह देती लेकिन ऐसा कब तक कर सकती थी? रिलेशनशिप को काफी जटिल बताने वाली मृणाल कहती है, आपको सही साथी की जरूरत है, जो आफ्को समझे। आपका व्यवहार कैसा है, आप कैसे हैं। बेशक लोग दिखावा करें कि सब कुछ अच्छा है, लेकिन असल जिंदगी में ऐसा नहीं है।

जब उससे शादी और रिलेशनशिप के बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि वह अपने एग्स फ्रीज करवाने के चारे में भी सोच रही है। उसे शादी करने में समस्या नहीं है, लेकिन एक सही पार्टनर मिलना बहुत मुश्किल है।

हो चुकी है बॉडी शेमिंग का शिकार

इन दिनों इंडस्ट्री की सबसे फिट अभिनेत्री मानी जाने वाली मृणाल के शानदार फिगर की अक्सर तारीफ होती है और लोग उससे फिटनैस के बारे में टिप्स पूछते हैं लेकिन एक ऐसा भी वक्त था जब उसे अपनी चॉडी के लिए खूब बातें सुनने पड़ती थीं। मृणाल ने कहा कि वह कभी-कभी असुरक्षित महसूस करती है और वह बॉडी रोमिंग का शिकार हो चुकी है। हालांकि, इसके बावजूद उसने ठाना है कि वह खूबसूरती के मानकों को नए सिरे से परिभाषित करेगी।

पसंद के कपड़े नहीं पहन पाती थी

उसने बताया कि उसे अपनी पसंद के कपड़े पहनने से पहले सोचना पड़ता था लेकिन अब वह इन सब की परवाह नहीं करती है। अपनी 'पीयर शेप बांडी' (चौड़े नितम्ब और जांघों) को लेकर उसने कहा, मैं अपनी कीं चाँडी दिखाकर ब्यूटी के स्टैंडर्ड को बदलने वाली हूं।₹ ₹एक समय था, जब मैं बाँडी हगिंग ड्रेसेस पहनने से डरती थी लेकिन अब किसी भी तरह की ड्रैस पहनने से पीछे नहीं हटती हूं, फिर चाहे वह बाँडी हगिंग ड्रेस हो या क्रॉप टॉप।₹ उसका मानना है कि ब्यूटी स्टैंडर्ड सैट करने के लिए कार्दाशियन स्सिन्टर्स की ही जरूरत क्यों है। वैसे भी भारत की महिलाएं ज्यादा खूचसूरत हैं।

उसने कहा कि ऐसे भी दिन उसने देखे हैं, जब उसका बिस्तर से उठने तक का मन नहीं होता था, लेकिन उठती थी।

रोमांटिक डेट 'मजेदार' होनी चाहिए : खुशी कपूर

बोनी कपूर और दिवंगत एक्ट्रैस श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर ने फिल्म 'द आर्चीज' से बॉलीवुड में डेब्यू किया लेकिन वह डेब्यू से ज्यादा अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर चर्चाओं में बनी रही। हाल ही में उसने एक इंटरव्यू में बताया है कि उसके लिए रोमांटिक डेट का मतलब क्या है? खुशी ने कहा, मेरे लिए डेट का मतलब, ऐसा टॉपिक ढूंढना है, जो हम दोनों को पसंद हो और उसके जरिए बातचीत को आगे बढ़ाना और आपसी पसंद का पता लगाना है। उदाहरण के लिए, मैं नई फिल्मों के बारे में पूछ सकती हूं, जिन्हें सामने वाला शख्स देखना चाहेगा या किसी भी स्पोर्ट्स के बारे में, जो उसे पसंद हो।

उसने आगे कहा, किसी नई और मजेदार एक्टिविटी को एक्सप्लोर करना, जिसे हम दोनों ने पहले कभी नहीं किया हो, एक-दूसरे से जुड़ने का एक शानदार तरीका हो सकता है। मेरी डेट की प्रोफाइल के 'अबाऊट मी' सैक्शन को पढ़ना यह जानने में मददगार होगा, कि आप किस तरह के टॉपिक पर बात कर सकते हैं।

परफैक्ट डेट के बारे में पूछने पर उसने कहा, ₹मेरे लिए सबसे परफैक्ट डेट प्राइवेट और बेहद स्पैशल होगी, जहां मैं बात कर सकूं और दूसरे व्यक्ति को ज्यादा पर्सनल स्पेस के साथ जान सकूं, ताकि कोई दबाव न हो और यह रिलैक्स और मजेदार हो। उसने कहा, कुछ भी, जो हम दोनों के लिए मजेदार हो, जैसे घर पर गेम नाइट या अपने फेवरेट फूड के साथ मूवी मैराथन। खुशी ने ऑनलाइन डेटिंग की दुनिया में कदम रखने वाले युवाओं को सलाह देते हुए कहा, ₹हमारी सलाह है कि आप अपनी बातचीत में खुद को खुला और सच्चा रहने दें। ऐसा करने से, आप उन लोगों से मिलने का दरवाजा खोलते हैं, जिनसे आप अपनी रोजमर्रा 10 की जिंदगी में नहीं मिल पाते। सूत्रों की मानें तो खुशी अपनी डेब्यू फिल्म 'आर्चीज' के को-स्टार वेदांग रैना को डेट कर रही है। दोनों को अक्सर साथ में वक्त बिताते हुए देखा जाता है।

फिल्मों से भर चुकी है झोली

खुशी की अगली फिल्म इब्राहिम अली खान के साथ 'नादानियां' है। इसका निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा किया जाएगा। वहीं वह एक और फिल्म साइन कर चुकी है लेकिन इसका नाम अभी तय नहीं है। यह तमिल फिल्म 'लव टुडे' की रीमेक बताई जा रही है, जो पिछले साल ही बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी। फिल्म में खुशी के साथ जुनैद खान नजर आएगा जो आमिर खान का बड़ा बेटा है।

शिल्पा शेट्टी ने बताए 'योग' के फायदे

हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। शिल्पा शैट्टी ने भी इस दिन योग को लेकर जागरूकता फैलाने की कोशिश की। उसने सभी से योग को अपनी जीवनशैली में अपनाने का आग्रह करते हुए कहा, इसका मतलब केवल योग या वर्कआऊट करना ही नहीं है, बल्कि समय पर खाना खाने और नियमित नींद लेने जैसी स्वस्थ आदतें अपनाना भी है। योग से मानसिक शांति और कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। हर दिन केवल 20 मिनट सिम्पल आसन व सांस से संबंधी योग कर आप अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। आइए योग को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं और इसके लाभों का आनंद लें।

शिल्पा 2 बच्चों की मां है। बावजूद इसके वह एकदम फिट नजर आती है। वह कहती है कि फिट रहने के लिए योग सबसे बेहतर तरीका है। वह भुजंगासन, वक्रासन, नौकासन और अधोमुख श्वानासन जैसे योग रोजाना करती है। उन्होंने कहा, मैं वृक्षासन की भी सलाह देती हूं। यह आपके संतुलन की भावना को समझने तथा ध्यान केंद्रित करने के लिए बहुत अच्छा है। सबसे महत्वपूर्ण अभ्यासों में से एक प्राणायाम है। हालांकि यह वास्तव में आसन नहीं है। सांस की जागरूकता के लिए प्राणायाम बेहद महत्वपूर्ण है। मैं कपालभाति या अनुलोम विलोम का सुझाव भी देती हूं। ये अभ्यास आपके दिमाग से नकारात्मक विचारों सहित आपके फेफड़ों को साफ करेंगे। योग एक विज्ञान है और आप हर सत्र के साथ, हर दिन बेहतर होते रहेंगे।

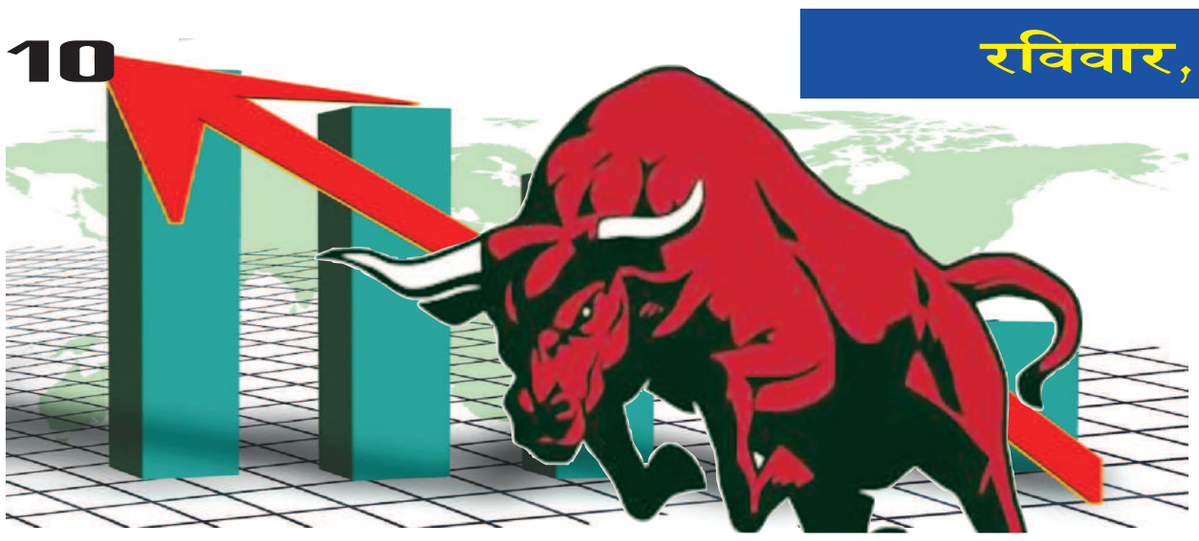

रिपोर्ट्स में दावा : बोइंग सुरक्षा खामियों से जुड़े विवादों के समाधान के लिए सरकार से कर रही बातचीत

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। विमान निर्माता बोइंग कंपनी पर 737 मैक्स विमान हादसों के बाद सुरक्षा में खामी बरतने से जुड़े गंभीर आरोप लगे। खबर है कि कि इन आरोपों से उत्पन्न परिस्थिति को हल करने के लिए विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग अमेरिकी न्याय विभाग के साथ बातचीत कर रही है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार कंपनी के खिलाफ मामलों के निपटारे की घोषणा अगले सप्ताह की जा सकती है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार गोपनीय बातचीत की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने नाम ना बताने की शर्त पर कहा कि दुनिया के दूसरे सबसे बड़े विमान निर्माता को कॉर्पोरेट मॉनिटरिंग के तहत लाया जा सकता है।

डीओजे (अमेरिकी न्याय विभाग) के अभियोजक बोइंग के खिलाफ आरोप गठित करना चाहते हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि कंपनी खुद को दोषी ठहराने के लिए सहमत होगी या नहीं। 2021 में ट्रंप सरकार के आखिरी दिनों में अमेरिकी सरकार और बोइंग के बीच बातचीत शुरू हुई थी।

यह बातचीत दो विमान दुर्घटनाओं जिसमें 346 लोग मारे गए थे, के बाद कंपनी पर कार्रवाई से संबंधित थी। उधर, हादसे के पीड़ितों के परिवार के कुछ सदस्यों ने सरकार से बोइंग पर आपराधिक आरोप दर्ज करने का आग्रह किया है, जिससे उन्हें कंपनी के खिलाफ मुकदमा चलाने में मदद मिल सकती है। हालांकि, विवादों के समाधान के लिए सरकार से हो रही इस बातचीत का बोइंग को बहुत ज्यादा लाभ मिलने की उम्मीद नहीं है। बोइंग के खिलाफ कारखानों में गुणवत्ता की खामियों और नियामकीय उल्लंघन से जुड़े कई जांच चल रहे हैं। ऐसे में सरकार से समझौते के बावजूद कंपनी के लिए संकट खत्म हुआ यह नही माना जा सकता है। ब्लूमबर्ग के अनुसार इस मामले में बोइंग के प्रवक्ता की ओर से फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

एसबीआई के चेयरमैन पद के लिए चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी के नाम की सिफारिश

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। केंद्र के तहत एक स्वायत्त निकाय वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (एफएसआईबी) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के प्रबंध निदेशकों में से एक चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी के नाम को बैंक के अगले अध्यक्ष के रूप में नामित करने की सिफारिश की है।एफएसआईबी ने शनिवार को पद के लिए तीन उम्मीदवारों के साथ बैठक के बाद भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अध्यक्ष पद के लिए चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी के नाम की सिफारिश की। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के निदेशकों के लिए काम करने वाली एफएसआईबी ने एक बयान में कहा, इंटरफेस में उनके प्रदर्शन, उनके समग्र अनुभव और मौजूदा मापदंडों को ध्यान में रखते हुए ब्यूरो ने एसबीआई में चेयरमैन पद के लिए चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी के नाम की सिफारिश की गई है। एफएसआईबी ने एसबीआई चेयरमैन के पद के लिए 29 जून को तीन उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया। वर्तमान चेयरमैन दिनेश खारा 28 अगस्त को 63 वर्ष के होने पर सेवानिवृत्त होंगे। दावेदारों में सेट्टी एसबीआई में लगभग 36 वर्षों की सेवा के साथ सबसे वरिष्ठ हैं। एसबीआई के चेयरमैन पद के लिए जिन अन्य दो एमडी का साक्षात्कार लिया गया, उनमें अश्विनी कुमार तिवारी और विनय एम टोंसे शामिल हैं।

कोयला आयात वृद्धि दर बीते दशक में घटकर 2.5% से नीचे आई, मंत्रालय ने बयान जारी कर दी जानकारी

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। भारत ऊर्जा सुरक्षा के मामले में आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ रहा है। इसका पता इस बात से चलता है कि कोयला आयात में वार्षिक वृद्धि पिछले एक दशक में वित्त वर्ष 2023-24 तक घटकर 2.49 प्रतिशत रह गई है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2004-05 से 2013-14 तक कोयला आयात की संचयी वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) 21.48 प्रतिशत रही। हालांकि, 2014-15 से 2023-24 तक कोयला आयात की सीएजीआर केवल 2.49 प्रतिशत रही। बयान के अनुसार, "इसके अलावा, वित्त वर्ष 2004-05 से 2013-14 की अवधि के दौरान आयातित कोयले की हिस्सेदारी का सीएजीआर 13.94 प्रतिशत था। जबकि, पिछले दशक के दौरान यह आंकड़ा गिरकर शून्य से नीचे लगभग 2.29 प्रतिशत हो गया।" मंत्रालय ने बयान में कहा कि घरेलू कोयला संसाधनों के अनुकूलन और नवीन तकनीकी समाधानों का लाभ उठाने पर रणनीतिक ध्यान केंद्रित करते हुए देश ऊर्जा सुरक्षा में आत्मनिर्भरता की ओर अपनी यात्रा जारी रख रहा है।

अनिल अग्रवाल के हाथ अफ्रीका में लगा 'खजाना'

अब रॉकेट बनेंगे वेदांता के शेयर!

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। अरबपति कारोबारी अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाले वेदांता ग्रुप के लिए अफ्रीका से गुड न्यूज आई है। जांबिया की एक अदालत ने एक कॉपर खदान के लेनदारों को बकाया चुकाने की योजना को मंजूरी दे दी है। इससे वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड कोंकोला कॉपर प्रोजेक्ट का कंट्रोल फिर से हासिल कर सकती है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक जांबिया की राजधानी लुसाका की एक अदालत ने शुक्रवार को एक स्कीम ऑफ अरेंजमेंट को मंजूरी दे दी। कोंकोला कॉपर माइंस पीएलसी के लेनदारों ने भी इसका सपोर्ट किया है। इस दक्षिणी अफ्रीकी देश के खान मंत्री पॉल काबुसवे ने फेसबुक पर यह जानकारी दी।

आज सोने की कीमतों में तेजी

10 ग्राम सोना 72,280 पर पहुंचा, एक किलो चांदी 90,000 में बिक रही

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 29 जून को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 120 रुपए बढ़कर 72,280 रुपए हो गया है। कल इसके दाम 72,160 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 90,000 रुपए पर ही बनी हुई है। हालांकि, इस महीने अब तक सोने की कीमत में 480 रुपए की गिरावट देखने को मिली है। ये 30 मई को 72,760 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो अब 72,280 रुपए पर आ गया है। वहीं चांदी भी 95,500 रुपए प्रति 10 ग्राम से फिसलकर 90,000 रुपए पर आ गई है। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- AZ4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

अदाणी डिफेंस के साथ मिलकर भारत में ही 70 एमएम रॉकेट बनायेगी थेल्स

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने की केंद्र सरकार की पहल के अनुरूप अदाणी समूह की कंपनी अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने भारत में ही 60 एमएम रॉकेट बनाने के लिए थेल्स समूह के साथ एक करार किया है।

थेल्स ने एक बयान में बताया कि यह भागीदारी न सिर्फ भारत के लिए उसकी प्रतिबद्धता के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर हमारे पार्टनर नेटवर्क को मजबूत बनाने में भी मददगार होगी। थेल्स समूह ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, हम इस भागीदारी पर अदाणी समूह को बधाई देते हैं। हम मिलकर भारत के रक्षा क्षेत्र के विकास और सफलता में योगदान देना चाहते हैं। हम भारत में अदाणी समूह के साथ भागीदारी की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। हम भारत में थेल्स के 70 एमएम रॉकेट के विनिर्माण में साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं। थेल्स समूह ने कहा कि भारत के बढ़ते रक्षा उद्योग के लिए 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को जारी समर्थन में यह भागीदारी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस स्वदेशी रक्षा उत्पादों के डिजाइन, विकास एवं विनिर्माण की एक अग्रणी कंपनी है। कंपनी ने इसी महीने संयुक्त अरब अमीरात के एज समूह के साथ एक महत्वपूर्ण करार किया है जो अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और रक्षा क्षेत्र की एक प्रमुख वैश्विक कंपनी है। इस करार के तहत विश्व स्तरीय प्लेटफॉर्म का निर्माण किया जाना है जिससे दोनों कंपनियों की रक्षा और एयरोस्पेस क्षमता में वृद्धि होगी, वे अपने संबंधित उत्पादों के पोर्टफोलियो को एक साथ लाएंगे, और वैश्विक तथा स्थानीय ग्राहकों की जरूरतें पूरी करेंगे।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन..	04-46 बजे
चंद्र-	मीन में	कर्क....	06-58 बजे
मंगल	मेष में	सिंह....	09-10 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या..	11-16 बजे
गुरु-	वृष में	तुला.....	13-22 बजे
शुक्र-	मिथुन में	वृश्चिक..	15-32 बजे
शनि-	कुंभ में	धनु.....	17-45 बजे
राहु-	मीन में	मकर..	19-52 बजे
केतु-	कन्या में	कुंभ....	21-42 बजे
		मीन...	23-20 बजे
		मेष....	00-56 बजे
		वृष....	02-41 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-48 सूर्यास्त. - 18-50
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी 12-19 तक उपरान्त दशमी
मास - आषाढ़ कृष्ण, रविवार 30 June
नक्षत्र - रेवती 07-34 तक उपरान्त अश्विनी
योग - अतिगण्ड 16-14 तक उप सुकर्मा
करण- गर 12-19 तक उप वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 17:15 से 18:53 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	05:48 - 07:25 अशुभ	शुभ	18:50 - 20:15 शुभ
चंचल	07:25 - 09:03 शुभ	अमृत	20:15 - 21:37 शुभ
लाभ	09:03 - 10:42 शुभ	चंचल	21:37 - 22:58 शुभ
अमृत	10:42 - 12:20 शुभ	रोग	22:58 - 00:20 अशुभ
काल	12:20 - 13:58 अशुभ	काल	00:20 - 01:42 अशुभ
शुभ	13:58 - 15:37 शुभ	लाभ	01:42 - 03:03 शुभ
रोग	15:37 - 17:15 अशुभ	उत्पात	03:03 - 04:25 अशुभ
उत्पात	17:15 - 18:50 अशुभ	शुभ	04:25 - 05:48 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपकी करियर से सम्बंधित योजना बिगड़ रही है। आप एक बात पर अपना दिमाग एकाग्रचित नहीं कर पा रहे है । आप सोच सोच कर समय को बर्बाद कर रहे हैं। आप किसी भी अनुभवी पेशेवर या एक कैरियर सलाहकार से सलाह ले सकते हैं। एक कैरियर सलाहकार के मार्गदर्शन से आप को एक मार्ग मिल सकता है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
कुछ समय से आपके व्यय बढ रहे थे पर आज से आप इन सब में एक खुशनुमा बदलाव देखेंगे । आखिरकार आपका भाग्य आपका साथ देगा और आपके खर्चे काफी हद तक नियंत्रण में आयेंगे और माहौल बदलता हुआ सा नजर आएगा जिससे आपकी आमदनी बढेगी पर आपको अत्यधिक सावधानी से आगे बढ़ना है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज का दिन काम और कार्य क्षेत्र के हिसाब से काफी हद तक शांत रहेगा । आज का दिन घटनाओं रहित रहेगा जिससे की आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम में से थोड़ी राहत मिलेगी जिसके तलाश आपको काफी समय से थी । इस समय की आप सराहना करे और इसे मनोरंजन में बिताये और उन खुशनुमा पलो को भी याद करे जो अपने अपने कार्य क्षेत्र में महसूस किये है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपकी कड़ी मेहनत और धैर्य की लंबी प्रतिबद्धता का फल आपको मिलने जा रहा है और एक बड़ा अवसर आपके करियर को आगे ले जाने के लिए आपको मिल सकता है । अंतः आपको अपनी प्रतिबद्धताओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा , हालांकि अन्य लोगों के योगदान को याद करे और न भूले और उनके साथ सदा विनम्र रहे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप अच्छे स्वभाव के व्यक्ति हैं और सामाजिक कार्यों में भी भाग लेते रहे है । आज आपके इन गुणों की बहुत सराहना की जाएगी और उनके लिए पुरस्कार भी दिया जाएगा । आपको अपने आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए अदभुत सलाह भी मिल सकती है और आप वो सब पा सकते है जो अपने बलबूते पर पाना इतना आसान नहीं था ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)
आपके वित्तीय संसाधनो का विस्तार होगा जिसका लाभ लेने के लिए आप पूरी तरह तैयार है । आप आज अपने घर , व्यवसाय या वाहन के लिए भी ऋण के लिए आवदेन कर सकते है जो की आराम से मंजूर हो जायेगा । जिन विद्यार्थियों ने शिक्षा ऋण के लिए आवदेन किआ हुआ है उन्हें भी शुभ सन्देश की प्राप्ति होगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अपने सहयोगियों के साथ तालमेल और कदम से कदम बढाकर चलने का ये एक अच्छा समय है। समीक्षा और हताशा का लम्बा समय अब समाप्त होने की और अग्रसर है इसलिए इस खुशी में आप दोस्तों और परिवार और अपने ऊपर कुछ व्यय भी कर सकते है पर कोशिश करे की ये ज्यादा से ज्यादा एक दिन के लिए हो ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन अपने प्रयासों को तेज करने और अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सबसे अच्छा समय है । आप अपनी परियोजना के सफलतापूर्वक अंतः के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए आप कड़ी मेहनत करेंगे । आपका संकल्प और अच्छे प्रयास बर्बाद नहीं होंगे और आप निकट भविष्य में अच्छे फल की उम्मीद कर सकते है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
हालाँकि , आप अच्छी तरह से अपने क्षेत्र में स्थापित हैं पर आज आप अपने काम में बैचैनी महसूस कर सकते हैं । किसी चीज़ को लेकर आप में असंतोष की भावना आज आपको परेशान कर सकती है हालांकि, अभी अपनी नौकरी छोड़ने का कदम बेवकूफी भरा होगा । ये क्षणिक भावनाए हैं जिससे आप गुमराह हो सकते है इसलिए आज किसी भी प्रमुख कैरियर निर्णय लेने से बचें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
दिन की शुरुआत में ही अपने सभी कार्य खत्म करने की कोशिश करे ! आपको दिन के उत्तरार्द्ध में काम करने का मौका नहीं मिलेगा । किसी भी क्रय या विक्रय में सावधानी बरते अन्यथा आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है । आपको अपनी इच्छा शक्ति पर एक मजबूत नियंत्रण करना होगा , ताकि आप अपने खर्च को संतुलित कर पाए ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है । अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा । अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज अपने कार्य से संबंधित कारणों से अपने निवास स्थान में परिवर्तन की सम्भावना है ।आपको पदोन्नत किया जा सकता है और एक अलग क्षेत्र के लिए स्थानांतरित किया जा सकता है या आप कोई दूसरी नौकरी को ग्रहण कर सकते है ।आप एक पेशेवर सलाहकार या अपने किसी करीबी से आज कैरियर से संबंधित सलाह ले सकते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

राधा-रानी विवाद-बरसाना मंदिर में पं. प्रदीप मिश्रा से बदसलूकी

नाक रगड़ने के लिए मजबूर किया, धक्का-मुक्की, किसी और को बताया था राधा का पति

मथुरा, 29 जून (एजेंसियां)। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से बरसाना मंदिर में बदसलूकी की गई। धक्का-मुक्की करते हुए उनके अंगवस्त्र खींचे गए। नाक रगड़ने के लिए मजबूर किया गया। लोग चिल्ला रहे थे कि नाक रगड़वाओ, कान पकड़वाओ...। प्रदीप मिश्रा शनिवार दोपहर बरसाना पहुंचे। उन्होंने राधा-रानी के जन्म और विवाह से जुड़े अपने बयान पर माफी मांगी। मंदिर में उन पर इस बात के लिए दबाव बनाया गया कि नाक रगड़कर माफी मांगी जाए। इस घटनाक्रम के दौरान पंडित मिश्रा असहज दिखे। आखिरकार उन्होंने मंदिर में नाक रगड़कर माफी मांगी। दंडवत प्रणाम किया। इसके बाद मंदिर से बाहर निकले। हाथ जोड़कर ब्रजवासियों का अभिनंदन किया। हालांकि, मंदिर के रिसीवर प्रवीण गोस्वामी ने कहा- बदसलूकी की बात बिल्कुल गलत है। मंदिर में भीड़ थी, वह अचानक आए थे। उन्होंने राधा-रानी से माफी मांगी, यही ब्रजवासी चाह रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैं ब्रजवासियों के प्रेम की वजह से यहां आया हूं। लाडली जी ने खुद ही इशारा कर मुझे यहां बुलाया। मेरी वाणी से किसी को ठेस पहुंची है, तो उसके लिए माफी मांगता हूं।' उन्होंने कहा, 'ब्रजवासियों के चरणों में दंडवत माफी मांगता हूं। मैं लाडली जी और बरसाना सरकार से क्षमा चाहता हूं। सभी से निवेदन है कि किसी के लिए कोई अपशब्द न कहें।

मई में देश के आठ प्रमुख उद्योगों में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, कोयला, सीमेंट, इस्पात और बिजली जैसे आठ प्रमुख उद्योगों ने इस साल मई में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 6.3 प्रतिशत अधिक की वृद्धि दर्ज की है। पिछले साल के मुकाबले इस साल मई में बिजली उत्पादन में 12.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मई में कोयला उत्पादन में भी 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस्पात उत्पादन में भी 7.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस साल मई में प्राकृतिक गैस उत्पादन में भी पिछले साल मई की तुलना में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे देश को परिवहन क्षेत्र और घरेलू रसोई में हरित ईंधन का अधिक उपयोग करने में मदद मिली।

चार साल बाद लौटा कारों पर डिस्काउंट का मौसम

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। अगर आप कार खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो ये आपके पास अच्छा मौका है। करीब 4 साल के बाद कारों पर डिस्काउंट की वापसी हुई है। इस समय गाड़ियों पर एक से बढ़कर एक बंपर डिस्काउंट मिल रहा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के सूत्रों के अनुसार, वर्तमान छूट (पुरानी) स्विफ्ट जैसी हैचबैक पर 15,000 से 20,000 रुपये तक और होंडा सिटी पर 50,000 रुपये से अधिक (नकद छूट, कॉर्पोरेट लॉयल्टी और एक्सचेंज प्रोग्राम सहित) है।

यहां मिल रही बंपर छूट

एफएडीए के अतिरिक्त डेटा से पता चलता है कि कुछ उच्च ऑफ़र हैचबैक और सेडान पर उपलब्ध हैं, जिसमें मारुति सुजुकी ऑल्टो K10 पर 42,000 रुपये (मैनुअल पेट्रोल वेरिएंट पर अधिकतम) तक की छूट मिल रही है। मारुति सुजुकी वैगनआर पर लाभ 25,000 रुपये से 30,000 रुपये के बीच है, और हुंडई ग्रैंड i10 निओस पर 18,000 रुपये से 35,000 रुपये तक है। सेडान के मोर्चे पर, हुंडई ऑरा 23,000 रुपये से 40,000 रुपये के लाभ के साथ आती है - सीएनजी पर सबसे अधिक - जबकि होंडा अमेज़ 40,000 रुपये (एक्सचेंज ऑफ़र और कॉर्पोरेट छूट सहित) से अधिक प्राप्त कर रही है।

इस वजह से मिल रहा डिस्काउंट

डीलरों का कहना है कि इसका मुख्य कारण उनके पास बढ़ती हुई इन्वेंट्री है। एफएडीए के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा, 'जून और जुलाई सुस्त महीने हैं। इसलिए स्वाभाविक रूप से छूट अधिक है, लेकिन यह भी इसलिए है क्योंकि इन्वेंट्री का स्तर 55-60 दिनों का है। पिछले तीन महीनों से इसमें वृद्धि हो रही है। महिंद्रा थार जैसे कुछ मॉडल अभी भी वेटिंग लिस्ट में हैं।

देश में ईवी से 4 गुना ज्यादा बिक रहीं हाइब्रिड-कारें

बीते साल हाइब्रिड की सेल्स ग्रोथ 30% रही, ये इलेक्ट्रिक व्हीकल से दोगुना महंगी

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर के ट्रेंड्स में कुछ बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। देश में लोग इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) से दोगुनी कीमत होने के बावजूद हाइब्रिड कारों पर भरोसा कर रहे हैं। अप्रैल-जून के बीच हाइब्रिड व्हीकल ने ईवी की बिक्री को पीछे छोड़ दिया है। वाहन डैशबोर्ड के डेटा के मुताबिक, देश में अप्रैल से 11 जून के बीच 7500 हर महीने के हिसाब से 15,000 ईवी बिकीं, जबकि हाइब्रिड की बिक्री 59,814 रही। प्योर इलेक्ट्रिक कारें 8 लाख रुपए से शुरू होती हैं। वहीं, हाइब्रिड कारों की कीमत 17 लाख से शुरू है। मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, फरवरी में अमेरिका में भी ईवी बिक्री की तुलना में हाइब्रिड की बिक्री पांच गुना तेजी से बढ़ी है।

हाइब्रिड कार फ्यूल और बैटरी दोनों से चलती है

हाइब्रिड व्हीकल में पेट्रोल या डीजल जैसे इंटरनल कंबशन इंजन (आइस) के साथ ही इलेक्ट्रिक बैटरी भी होती है, जो कार की रेंज और फ्यूल एफिशिएंसी बढ़ाने में मददगार है। दुनिया में पेट्रोल-डीजल चलित वाहनों के अलावा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड, माइल्ड हाइब्रिड, प्लग इन हाइब्रिड और प्योर इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता बढ़ रही है।

नीट पेपर लीक, सात आरोपियों को दिल्ली ले जाएगी सीबीआई

पटना से प्लेन से ले जाने की तैयारी, देर रात हजारीबाग के प्रिंसिपल से हुई पूछताछ

पटना/रांची, 29 जून (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में पकड़े गए 7 आरोपियों को सीबीआई की टीम दिल्ली ले जाने की तैयारी में है। पटना के एलएनजेपी अस्पताल में 3 आरोपियों का मेडिकल कराया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सभी को प्लेन से दिल्ली ले जाया जाएगा। वहीं पटना के सीबीआई दफ्तर में शुक्रवार देर रात तक हजारीबाग ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल से पूछताछ होने की भी खबर है। इस केस में शुक्रवार (28 जून) को झारखंड के हजारीबाग से सीबीआई ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। इसमें ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसान उल हक, वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज और पत्रकार जमालुद्दीन हैं। एजेंसी तीनों को शुक्रवार रात करीब 10 बजे हजारीबाग से पटना लेकर पहुंची थी। इस केस में 27 जून को बिहार के पटना से एजेंसी ने 2 लोगों को अरेस्ट किया था। एहसान उल हक समेत 3 लोगों से सीबीआई ने शुक्रवार को दिनभर पूछताछ की। अब उन्हें स्पॉट पर ले जाकर टीम सबूतों को पुख्ता करेगी। सीबीआई और पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 3 मई को नीट के क्वेश्चन पेपर कूरियर एजेंसी ब्लू डार्ट के हजारीबाग नूतन नगर सेंटर से बैंक ले जाने की बजाय पहले ओएसिस स्कूल लाए गए। इसके बाद यहां से बैंक भेजे गए। संदेह है कि क्वेश्चन पेपर का पैकेट स्कूल में ही खोला गया था। एक अन्य जानकारी यूजीसी नेट से भी जुड़ी है, जो इसी स्कूल (ओएसिस) की है। यूजीसी नेट परीक्षा भी इसी सेंटर पर हुई थी। इसी स्कूल से नेट के प्रश्नपत्र लीक होने का शक भी है। आज टीम ने स्कूल के वाइस प्रिंसिपल सह सेंटर सुपरिंटेंडेंट इम्तियाज आलम का एक मोबाइल और लैपटॉप जब्त किया है। एजेंसी को शक है कि ओएसिस स्कूल से ही पेपर लीक किया गया है। पटना में शुक्रवार को ही सीबीआई आरोपी चिंटू और मुकेश को साथ लेकर उनके दोस्त रॉकी के घर पहुंची। बताया जा रहा है कि पटना के कंकड़बाग में रॉकी के घर से कई सबूत हाथ लगे हैं। चिंटू की देवघर में गिरफ्तारी के बाद रॉकी फरार हो गया था। सीबीआई ने चिंटू, मुकेश, आशुतोष और मनीष कुमार के मोबाइल की जांच की। पता चला कि ये सभी आरोपी पिछले 6 महीने से आपस में संपर्क में थे। हर आरोपी को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई थी। इससे पहले नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने गुरुवार को 2 आरोपी मनीष प्रकाश और आशुतोष को पटना से गिरफ्तार किया था। दोनों ने ही पटना के प्ले एंड लर्न स्कूल को रातभर के लिए बुक कराया था केंद्रीय जांच एजेंसी पिछले 3 दिन से 11 लोगों से पूछताछ कर रही है। सीबीआई ने बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) से 26 जून को यह केस अपने हाथ में लिया था। अब तक 5 राज्यों में पुलिस ने 27 से ज्यादा गिरफ्तारियां की हैं।

इन 3 सवालों में उलझे स्कूल प्रिंसिपल

पहला सवाल: ईओयू की टीम ने जांच में पेपर के पैकेट में टेंपरिंग देखी थी। इसे ईओयू की टीम ने पकड़ा। इसकी पड़ताल की जिम्मेदारी आपकी थी। आपसे यह चूक कैसे हो सकती है? ऐसा तो नहीं कि टेंपरिंग की जानकारी आपको पहले से थी? क्योंकि प्रश्नपत्र के पैकेट में बॉटम को पेशेवर तरीके से खोलकर फिर बंद कर दिया गया था।

दूसरा सवाल: पैकेट के बॉटम में कट मार्क्स हैं। इस सवाल पर भी प्रिंसिपल फंस गए कि यह कट मार्क्स आप ही के स्कूल के पैकेट में पाया गया और आप खुद एनटीए के सिटी कोऑर्डिनेटर हैं। इसके बावजूद यह चूक नहीं हो सकती।

तीसरा सवाल: जब 1:30 बजे एग्जाम हॉल में प्रश्नपत्र पहुंच जाना था तो 15 मिनट देर से छात्रों को कैसे और क्यों मिला?

6 राज्यों में चल रही सीबीआई की जांच

सीबीआई 6 राज्य बिहार, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और यूपी में पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरोपियों के आपस में संबंधों की पड़ताल कर रही है, ताकि मास्टरमाइंड का पता चल सके। सीबीआई को शक है कि लीक मामले में विभिन्न राज्यों में गिरफ्तार आरोपी केवल कॉन्ट्रैक्टर हैं, असली अपराधी कोई और है। राज्यों में कॉन्ट्रैक्टर के माध्यम से पेपर स्टूडेंट्स तक पहुंचा था। लीक से जुड़े पुराने अपराधियों से भी पूछताछ होगी। वह पुराने आरोपियों के रिकॉर्ड को निकाल रही है।

नक्सल इलाकों में रेल कनेक्टिविटी बढ़ाएगी छत्तीसगढ़ सरकार

सीएम साय ने सुरक्षाबल प्रमुखों के साथ की मीटिंग, सड़क, अस्पताल, स्कूलों पर भी फोकस

रायपुर, 29 जून (एजेंसियां)। प्रदेश की सरकार, छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद खत्म करने के लिए एक्शन प्लान बना रही है। इसे लेकर शुक्रवार को सीएम विष्णु देव साय ने एक अहम बैठक (यूनिफाइड कमांड मीटिंग) ली। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास को लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं। लोग भी विकास की मुख्यधारा से जुड़ना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि नियद नेल्लानार योजना के जरिए सरकार का फोकस विकास कार्यों पर है। उन क्षेत्रों में रोड कनेक्टिविटी, रेल कनेक्टिविटी, दूरसंचार के क्षेत्र में तेजी से काम हो, किसी भी काम के लिए संसाधन की कमी न हो ये तय किया गया है। इस बैठक में सरकार के लगभग सभी विभाग के सचिव, मुख्य सचिव, गृहमंत्री शामिल हुए। आईटीबीपी, बीएसएफ, सीआरपीएफ जैसी फोर्सेस के छत्तीसगढ़ चीफ और स्टेट पुलिस के चीफ की हैसियत से डीजीपी शामिल हुए। फोर्स और सरकारी विभाग मिलकर नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सड़क, रेल, अस्पताल और स्कूल का काम करेंगे। सभी को मिलाकर इसे यूनिफाइड कमांड कहा जाता है। साल में एक बार ये बैठक होती है। इसमें फोर्स और प्रशासनिक टीम के को-ऑर्डिनेशन के साथ काम को लेकर बात की जाती है। यूनिफाइड कमांड बैठक में सबसे ज्यादा चर्चा रही नियद नेल्लानार योजना की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि यह योजना पुलिस कैंप से लगे 5 किलोमीटर क्षेत्र तक के गांव में लागू होगी। नियद नेल्लानार योजना का मतलब आपका अच्छा गांव है। इस योजना के तहत बस्तर के आदिवासियों को कई मूलभूत सुविधाओं से जोड़ा जाएगा। नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने की वजह से कई सुविधाएं अब तक आदिवासी क्षेत्रों में नहीं पहुंची है। वह बुनियादी सुविधाएं बस्तर के गांव-गांव तक पहुंचाई जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़क-पुल जैसे काम तय समय में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इन क्षेत्रों में चल रहे निर्माण कार्यों को जल्द पूरा करने के लिए फोर्स के जवानों को जरूरी सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए।

अंतरराज्यीय शराब तस्कर गिरफ्तार

भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब जब्त, आबकारी विभाग ने की कार्रवाई

कोरबा, 29 जून (एजेंसियां)। कोरबा में शराब तस्करों के खिलाफ आबकारी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है,जिनके पास से 2 लाख 68 हजार रुपए कीमती 912 पाव अंग्रेजी शराब की जप्ती बनाई है। आबकारी विभाग ने यह कार्रवाई कटघोरा-अंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग में की है जहां कोरिया और एमसीबी जिले के शराब तस्कर बोलेरो वाहन में शराब की तस्करी कर रहे थे। अंग्रेजी शराब की अवैध रुप से ब्रिकी करने वालों के खिलाफ कोरबा की आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है,जिनके पास से उंचे ब्रांड की 912 पाव अंग्रेजी शराब की जप्ती बनाई गई है। पकड़े गए दोनों आरोपियों के नाम नवीन तिवारी और मनोज खटिक है,जो एमसीबी और कोरिया जिले के निवासी है। मुखबीर के माध्यम से आबकारी विभाग को शराब तस्करी की सूचना मिली थी, जिसके आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने घेराबंदी कर एमपी पासिंग की बोलेरो वाहन को पकड़ लिया,जिससे भारी मात्रा में शराब को जप्त किया गया। आबकारी अधिकारी सौरभ बख्शी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि पड़ोसी जिले से अवैध रूप से शराब का परिवहन किया जा रहा है जहां सुबह 3:30 बजे की करवाई है दो आरोपी पकड़ में आए हैं नवीन तिवारी अनूपपुर निवासी मनोज खटीक महेंद्रगढ़ कोरिया दो आरोपी पकड़ में आया है जिनके कब्जे से वाहन क्रमांक एमपी 65 जेड बी 4549 बोलेरे वाहन को पकड़ा गया जिनके कब्जे से मैकडॉवेल' नंबर वन पांच पेटी 148 सिग्नेचर 6 पेटी, ब्लेंडर प्राइड 3 पेटी, रॉयल स्टैग 5 पेटी घटना स्थल कटघोरा नेशनल हाईवे अंबिकापुर मुख्य मार्ग पर पकड़ा गया है।

पुलिस कॉन्स्टेबल को जड़ा थप्पड़

घायल को अस्पताल ले जा रहा था युवक आरक्षक ने रोककर दबंगई दिखाई, केस दर्ज

बिलासपुर, 29 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक युवक ने कॉन्स्टेबल को थप्पड़ मार दिया, फिर झूमाझटकी करते हुए मारपीट की। पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें युवक कॉन्स्टेबल को थप्पड़ मारने के बाद धक्कामुक्की करता दिख रहा है। विवाद घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने से जुड़ा है।

दरअसल, युवक सड़क हादसे में घायल एक व्यक्ति को अस्पताल लेकर जा रहा था। तभी 112 पर तैनात के आरक्षक ने उसे रोक लिया। पुलिसकर्मी ने दबंगई दिखाते हुए पहले युवक से मारपीट की। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है। घटना 2 दिन पहले की बताई जा रही है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने मारपीट करने वाले युवक इतवार सिंह पैकरा के खिलाफ शासकीय कर्मचारी से मारपीट और सरकारी काम में बाधा डालने का केस दर्ज किया है। दबंगई दिखाने वाले आरक्षक के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। दरअसल, रतनपुर क्षेत्र के चपोरा के पास दो दिन पहले एक्सीडेंट हो गया था, जिसमें बाइक सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। इतवार सिंह पैकरा मानवता दिखाते हुए घायल को अस्पताल जा रहा था। इससे पहले स्थानीय लोगों ने इस हादसे की जानकारी डायल 112 को दी थी, लेकिन पुलिस वहां नहीं पहुंची। इसके कारण इतवार सिंह उसे अस्पताल लेकर जाने के लिए निकला था। इस दौरान डायल 112 में पदस्थ आरक्षक महेंद्र राजवाड़े मौके पर पहुंचा। इसके बाद उसने इतवार सिंह पैकरा को अस्पताल जाने से रोक लिया। इतवार सिंह घायल को जल्द अस्पताल पहुंचाने की बात कहने लगा। इस पर आरक्षक महेंद्र राजवाड़े दबंगई दिखाने लगा।उसके इस बर्ताव से तंग इतवार ने तैश में आकर उसे थप्पड़ जड़ दिया। जिसके बाद दोनों के बीच झूमाझटकी होने लगी।

इस दौरान वहां मौजूद युवक ने आरक्षक और युवक के बीच हुई मारपीट का वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल होने पर आरक्षक ने घटना की शिकायत रतनपुर थाने में कर दी। जिस पर पुलिस ने जांच के बिना ही आरक्षक की पिटाई करने वाले युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

चार मिनट में लूटे 1.40 करोड़ के जेवर

ज्वेलरी शॉप के मालिक को मारी गोली, सीसीटीवी में वारदात कैद, 7 पुलिस अधिकारी सस्पेंड

रांची, 29 जून (एजेंसियां)। रांची के बिरसा चौक स्थित डीपी ज्वेलर्स में अपराधियों ने गन पॉइंट पर लूट की बड़ी घटना को अंजाम दिया है। हेलमेट पहने 4 अपराधियों ने महज चार मिनट में 1.40 करोड़ के जेवर और 2.50 लाख कैश लूट लिए। इसके बाद पैदल ही शॉप से निकल कर एयरपोर्ट रोड की ओर भाग निकले।

लूटकांड का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। लूटपाट के दौरान बदमाशों ने फायरिंग भी की। गोली दुकान संचालक रामनाथ वर्मा के पेट और उनके बेटे ओम वर्मा के हाथ में गोली लगी है। दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद सात पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। 4.56 मिनट के सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि हेलमेट पहने तीन अपराधी दुकान में घुसते हैं। इसमें गुलाबी रंग की शर्ट पहने अपराधी ने हथियार का भय दिखाकर दुकानदार को कब्जे में ले लिया। वहीं, काली चेक शर्ट पहना अपराधी काउंटर फांद कर चला आता है। इसी बीच एक सफेद गमछा लपेटे अपराधी लॉकर रूम की ओर चला जाता है। लूटपाट के दौरान अपराधी दुकानदार से गन पॉइंट पर काउंटर के लॉकर खोलने कहता है। इसी बीच दुकान के अन्य स्टाफ को कब्जे में लेते हैं। इसके बाद अपराधी एक-एक कर काउंटर के लॉकर से जेवरात निकालते हैं और बैग में भर कर निकल जाते हैं। लूट की इस घटना के बाद रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने सात पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है।

एनआईए की छापेमारी दो आरोपी गिरफ्तार

नक्सलियों को हथियार सप्लाई मामले में 6 से ज्यादा ठिकानों पर रेड, मोबाइल-प्रिंटर-कैश समेत कई दस्तावेज जब्त

कांकेर, 29 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने देर रात 6 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की है। इन ठिकानों से एनआईए ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से मोबाइल, प्रिंटर और कैश बरामद किया है। एनआईए ने नक्सलियों को हथियारों की सप्लाई के मामले में छापेमारी की है। जानकारी के मुताबिक, एनआईए ने शुक्रवार रात नक्सलियों की गिरफ्तारी और हथियार सप्लाई से जुड़े मामले में नक्सल प्रभावित इलाकों में छापेमारी की। कांकेर जिले के घोर नक्सल प्रभावित इलाके मुजालगोंडी, कलमुच्चे, आमाबेड़ा और जिवालामारी में तलाश रेड की कार्रवाई की गई। बताया जा रहा है कि इस दौरान एनआईए की टीम ने कई मोबाइल फोन, एक प्रिंटर समेत 39,100 रुपए कैश के साथ कई आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि इस रेड से नक्सलियों को हथियार सप्लाई के कई नेटवर्क और इससे संबंधित लोगों के नाम सामने आ सकते हैं।

कांकेर पुलिस ने 5 फरवरी 2024 को नक्सलियों को हथियार सप्लाई मामले में अपराध दर्ज किया था। इसकी जांच 22 फरवरी 2024 को एनआईए ने अपने हाथ में ली थी। जांच के दौरान कांकेर में कई जगह दबिश देने के बाद दो लोगों की गिरफ्तारी की गई है। अभी और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। इससे पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भाजपा नेता रतन दुबे की हत्या के मामले में छापेमारी की थी। नक्सलियों के संगठन से जुड़े संदिग्ध सदस्यों को पकड़ने के सिलसिले में कई जगहों पर छापेमारी की थी।

कार्यपालन अभियंता पर गिरी गाज

जल जीवन मिशन के काम में लापरवाही बरतने पर कार्रवाई

बलरामपुर रामानुजगंज, 29 जून (एजेंसियां)। बलरामपुर रामानुजगंज जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 636 गांव में 1 लाख 97 हजार 552 स्टैंड पोस्ट शुद्ध जल पहुंचना था। जिसमें लक्ष्य के विरुद्ध 1लाख 32 हजार 856 स्टैंड पोस्ट का निर्माण किया जा चुका है। जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 1500 करोड रुपए खर्च हो रहे हैं परंतु यह राशि भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ते दिख रही है कार्य एक अत्यंत मंथर गति से हो रहे हैं वही जल जीवन मिशन का जहां कार्य पूर्ण हो चुका वहां शत प्रतिशत का लाभ हितग्राहियों को नहीं मिल पा रहा है। जल जीवन मिशन के कार्य में प्रभारी कार्यकाल अभियंता की लापरवाही के चलते अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर हटा दिया गया। गौरतलब है कि रामानुजगंज जिले के विकासखंड बलरामपुर के 123 ग्राम में 35 हजार 73, स्टैंड पोस्ट, विकासखंड कुसमी के 105 गांव में 27 हजार 485 स्टैंड पोस्ट, राजपुर विकासखंड के 87 ग्रामों में 24 हजार 953 स्टैंड पोस्ट, रामचंद्रपुर विकासखंड की 113 गांव में 47 हजार 235 स्टैंड पोस्ट, शंकरगढ़ विकासखंड के 79 गांव में 20 हजार 824 स्टैंड पोस्ट, वाड्रफनगर विकासखंड के 119 गांव में 41हजार 982 स्टैंड पोस्ट का निर्माण किया जाना है। कहीं भी लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत कार्य पूर्ण नहीं हुआ है। सबसे अधिक 71.97% कार्य राजपुर विकासखंड में पूर्ण हुआ है वहीं सबसे काम प्रगति रामचंद्रपुर विकासखंड की है जहां मात्र 61.43% कर ही पूर्ण हुआ है। जिला मुख्यालय के विकासखंड में भी कार्य की अपेक्षा अनुरूप प्रगति नहीं हुई है यहां भी 64.800% कर ही पूर्ण हुआ है जिले से दूरस्थ विकासखंड कुसमी में 69.97% कार्य पूर्ण हुआ है। पूरे जिले के सभी विकास करो को मिलाकर 67.5% की कार्य अब तक पूर्ण हो सका है। जिले में जल जीवन मिशन के कार्य में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर पक्ष विपक्ष दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के जिला पंचायत सदस्य मुखर हो चुके हैं यहां तक की जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में कई बार भ्रष्टाचार का मुद्दा प्रमुखता से उठा परंतु कार्य में सुधार नहीं हो सका जिसे लेकर जिला पंचायत के सदस्यों में नाराजगी भी देखी गई।

बलरामपुर रामानुजगंज जिले के तात्कालिक कलेक्टर श्याम धावडे, कुंदन कुमार, विजय दयाराम के वहीं वर्तमान कलेक्टर आर एक्का ने भी कई बार जल जीवन मिशन कार्य में अपेक्षित प्रगति एवं कार्य के गुणवत्ता को लेकर नाराजगी व्यक्त की परंतु इसके बाद भी जल जीवन मिशन के कार्य में प्रगति नहीं आई एवं कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं हो रहे हैं।

सरगुजा कमिश्नर भी बलरामपुर रामानुजगंज जिले के दौरान जल जीवन मिशन के कार्य को देखकर नारजगी व्यक्त कर चुके हैं।

साजिशों के खेल का हुआ अंत, आ गया अपना हेमंत

पूर्व सीएम की रिहाई के बाद रांची में लगे पोस्टर

रांची, 29 जून (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद शुक्रवार को जेल से रिहा हो गए। हेमंत सोरेने की रिहाई के बाद राजधानी रांची में जगह-जगह हेमंत सोरेन के समर्थन में पोस्टर दिखाई दिए। ऐसे ही एक पोस्टर पर हेमंत सोरेन की तस्वीर के साथ लिखा है 'साजिशों के खेल का हुआ अंत, आ गया अपना हेमंत'। हेमंत सोरेन की रिहाई झामुमो सांसद महुआ माझी ने कहा 'झारखंड में हेमंत सोरेन काफी लोकप्रिय हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान उनकी अनुपस्थिति के बावजूद लोगों ने हमें समर्थन दिया। उनकी जेल से रिहाई को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। भाजपा ने लोकप्रिय नेता हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कराकर वोट पाने की साजिश रची थी, लेकिन वह असफल हो गई।' झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को 148 दिन बाद जेल से बाहर आए। हाईकोर्ट के जस्टिस रोंगन मुखोपाध्याय की सिंगल बेंच ने जमीन पर कब्जे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोरेन को जमानत दे दी। हाईकोर्ट ने कहा कि तथ्यों से ऐसा लगता है कि ईडी के सोरेन पर लगे सभी आरोप आधारहीन हैं। हाईकोर्ट ने दलीलें सुनने के बाद 13 जून को मामला सुरक्षित रख लिया था। शुक्रवार को दिए गए फैसले में हेमंत सोरेन को बड़ी राहत मिली। जेल से बाहर आने के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि उन्हें झूठे आरोपों में फंसाया गया।

राजमहल विधानसभा क्षेत्र के 73 बूथों पर 50 से 100% तक बढ़े वोटर : अनंत

रांची, 29 जून (एजेंसियां)। भाजपा विधायक अनंत ओझा ने दावा किया है कि राजमहल विधानसभा क्षेत्र के 73 बूथों पर 50 से 100 प्रतिशत तक वोटर बढ़े हैं। विधायक ने शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार को ज्ञापन सौंप कर इसकी उच्च स्तरीय जांच कराने, मतदाता सूची में संशोधन करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्ष 2019 की तुलना में वर्ष 2024 में वोटरों की संख्या में यह अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। यह वृद्धि पश्चिम बंगाल की सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिक हुई है।

जेल से निकलने के बाद हेमंत का हमला

कहा- मेरे खिलाफ रची गई साजिश, बीजेपी बोली- अभी सिर्फ जमानत मिली

रांची, 29 जून (एजेंसियां)। झारखंड में कथित जमीन घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में जेल में बंद झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत मिल गई है। वहीं हेमंत सोरेन ने दावा किया कि उन्हें धनशोधन मामले में गलत तरीके से फंसाया गया और उन्हें करीब पांच महीने जेल में बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि वो इस बात से चिंतित हैं कि देश में किस तरह से राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों की आवाज दबाई जा रही है। वहीं जेल से हेमंत सोरेन की रिहाई के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री और जेएमएम गठबंधन के कई नेताओं ने रांची में हेमंत सोरेन के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की।

बिरसा मुंडा जेल से रिहा होने के बाद हेमंत सोरेन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, कि मुझे गलत तरीके से फंसाया गया। मेरे खिलाफ साजिश रची गई और मुझे पांच महीने जेल में बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा। वहीं हेमंत सोरेन ने आगे कहा, मैं न्यायपालिका का सम्मान करता हूं। न्यायालय ने अपना आदेश सुनाया और मैं जमानत पर बाहर हूं। लेकिन न्यायिक प्रक्रिया लंबी है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को दबाया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने कहा, मैंने जो काम शुरू किया है, जो युद्ध मैंने छेड़ा है, उसे पूरा करूंगा।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत दिए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि झामुमो नेता को राजनीतिक द्वेष के चलते गिरफ्तार किया गया था।

कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर ने गढ़ी अपनी किडनैपिंग स्टोरी

बॉयफ्रेंड के साथ मर्जी से भागी थी, फिरौती के लिए भाई को कराया कॉल

सक्ती, 29 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में शुक्रवार को सीएचओ (कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर) के अपहरण की खबर आई जिसे पुलिस ने चंद घंटे में ही सुलझा लिया। दरअसल युवती अपने बॉयफ्रेंड के साथ मर्जी से भागी थी। इसके बाद उसने किडनैपिंग की झूठी साजिश रची और घर में फिरौती मांगने के लिए भी कॉल करवाया।

दरअसल, युवती के भाई कुलेश्वर जलतारे ने पुलिस से शिकायत की थी कि, वो अपनी बहन के साथ सक्ती आया था। इस दौरान उसकी बहन अनुपमा फल लेने के लिए रुकी हुई थी। इस दौरान कुछ युवक आए और उसे अगवा कर ले गए। थोड़ी देर के बाद किडनैपर्स ने भाई को फोन भी किया।

किडनैपर ने कॉल कर 15 लाख रुपए फिरौती मांगी। साथ ही धमकी दी कि अगर पैसे नहीं मिले तो उसके टुकड़े कर फेंक देंगे। जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर क्षेत्र के चारों ओर घेराबंदी कर किडनैपर्स की तलाश करने लगी। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए।

सीएचओ के भाई का किडनैपर्स के साथ बातचीत का एक ऑडियो भी वायरल हो रहा है। जिसमें किडनैपर्स महिला को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने चारों ओर घेराबंदी कर अपहरणकर्ताओं की तलाश शुरू की।

युवती के कॉल डिटेल और मोबाइल लोकेशन की भी जांच की गई। जांच में युवती अनुपमा की लोकेशन बिलासपुर में मिली। इसके बाद पुलिस टीम जब बिलासपुर पहुंची तो वह अपने प्रेमी के साथ मिली। फिलहाल युवती को सकुशल बरामद कर लिया गया है।

फिरौती की मांग के समय बिलासपुर आईजी डॉ. संजीव शुक्ला ने बताया था कि सक्ती में अपहरण की एक शिकायत मिली है, जिसके आधार पर जांच की जा रही है।

लेकिन जिस जगह पर अपहरण की बात कही जा रही है, वहां से अपहरण की पुष्टि नहीं हो रही है।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने की भारत के पंचशील की तारीफ

नेहरू के गुट निरपेक्ष आंदोलन को भी किया याद

बीजिंग, 29 जून (एजेंसियां)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वर्तमान समय के संघर्षों के अंत के लिए पंचशील के सिद्धांतों की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए पश्चिमी देशों के साथ चीन के संघर्षों के बीच 'ग्लोबल साउथ' में अपने देश का प्रभाव बढ़ाने पर जोर दिया। शी ने पंचशील के सिद्धांतों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर यहां एक सम्मेलन में यह टिप्पणियां कीं। विदेश मंत्रालय के अनुसार पंचशील के सिद्धांतों को पहली बार औपचारिक रूप से 29 अप्रैल, 1954 को तिब्बत क्षेत्र के बीच व्यापार व संबंध को लेकर चीन और भारत के बीच हुए समझौते में शामिल किया गया था। चीन में इसे शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांत जबकि भारत में पंचशील का सिद्धांत कहा जाता है।

तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एनलाई जब सीमा मुद्दे का समाधान खोजने में विफल रहे थे तब उन्होंने पंचशील के सिद्धांतों पर सहमति जताई थी। शी जिनपिंग ने कहा, 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों ने समय की मांग को पूरा किया और इनकी शुरुआत एक अपरिहार्य ऐतिहासिक घटनाक्रम था। अतीत में चीनी नेतृत्व ने पहली बार पांच सिद्धांतों यानी 'एक-दूसरे की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान', 'गैर-आक्रामकता', 'एक दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना', 'समानता और पारस्परिक लाभ', तथा 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व' को संपूर्णता के साथ निर्दिष्ट किया था।'

श्रीलंका भी हुआ सम्मेलन में शामिल

शी ने सम्मेलन में कहा, 'उन्होंने चीन-भारत और चीन-म्यामांर संयुक्त वक्तव्यों में पांच सिद्धांतों को शामिल किया था। इन वक्तव्यों में पांच सिद्धांतों को द्विपक्षीय संबंधों के लिए बुनियादी मानदंड बनाने का आह्वान किया गया था।' इस सम्मेलन में श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे समेत चीन के करीबी देशों के नेता और अधिकारी शरीक हुए। शी ने अपने संबोधन में कहा कि शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के पांच सिद्धांतों की शुरुआत एशिया में हुई, लेकिन जल्द ही ये विश्व मंच पर छा गए। उन्होंने कहा कि पंचशील सिद्धांत आज अंतरराष्ट्रीय समुदाय की समान संपत्ति बन चुके हैं।

गुटनिरपेक्ष आंदोलन को भी किया याद

उन्होंने कहा कि 1955 में बांडुंग सम्मेलन में 20 से अधिक एशियाई और अफ्रीकी देशों ने भाग लिया था। उन्होंने कहा कि 1960 के दशक में उभरे गुटनिरपेक्ष आंदोलन ने भी इन सिद्धांतों को मार्गदर्शक सिद्धांत के तौर पर अपनाया। अमेरिका और यूरोपीय संघ से बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का सामना करते हुए हाल के वर्षों में एशियाई, अफ्रीकी और लातिन अमेरिकी देशों में अपना प्रभाव बढ़ाने की जुगत में लगे चीन का भारत और अन्य विकासशील देशों के साथ संघर्ष हुआ है। इन देशों को मोटे तौर पर 'ग्लोबल साउथ' कहा जाता है। शी ने कहा कि चीन ग्लोबल साउथ-साउथ सहयोग को बेहतर ढंग से समर्थन देने के लिए ग्लोबल साउथ अनुसंधान केंद्र की स्थापना करेगा।

पाकिस्तान ने सैन्य अभियान के लिए यूएस से मांगे छोटे हथियार

कहा- क्षेत्रीय सुरक्षा बेहद जरूरी

वॉशिंगटन/इस्लामाबाद, 29 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के राजदूत मसूद खान ने अमेरिका से आग्रह किया कि वह इस्लामाबाद में आतंकवाद के खिलाफ शुरू किए गए अभियान 'अज्म-ए-इस्तेकाम' की सफलता सुनिश्चित करने के लिए छोटे हथियार और आधुनिक उपकरण मुहैया कराए। शहबाज शरीफ सरकार ने हाल ही में इस सैन्य अभियान को मंजूरी दी है। 'डॉन' अखबार ने राजदूत खान के हवाले से कहा, पाकिस्तान ने आतंकवादियों के नेटवर्क को खत्म करने के लिए अज्म-ए-इस्तेकाम अभियान शुरू किया है। इसके लिए हमें छोटे हथियारों और आधुनिक संचार उपकरणों की जरूरत है। मसूद खान ने इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका के विल्सन सेंटर में अमेरिकी नीति-निर्माताओं, विद्वानों, थिंक टैंक और कॉरपोरेट नेताओं को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। खान ने बताया कि 'अज्म-ए-इस्तेकाम' अभियान में तीन महत्वपूर्ण चरण शामिल हैं- सैद्धांतिक, सामाजिक और परिचालन।

अभी और दिन अंतरिक्ष में ही बिताएंगी सुनीता विलियम्स

नासा मिशन की अवधि 90 दिन करने पर कर रहा विचार

वाशिंगटन, 29 जून (एजेंसियां)। नासा के दो अंतरिक्ष यात्री को लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहना पड़ सकता है, क्योंकि नासा इस मिशन की समय सीमा बढ़ाने पर विचार कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नासा के वाणिज्यिक चालक दल कार्यक्रम प्रबंधक स्टीव स्टिच ने बताया कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी स्टारलाइनर के मिशन की अवधि 45 दिनों से बढ़ाकर 90 दिन पर विचार किया जा रहा है।

भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बुच विलमोर अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में फंसे हैं। बोइंग का सीएसटी-100 स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट 15 दिन से अंतरिक्ष में अटका है। दोनों 5 जून को स्टारलाइनर के साथ परीक्षण उड़ान के लिए अंतरिक्ष स्टेशन तक गए थे। तय कार्यक्रम के मुताबिक उन्हें स्टारलाइनर के साथ 13 जून को धरती पर लौटना था लेकिन विमान में गड़गड़ी के कारण उनकी वापसी नहीं हो पाई है। नासा के अधिकारियों ने कई बार यह संकेत दिया कि स्टारलाइनर, जो कि जून में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की ओर गया था, उसने हीलियम लीक और थ्रस्टर आउटेज की समस्याओं का सामना किया था। यह दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को घर लाने के लिए सुरक्षित होगा। शुक्रवार को नासा के अधिकारियों ने कहा कि हम केवल न्यू मैक्सिको के परीक्षण निष्पादित करने की समयसीमा देख रहे हैं, और फिर डाटा की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि नासा न्यू मैक्सिको में आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। हम यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि स्टारलाइनर के कुछ थ्रस्टर्स अपनी यात्रा के पहले चरण के दौरान अप्रत्याशित रूप से विफल क्यों हुए? बोइंग के लिए वाणिज्यिक चालक दल कार्यक्रम के उपाध्यक्ष और कार्यक्रम प्रबंधक स्टिच और मार्क नैपी ने कहा कि इंजीनियर अभी भी स्टारलाइनर की समस्यों के पीछे के कारण के बारे में निश्चित नहीं हैं। नैपी ने कहा कि उद्देश्य का एक हिस्सा वाहन के अंतरिक्ष में रहते हुए ग्राउंड टेस्ट आयोजित करना है।

अपनी पॉटी इकट्ठा करो और सुखा कर दो

उत्तर कोरिया के तानाशाह ने लोगों को 10 किलो मल बटोरने का दिया आदेश

प्योंगयांग, 29 जून (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया दुनिया को अपनी ऐसी तस्वीर दिखाता है, जिससे लगता है कि यहां हर तरफ खुशहाली ही खुशहाली है। हाल ही में जब रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने उत्तर कोरिया का दौरा किया था तब उनका भव्य स्वागत हुआ था। उनके स्वागत की तस्वीरों को देख कर ऐसा लगता है, जैसे उत्तर कोरिया में सबकुछ परफेक्ट है। लेकिन उत्तर कोरिया एक बड़े खाद संकट से जूझ रहा है। इस कारण फसलों को बड़ा नुकसान हो सकता है। इस बीच उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन ने खाद संकट दूर करने के लिए एक अजीबोगरीब आदेश दिया है।

किम जोंग ने उत्तर कोरियाई लोगों को अपना मल इकट्ठा करने को कहा है, ताकि फसलों के लिए खाद की कमी पूरा की जा सके। तानाशाह चाहता है कि हर नागरिक 10 किलोग्राम मल इकट्ठा करके करीबी खाद की फैक्टरी को दे। किम जोंग का यह आदेश तब आया है, जब कुछ दिनों पहले उत्तर कोरिया की ओर से मल से भरे गुब्बारे दक्षिण कोरिया में भेजे जा रहे थे। उत्तर कोरिया के लोग तानाशाह के इस आदेश से परेशान है। क्योंकि आमतौर पर इस तरह का आदेश सर्दियों में दिया जाता है। उत्तर कोरिया में आयात किए गए खाद की कमी है और किम जों उन की कृषि प्रथम पहल है, जिसके लिए गर्मी में मल का संग्रह शुरू किया गया है। हालांकि उत्तर कोरिया के लोग जो ऐसा नहीं करना चाहते वह कुछ पैसे खर्च कर इससे बच सकते हैं। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक रयांगगांग प्रांत के एक निवासी ने कहा कि मल इकट्ठा करने से बचने के लिए 5000 वॉन लगभग 500 रुपए देने पड़ेंगे, जो कई गरीब स्थानीय लोगों के लिए एक बड़ी रकम है। उसने आगे कहा कि लोगों को स्थानीय स्तर पर पार्टी मीटिंग में मानव अपशिष्ट सुखाने का आदेश दे दिया गया है। इस आदेश को सुन कर निवासी अपनी हैरानी नहीं छिपा सके। लोगों ने अपनी नाराजगी जाहिर की कि यह पहली बार है, जब गर्मियों में उन्हें ऐसा करने को कहा जा रहा है। इस मौसम में गंदगी और मक्खियां होती हैं। वहीं कई लोगों ने इस बात पर नाराजगी जताई कि जो लोग एक घर में रहते हैं वह ऐसा कर सकते हैं। लेकिन अपार्टमेंट में रहने वाले लोग क्या करेंगे?

'नर्क' तक जाएंगे टाइटन पनडुब्बी बनाने वाली कंपनी के को-फाउंडर

664 फीट गहरी गुफा है डीन ब्लूहोल, यह 15 हजार साल पहले बनी

वाशिंगटन, 29 जून (एजेंसियां)। टाइटैनिक जहाज का मलबा दिखाने गई टाइटन पनडुब्बी को बनाने वाली कंपनी ओशनगेट के को-फाउंडर समुद्र में एक नई यात्रा पर जाने वाले हैं। गुइलर्मो सोनलाइन एक पनडुब्बी के जरिए बहामास के डीन्स ब्लू होल की स्टडी के लिए जाएंगे। यह समुद्र में मौजूद दुनिया की तीसरी सबसे गहरी गुफा है, जिस पर अब तक कोई रिसर्च नहीं हुई है। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, बहामास के लोग इसे नर्क का दरवाजा भी कहते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हर साल यहां कई लोगों की जान जाती है। डीन ब्लूहोल पानी के अंदर बनी 664 फीट गहरी गुफा है, जो बहामास के एक द्वीप के पास है। यह 15 हजार साल पहले बनी थी। बेहद गहरी होने की वजह से इस पर आज तक कोई खास रिसर्च नहीं हो पाई है। गुइलर्मो के साथ वैज्ञानिक केनी ब्रॉड और नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री स्कॉट पैराजिनस्की भी इस यात्रा पर जाएंगे।

ब्रिटेन में विपक्षी नेता ने सुनक को पाकिस्तानी कहा

गाली भी दी, बोले- वह किसी काबिल नहीं, मस्जिद को पब बना देना चाहिए

ब्रिटेन के विपक्षी नेता कीयर स्टार्मर ने सुनक पर टिप्पणी की आलोचना की है

लंदन, 29 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन में रिफॉर्म यूके पार्टी के लीडर नाइजल फराज के लिए चुनावी कैंपेन करने वाले एक शख्स ने पीएम ऋषि सुनक पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। उनसे सुनक के लिए नस्लवादी शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें गाली भी दी। ब्रिटेन के चैनल 4 न्यूज ने रिफॉर्म पार्टी के कार्यकर्ता एंड्रयू पार्कर का एक वीडियो भी जारी किया है।

इसमें पार्कर ने कहा, मैंने हमेशा से ब्रिटेन के चुनावों में कंजर्वेटिव पार्टी का समर्थन किया है, लेकिन अब वे भी लेबर पार्टी की तरह बन गए हैं। आज एक पाकिस्तानी हमारा नेतृत्व कर रहा है। वह किसी काबिल नहीं है। पार्कर ने इस दौरान सुनक को गाली भी दी। उनके इस वीडियो पर सुनक ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा, नाइजल फराज के लिए काम करने वाले शख्स ने मुझे गाली दी है। मुझे दुख है कि मेरी 2 बेटियों को यह सब सुनना पड़ा। मुझे इससे गुस्सा आ रहा है और फराज को इसका जवाब देना होगा। सुनक पर टिप्पणी के अलावा पार्कर ने वीडियो में इस्लाम के लिए भी अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया। उसने इस्लाम को सबसे बेकार धर्म बताया। पार्कर ने कहा कि इस्लाम धर्म के लोग सभी को मुस्लिम बनाना चाहते हैं। उन्हें मस्जिदों से बाहर निकाल देना चाहिए। इसके बाद सभी मस्जिदों को पब और क्लब में बदल देना चाहिए। पार्कर ने ब्रिटेन आने वाले अवैध प्रवासियों पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि सरकार को आर्मी में नए लोगों को भर्ती करना चाहिए। इन्हें निशाना लगाने की ट्रेनिंग देने के लिए अवैध प्रवासियों को शूट करने की इजाजत देनी चाहिए।

सुनक से माफी नहीं मांगेंगे नाइजल फराज

रिफॉर्म पार्टी के लीडर नाइजल फराज ने इस मुद्दे पर सुनक से माफी मांगने से इनकार कर दिया है। उन्होंने पार्कर के बयान को अपने खिलाफ एक साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि पार्कर को उनकी विपक्षी पार्टियों ने यह सब कहने के पैसे दिए थे। वे पार्टी की छवि खराब करना चाहते हैं। हालांकि, मामले का खुलासा करने वाले चैनल 4 न्यूज के नाइजल के दावों को खारिज किया है।

वहीं पार्कर ने कहा है कि वह पार्ट टाइम एक्टर है और अपनी मर्जी से रिफॉर्म पार्टी के लिए कैंपेन करने पहुंचा था। नाइजल फराज ब्रिटेन के एक दक्षिणपंथी नेता हैं। वे इमिग्रेशन पर रोक लगाना चाहते हैं। यह आठवीं बार है जब फराज ब्रिटेन का सांसद बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।

ब्रिटेन में नस्लवाद के खिलाफ काम करने वाले ऑर्गेनाइजेशन होप नॉट हेट की रिपोर्ट के मुताबिक, रिफॉर्म यूके पार्टी ने इस साल चुनाव से पहले अब तक 166 उम्मीदवारों के नाम वापस ले लिए हैं। इन सब पर नस्लवादी या आपत्तिजनक बयान देने के आरोप हैं। पिछले हफ्ते बीबीसी को दिए एक इंटरव्यू में फराज ने कहा था कि पश्चिमी देशों ने रूस को यूक्रेन पर हमला करने के लिए उकसाया था। उनके इस बयान की काफी आलोचना हुई थी।

रूस ने 10 यूक्रेनी कैदियों को रिहा किया

जेलेंस्की बोले- इनमें एक राजनेता और दो पुजारी शामिल

मास्को, 29 जून (एजेंसियां)। यूक्रेन अपने 10 लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहा है। वेटिकन की मध्यस्थता से हुए समझौते के बाद कैदियों की रिहाई संभव हो पाई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कैदियों की रिहाई के बारे में शुक्रवार को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रूस और बेलारूस में बंदी बनाए गए एक राजनेता और दो पुजारियों सहित 10 नागरिकों को रिहा कर दिया गया है। जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, हम अपने 10 और लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहे।

हालांकि, जेलेंस्की ने यह नहीं बताया कि रिहाई यूक्रेन में बंद रूसी कैदियों से जुड़े समझौते का हिस्सा थी या नहीं। जेलेंस्की ने बताया कि जिन लोगों को रिहा किया गया है, उनमें से कुछ 2017 से जेल में हैं। इन लोगों को पूर्वी यूक्रेन के रूसी नियंत्रित हिस्सों से गिरफ्तार किया गया था। रूस ने 2014 से ही क्रीमिया प्रायद्वीप के साथ चार यूक्रेनी क्षेत्र- डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुगांस्क और जापोरिजिया पर कब्जा किया हुआ है। रिहा किए गए पांच लोगों को बेलारूस से गिरफ्तार किया गया था। इन पर रूसी सैन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाकर कीव की सेना की सहायता करने का आरोप था। मुक्त किए गए इन लोगों में एक वरिष्ठ क्रीमियन तातार राजनेता नरीमन जेलाल और यूक्रेनी ग्रीक कैथोलिक चर्च के दो पुजारी शामिल थे।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि रूसी सेना द्वारा बंदी बनाए गए सभी लोग रिहा होकर यूक्रेन में अपने घर वापस आ गए हैं। मैं इन लोगों को घर लाने के वेटिकन के प्रयासों का भी आभार व्यक्त करता हूं।

अफगान सिखों को पहले निकालने का आदेश दे फंसे ट्रूडो के खालिस्तान प्रेमी मंत्री

सांसदों ने उठाई जांच की मांग

ओटावा, 29 जून (एजेंसियां)। कनाडा में ट्रूडो सरकार के पूर्व रक्षा मंत्री हरजीत सिंह सज्जन विवादों में फंसते दिख रहे हैं। 2021 में उन्होंने सेना को अफगान सिखों के एक समूह को बचाने का निर्देश दिया था। द ग्लोब एंड मेल की रिपोर्ट में सैन्य सूत्रों के हवाले से कहा गया कि इससे कनाडा से जुड़े कनाडाई और अफगानों को काबुल से निकालने का मिशन कमजोर हो गया। कनाडा की पार्टी ब्लॉक क्यूबेकॉइस ने अब सज्जन के कार्यों के जांच की मांग की है। जनरल वेन आयर ने शुक्रवार को पहली बार इस मामले पर बात करते हुए कहा कि बलों ने वैसा ही किया जैसा उन्हें बताया गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक सज्जन ने इस मामले में कहा कि उन्होंने कनाडा की स्पेशल फोर्स को अफगान सिखों को बचाने का निर्देश दिया था। लेकिन जोर देकर कहा कि यह कोई आदेश नहीं था। सज्जन ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने सिखों की लोकेशन के बारे में जानकारी और अन्य विवरण दिए थे। गुरुवार को उन्होंने कहा कि उनका निर्देश अफगानिस्तान में जमीनी स्तर पर कमजोर समूहों की मदद करने की सरकार की नीति के अनुरूप था। जनरल आयर ने एक इंटरव्यू में कहा कि जब अफगानिस्तान पर तालिबान कब्जा कर रहा था तब सेना कानूनी आदेश का पालन करते हुए सिखों के इस समूह को बचाने की कोशिश में लगी थी।

सांसद कर रहे जांच की मांग

उन्होंने आगे कहा, 'हम कानूनी निर्देशों का पालन करते हैं और जिन समूहों को लिस्ट किया गया था वे अनुमोदित समूह का हिस्सा थे, इसलिए हम इसके साथ आगे बढ़े।' उन्होंने आगे कहा कि वह यह नहीं कह सकते कि सरकार की प्राथमिकता सही थी या गलत। रक्षा मंत्री बिल ब्लेयर और विदेश मंत्री मेलानी जोली को ब्लॉक सांसद क्रिस्टीन नॉर्मंडिन ने 28 जून को पत्र लिखा। इसमें उन्होंने स्थिति को चिंताजनक बताते हुए कहा कि जांच की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सज्जन खुद कहते हैं कि उन्होंने दिशा निर्देश दिया था और कोई ऑपरेशनल डिटेल नहीं थी। यह दिखाता है कि जांच जरूरी है।

संसदीय सुनवाई की मांग

ब्लेयर के एक प्रवक्ता ने कहा कि सरकार कोई जांच नहीं शुरू करेगी। ब्लॉक और कंजर्वेटिव पार्टी के पूर्व नेता एरिन ओ'टूल ने इस मामले में संसदीय सुनवाई का आह्वान किया है। अगस्त 2021 में जब तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया तो कनाडा अपने लोगों और कनाडाई सेना की मदद करने वालों को निकाल रहा था। सरकार के पास एक तीसरी लिस्ट भी थी, जिसमें उत्पीड़न के जोखिम वाले समूह शामिल थे। इसमें नारीवादी, मानवाधिकार रक्षक, पत्रकार और धार्मिक अल्पसंख्यक शामिल थे।

अदालत का पीएमओ को आदेश- न्यायिक मुद्दों पर खुफिया एजेंसी का दखल रोकें

खैबर पख्तूनख्वा में मजदूर अगवा

इस्लामाबाद, 29 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक अदालत ने शनिवार को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को निर्देश जारी किया। अदालत ने कहा कि वह आईएसआई समेत देश की सभी खुफिया एजेंसियों आदेश जारी करे कि वह मनचाहे फैसले पाने के लिए किसी न्यायाधीश या उनके स्टाफ के सदस्य से संपर्क न करे। खुफिया एजेंसियों, खास तौर पर इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई), मिलिट्री इंटेलिजेंस (एमआई) और इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) पर आरोप लग रहे हैं कि वे मनचाहे फैसले पाने के लिए न्यायाधीशों पर दबाव डाल रहे हैं। इन एजेंसियों पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी के नेताओं और समर्थकों के मामलों में न्यायाधीशों पर दबाव डालने का दबाव है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएससी) के आठ में से छह न्यायाधीशों और पंजाब में आतंकवाद रोधी अदालतों के कुछ न्यायाधीशों ने पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) और लाहौर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा था। इन न्यायाधीशों ने पत्र में न्यायिक मामलों में खुफिया एजेंसियों के दखल की ओर उनका ध्यान खींचा गया था। कुछ न्यायाधीशों ने यह भी शिकायत की थी कि उन पर (न्यायाधीशों) दबाव डालने के लिए उनके परिजनों को उठाया गया है। लाहौर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शाहिद करीम ने प्रधानमंत्री कार्यालय को शनिवार को निर्देश जारी किए। ये निर्देश पंजाब के सरगोधा जिले के एक आतंकवाद रोधी अदालत के न्यायाधीश की शिकायत पर जारी किए गए, जिन्होंने आईएसआई के कर्मियों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उधर, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने शनिवार को चार मजदूरों का अपहरण कर लिया।

क्या भारतवंशी कमला हैरिस बनेंगी राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार

वाशिंगटन, 29 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में शुक्रवार को पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट के बाद बाइडेन से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी वापस लेने की मांग हो रही है। दरअसल, शुक्रवार को डोनाल्ड ट्रम्प से हुई बहस में वे बेहद कमजोर नजर आए।

अमेरिका के ज्यादातर मीडिया हाउस ने डिबेट में ट्रम्प को ही विजेता घोषित किया। अब मांग हो रही है कि उप-राष्ट्रपति और भारतवंशी कमला हैरिस को ही डेमोक्रेटिक पार्टी से उम्मीदवार बनाया है। हैरिस फिलहाल बाइडेन

की रनिंग मेट हैं यानी फिर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं। दरअसल, डेमोक्रेटिक पार्टी ने अब तक आधिकारिक तौर पर बाइडेन की उम्मीदवारी की घोषणा नहीं की है। ऐसे में वे उम्मीदवार बदल सकते हैं। हालांकि, बाइडेन इस साल की शुरुआत में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी का चुनाव जीत गए थे। इसका मतलब ये है कि 19 अगस्त को शिकागो में होने वाले डेमोक्रेटिक पार्टी के कन्वेंशन में डेलीगेट्स को बाइडेन को वोट करना होगा। अगर वे बाइडेन को वोट नहीं करना चाहते तो पार्टी को वोटिंग के नियमों में बदलाव करना पड़ेगा। फिलहाल जो नियम हैं उनके मुताबिक पार्टी डेलीगेट्स उम्मीदवारी जीतने वाले प्रत्याशी को ही वोट कर सकते हैं। द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक अगर अब बाइडेन की उम्मीदवारी वापस ली जाती है, तो यह अमेरिका के इतिहास में पहली बार होगा, जब कोई पार्टी ऐसा कदम उठाएगी। ऐसे में इस बात की संभावना जताई जा रही है कि बाइडेन खुद ही राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से अपना नाम वापस ले लें। हालांकि, इसकी उम्मीद कम हैं। डिबेट के बाद नॉर्थ कैरोलिना में पार्टी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए बाइडेन ने जोशीला भाषण दिया। उन्होंने कहा, 'मैं अब जवान नहीं हूं, मैं उतनी आसानी से नहीं चल पाता जितनी आसानी से पहले चलता था।

नेपाल को भारत और चीन के बीच डायनामाइट नहीं बनाएं

नेपाली सांसदों ने पीएम प्रचंड को संसद में दी चेतावनी

काठमांडू, 29 जून (एजेंसियां)। चीन की गोद में भाग रहे नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प दहल कमल प्रचंड को अपने ही देश की संसद में तीखे विरोध का सामना करना पड़ा है। चीन की बेल्ट एंड रोड पहल को लागू करने को लेकर प्रचंड संसद में निशाने पर रहे। नेपाली सांसदों ने प्रचंड से कहा कि वे नेपाल को भारत और चीन के बीच में बारूद न बनाएं। नेपाल के विपक्षी सांसदों की ये टिप्पणियां चीन के उप विदेश मंत्री सन वेइदोंग के काठमांडू में तीन दिवसीय दौरे के समापन के एक दिन बाद आई। ज्यादातर नेपाली कांग्रेस के सांसदों ने चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट पर सवाल उठाए हैं और सरकार से बीआरआई रूपरेखा समझौते को सदन में पेश करने और इस पर चर्चा शुरू करने के लिए कहा है। गुरुवार को सदन में बोलते हुए पूर्व विदेश मंत्री और नेपाली कांग्रेस के नेता एनपी सऊद ने कहा कि सरकार को बीआरआई के क्रियान्यवन पर स्थित स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने बीआरआई के तहत चलने वाली परियोजनाओं के लिए कर्ज का विरोध किया। सऊद ने पुष्प कमल दहल के नेतृत्व वाली सरकार की विदेश नीति पर भी गंभीर सवाल उठाए और प्रधानमंत्री से भारत और चीन के बीच 'बारूद न जलाने' को कहा। उन्होंने कहा, सरकार आग से खेलने की कोशिश कर रही है। दिवंगत महाराज पृथ्वी नारायण शाह ने नेपाल को दो चट्टानों के बीच यम कहा था। वह यम जीवित और गतिशील था। अब सरकार दोनों देशों के बीच डायनामाइट फिट करने की कोशिश कर रही है। पूर्व नेपाली विदेश मंत्री ने आगे कहा कि अगर डायनामाइट फटेगा तो यह चट्टानों को नुकसान पहुंचाएगा लेकिन डायनामाइट खुद भी नहीं बचेगा।

केंद्र और राज्य सरकार के बजट जुलाई में जारी होंगे

इसका सीधा असर आमजन के रोजगार

शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, महंगाई और अन्य से जुड़ा

अजमेर, 29 जून (एजेंसियां)। केंद्र और राज्य सरकार के बजट जुलाई में जारी होंगे। इसका सीधा असर आमजन के रोजगार, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, महंगाई और अन्य से जुड़ा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा सबसे बड़े मुद्दे

पिछले साल के मुकाबले चालू वित्त वर्ष के छह महीने में महंगाई 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है।

लोगों को कई क्षेत्रों में सरकार से बेहतर उमीदें हैं। बजट को लेकर पत्रिका ने रायशुमारी की तो यह नतीजे सामने आए।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा सबसे बड़े मुद्दे

ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य और शिक्षा सबसे बड़े मुद्दे हैं। 55 प्रतिशत ग्रामीण इलाकों में पीएचसी-सीएचसी में सीमित स्टाफ, ऑपरेशन और अन्य संसाधन कम हैं। 45 प्रतिशत ग्रामीण इलाकों के लोगों को उच्च, तकनीकी, चिकित्सा शिक्षा के लिए दूरस्थ इलाकों में जाना पड़ता है।

महिला सुरक्षा भी जरूरी

रायशुमारी में 55.5 प्रतिशत महिलाओं ने सुरक्षा में बढ़ोतरी को जरूरी बताया है।

नए पुलिस थानों-चौकियों के गठन, आपराधिक छवि के तत्वों पर त्वरित कार्रवाई की जरूरत बताई।

गहलोत राज में बने नए जिलों पर मंडराया संकट

12 जिलों को रद्द कर सकती है भजनलाल सरकार

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 19 नए जिलों के बारे में समीक्षा के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी ललित के पंवार की समिति के गठन को मंजूरी दी है। ऐसे में माना जा रहा है कि भजनलाल सरकार एक दर्जन जिलों को रद्द कर सकती है। क्योंकि कुछ नए जिले ऐसे हैं, जो सीमांकन और आबादी के लिहाज से पैमाने पर पैमाने पर फिट नहीं बैठ रह है। ऐसे नए जिलों पर अब संकट के बादल मंडराते जा रहे है। नवगठित पंवार समिति 19 जिलों व तीन संभागों को लेकर समीक्षा के लिए उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के नेतृत्व में गठित मंत्रिमंडलीय उप समिति को रिपोर्ट सौंपेगी। पूर्ववर्ती सरकार ने पिछले साल जयपुर और जोधपुर जिलों के विभाजन सहित कुल 19 जिलों का गठन किया था, जिससे प्रदेश में जिलों की कुल संख्या 50 हो गई थी। इसके अलावा तीन और नए जिलों के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी थी, जिस पर मौजूदा राज्य सरकार ने विधानसभा में जवाब दिया कि रामलुभाया समिति को भंग कर दिए जाने के कारण 3 प्रक्रियाधीन जिलों पर आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

इन जिलों पर मंडराया खतरा

सूत्रों की मानें तो राजस्व विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार करीब 12 जिले ऐसे में हैं, जो सीमांकन और आबादी के लिहाज से जिला बनाने के पैमाने पर फिट नहीं बैठ रहे हैं। ऐसे में इन जिलों को रद्द किया जा सकता है। इन में जयपुर का दूदू, अलवर का खैरथल-तिजारा, भीलवाड़ा का शाहपुरा, जालोर का सांचौर, भरतपुर का डीग, सवाई माधोपुर का गंगापुर सिटी, जयपुर का कोटपूतली-बहरोड़, उदयपुर का सलूम्बर, सीकर का नीमकाथाना, अजमेर का केकड़ी, बीकानेर का अनूपगढ़ और जोधपुर का फलोदी शहर शामिल है।

पिछले साल बनाए गए थे ये नए जिले

राजस्थान में पहले 33 जिले थे। लेकिन, पिछले साल पहले 19 नए जिले बनाए गए थे। खास बात ये रही थी कि जयपुर और जोधपुर को दो भागों में बांटा गया था। इस कारण अब कुल जिलों की संख्या 50 है। पिछले साल अनूपगढ़, बालोतरा, ब्यावर, डीग, डीडवाना-कुचामन, दूदू, फलौदी, गंगापुर सिटी, जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर शहर, जोधपुर ग्रामीण, केकड़ी, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, नीमकाथाना, सलूम्बर, सांचौर, शाहपुरा (भीलवाड़ा) को नया जिला बनाया गया था।

ये है राजस्थान के पुराने जिले

जयपुर, जोधपुर श्रीगंगानगर, धौलपुर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, करौली, सवाई माधोपुर, जैसलमेर, पाली, दौसा, सिरोही, झुंझुनूं, सीकर, बूंदी, बारां, झालावाड़, कोटा, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, राजसमंद, बाड़मेर, जालौर, भरतपुर, अलवर, प्रतापगढ़, अजमेर, भीलवाड़ा, नागौर, टोंक और

नहीं होगा बिजली संकट, केंद्र सरकार देगी 10 हजार करोड़ की सौगात!

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में दस हजार करोड़ रुपए से बिजली तंत्र सुधरेगा। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर इसका प्लान लेकर केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मिलने दिल्ली पहुंचे। उन्होंने केन्द्र की आरडीएसएस स्कीम में इन कार्यों को शामिल करने की जरूरत जताई।

जिस पर खट्टर ने आश्वस्त किया कि राजस्थान के सभी काम होंगे। इसके लिए खुद खट्टर ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारियों के साथ लोकसभा सत्र के बाद जयपुर आएंगे।

यहां प्रदेश की ऊर्जा महकमे और बिजली तंत्र की समीक्षा कर सुदृढ़ करने पर मंथन होगा।

हीरालाल नागर मनोहर लाल खट्टर

केन्द्रीय कोयला मंत्री से मुलाकात

ऊर्जा मंत्री नागर ने केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी से भी मुलाकात की। कोयले की आपूर्ति में सुधार से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से रखा।

भीषण गर्मी में रहा बिजली संकट

राजस्थान में इस बार भीषण गर्मी के बीच बिजली कटौती ने लोगों की नींद उड़ा दी थी। यहां तक कि कई जगह गुस्साए लोगों ने पावर हाउस में आग लगा दी थी।

लोगों का कहना रहा कि पिछले दो माह से रात को अघोषित बिजली कटौती हुई। बिजली विभाग से बार-बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ।

सीनियर अफसरों को बदलने की तैयारी पूरी, जल्द जारी होगी तबादला सूची

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। जयपुर. विधानसभा सत्र 3 जुलाई से शुरू हो रहा है, इससे पहले भजनलाल सरकार नौकरशाही में बड़ा फेरबदल कर अधिकारियों को इधर-उधर करने की तैयारी में है। ब्यूरोक्रेसी में तबादलों को लेकर सरकार में उच्च स्तर पर होमवर्क पूरा हो चुका है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंजूरी के बाद कार्मिक विभाग तबादला सूची जारी कर देगा।

तबादला सूची में तीन दर्जन से ज्यादा आईएएस अधिकारियों के अलावा कई आईपीएस और आरएएस अधिकारियों के नाम होने की संभावना है। सूची को लेकर पिछले कई दिनों से सरकार में उच्च स्तर पर मंथन चल रहा था। लोकसभा चुनाव के आचार संहिता खत्म होने के बाद ही इसकी कवायद शुरू हो गई थी। कृषि और पंचायती राज विभाग में तबादलों को लेकर मंत्री किरोड़ीलाल मीना से विवाद पर मंत्री मदन दिलावर ने सफाई दी है। दिलावर ने कहा हमारे बीच कोई विवाद नहीं है। यह सब मीडिया की उपज है। किरोड़ीलाल मेरे वरिष्ठ, बड़े भाई और गार्जियन हैं। उन्होंने कहा कि मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं, हमारे रिश्ते पिता-पुत्र जैसे हैं। गौरतलब है कि कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीना ने कृषि विभाग के इंजीनियरों का ट्रांसफर कर जिला परिषद और पंचायत समितियों में नियुक्ति दी थी, लेकिन पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने इस पर रोक लगा दी। हालांकि कृषि विभाग से आए इंजीनियर के तबादलों पर आपत्ति जताने वाले पंचायती राज विभाग ने अब रोक हटा ली है। दिलावर ने स्वामी विवेकानंद नगर में जनसुनवाई के दौरान पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही।

कई आईएएस के पास अतिरिक्त कार्यभार

कई वरिष्ठ आईएएस के पास विभागों का अतिरिक्त कार्यभार भी है। चर्चा है कि इनसे विभागों का अतिरिक्त कार्यभार लेकर अन्य अधिकारियों को दिए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार तबादला सूची में मुख्य तौर पर उन चेहरों को शामिल किया गया है जो गहलोत सरकार के समय से विभागों और जिलों में तैनात है। ऐसे करीब 30 से ज्यादा आईएएस अधिकारी हैं, जिनमें आधा दर्जन जिलों के कलक्टर भी हैं। इसके अलावा कई विभागों में भी साल 2021 और 2022 से अधिकारी तैनात हैं। बताया जा रहा है कि पूर्ववर्ती सरकार के समय से जमे अधिकारियों को लेकर भाजपा विधायकों ने भी मुख्यमंत्री से उनकी नहीं सुनने की शिकायत की थी।

अवैध बजरी परिवहन रोकने के लिए खुद सड़क पर उतरीं एसपी

हाथों-हाथ ले डाला ये बड़ा एक्शन

सवाई माधोपुर, 29 जून (एजेंसियां)। जिले में अवैध खनन को लेकर लगातार मिल रही शिकायत पर एसपी खुद मैदान में उतरी और अवैध परिवहन के वाहनों पर कार्रवाई करते हुए जिम्मेदार पुलिस कार्मिकों पर भी कार्रवाई की। इस दौरान अवैध बजरी परिवहन के आठ वाहन जब्त करते हुए तीन चालक पकड़े। वहीं, जिम्मेदार पुलिस कार्मिकों पर कार्रवाई करते हुए मलारना डूंगर की भाड़ौती चौकी प्रभारी प्रहलाद मीना सहित कांस्टेबल दीपेंद्र सिंह और विजेंद्र सिंह गुर्जर को निलंबित किया।

बता दें कि मलारना डूंगर थाना सहित बौंली थाना क्षेत्र में लगातार अवैध बजरी खनन और परिवहन की शिकायतों के बाद 23 जून की रात में सवाईमाधोपुर विधायक व कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने रसूलपुरा गांव पहुंचकर अवैध बजरी परिवहन की शिकायत एसपी को दी थी। इस दौरान भी एसपी ने तुरंत पहुंचकर कार्रवाई करते हुए पांच वाहनों को जब्त किया था। इसके बाद से पुलिस अधीक्षक लगातार बजरी माफिया के खिलाफ सख्ती बरतती नजर आ रही हैं।

पुलिस अधिकारी को एसपी ने लगाई फटकार

गुरुवार रात को भी भाड़ौती और मलारना चौड़ पुलिस चौकी व थाने के सामने से अवैध बजरी के परिवहन की शिकायत पर एसपी खुद भाड़ौती चौकी पहुंच गई। इस दौरान एसपी ने लालसोट कोटा-हाइवे पर अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की। हाईवे पर करीब 50 से अधिक जगह बजरी के ढेर लगे हुए थे। इस पर एसपी ने भाड़ौती चौकी प्रभारी प्रहलाद मीणा, मलारना चौड़ चौकी प्रभारी रमेश चंद और मलारना डूंगर थाना पुलिस को जमकर फटकार लगाई। इस दौरान उन्होंने मौके पर खड़े होकर सभी अवैध परिवहन के वाहनों को जब्त करवाकर मलारना डूंगर पुलिस थाने पहुंचाया।

चौकी प्रभारी सहित दो सिपाही निलंबित

अवैध बजरी खनन और परिवहन को लेकर एसपी ने संबंधित पुलिस कार्मिकों पर कार्रवाई करते हुए सख्त संदेश दिया। उन्होंने मलारना डूंगर थाना अंतर्गत भाड़ौती चौकी के 3 पुलिसकर्मी निलंबित किए। इनमें चौकी प्रभारी प्रहलाद मीना, कांस्टेबल दीपेंद्र सिंह और विजेंद्र सिंह गुर्जर का नाम शामिल है। ये तीनों रात्रि में ड्यूटी पर थे।

इनका कहना है....

सुबह के समय सूचना मिली थी कि मलारना चौड़ एवं टोंड हाइवे पर पेट्रोल पंप पर अवैध बजरी से भरे डंपर ट्रेलर खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर टीम भेजी और कार्रवाई कर आठ वाहन जब्त किए गए। इस दौरान तीन वाहन चालक भी पकड़े गए हैं। वहीं, रात में भाड़ौती चौकी पर तैनात एक एएसआइ सहित दो कांस्टेबल पर कार्रवाई की है।

39 क्विंटल 72 किलो 820 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त मामले में फरार दो आरोपी गिरफ्तार

बाड़मेर, 29 जून (एजेंसियां)। बाड़मेर डीएसटी व पुलिस थाना महिला की टीम ने छह दिन पहले कुर्जा फांटा पर ट्रक में भारी मात्रा में अवैध डोडा पोस्त बरामद करने के प्रकरण में फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सदर पुलिस ने मौके पर एक होटल के बाहर खड़े ट्रक से 39 क्विंटल 72 किलो 820 ग्राम अवैध डोडा बरामद किया था। लेकिन मौके पर पुलिस को कोई नहीं मिला। आरोपी वहां पुलिस की भनक लगने पर फरार हो गए थे।

खरीद फरोख्त के संबंध में पूछताछ

ट्रक में भारी मात्रा में डोडा पोस्त बरामद करने के प्रकरण में फरार अपराधियों की दस्तयाबी के

निर्देश पर डीएसटी टीम के हैड कांस्टेबल प्रेमाराम व मेहाराम की सूचना पर डीएसटी प्रभारी विक्रमसिंह व महिला पुलिस थानाधिकारी सोमकरण व टीम ने तकनीकी सहायता से सरहद धने का तला से श्रीराम उर्फ शिवा पुत्र मानाराम निवासी धने का तला शिवकर व ट्रक चालक सुनिल उर्फ चूनाराम पुत्र रिड़मलराम निवासी गालाबेरी शिवकर पुलिस थाना सदर को गिरफ्तार किया। आरोपियों से डोडा पोस्त खरीद फरोख्त के संबंध में गहन अनुसंधान व पूछताछ की जा रही है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग

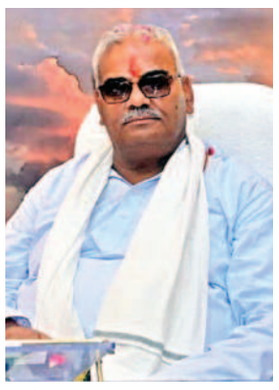

दौसा, 29 जून (एजेंसियां)। लालसोट। राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ के तत्वावधान में उपखण्ड अधिकारी नरेन्द्रकुमार मीना को राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपकर प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की है।

ज्ञापन में बताया है कि 21 जून को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा आदिवासी समुदाय के खिलाफ दिए गए आपत्तिजनक बयान को लेकर आदिवासी समुदाय के लोगों में रोष व्याप्त है, उन्हें तत्काल मंत्री पद से हटाया जाए एवं आदिवासी समुदाय से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी जाए।

जालौर सांसद ने मांगी माही एवं कडाणा बांध की इंस्पेक्शन रिपोर्ट

जालौर-सिरोही को मिलेगा पानी

जालौर, 29 जून (एजेंसियां)। जालौर सांसद लुंबाराम चौधरी ने वाप्कोस कंपनी के सीएमडी से मुलाकात कर माही एवं कडाणा बांध की इंस्पेक्शन एवं फीजिबिलिटी रिपोर्ट मांगी। उन्होंने कहा कि कई बार खंडीय कार्यालय द्वारा इस विषय में पत्र लिखने के बाद भी अब तक कोई रिपोर्ट उपलब्ध नहीं करवाई गई थी।

भाजपा संभाग सह मीडिया प्रभारी चिराग रावल ने बताया कि सांसद चौधरी ने बांध की इंस्पेक्शन रिपोर्ट और फीजिबिलिटी रिपोर्ट में हो रही देरी को लेकर नाराजगी जताई। चौधरी ने बताया कि खोसला कमेटी की रिपोर्ट 1 सितंबर 1965 के अनुसार गुजरात-राजस्थान बॉर्डर पर कडाणा बांध बनाना प्रस्तावित किया गया था। इसके बाद 1 अक्टूबर 1966 को राजस्थान एवं गुजरात राज्य के बीच माही जल बंटवारा समझौता के तहत कडाणा बांध का निर्माण हुआ, जिसमें पैरा सं0-1 में वर्णित है जब गुजरात में (खेड़ा जिला) नर्मदा से सिंचित होगा, तब कडाणा बांध के पानी का 2/3 भाग राजस्थान का तथा 1/3 भाग गुजरात का होगा।

करंट लगने से एक की मौत

तीन घायल, पानी में उतराती हुई मिली लाश, पूर्व विधायक गुढ़ा ने किया प्रदर्शन

झुंझुनू, 29 जून (एजेंसियां)। झुंझुनू में मानसून की पहली बारिश ने प्रशासन के सभी दावों की पोल खोल कर रख दी है। करंट लगने से युवक की मौत हुई और बारिश के पानी में उतराता हुए उसका शव काफी दूर तक चला गया।

घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि पंचदेव मंदिर के पास रोड पर अनु जूस सेंटर नाम से लोहे का केबिन है। दोपहर में हो रही मूसलाधार बारिश के दौरान जगदीश, मनीष, जहांगीर, साजिद और एक अन्य युवक केबिन में थे। केबिन के पास लगे बिजली के खंबे से पांचों करंट की चपेट में आ गए। सड़क पर घुटनों तक पानी बह रहा था और करंट की चपेट में आने पर सभी ने दौड़कर जान बचाने की कोशिश की। इस दौरान चार लोग पानी में गिर गए और बहने लगे। जगदीश को 100 मीटर दूर तक बहने के बाद लोगों ने पकड़ लिया और अस्पताल पहुंचाया। दूसरे युवक मनीष को 500 मीटर बहने के बाद लोगों ने पानी से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। साजिद खुद पानी में निकलकर बाहर आ गया, उसके पैर में चोट लगी है। करंट की चपेट में आने से जहांगीर की मौत हो गई।

हादसे की जानकारी लगने पर उदयपुरवाटी से पूर्व विधायक राजेंद्र गुढ़ा बीडीके अस्पताल पहुंचे। इस दौरान उनके नेतृत्व में पुलिस और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। गुढ़ा ने शहर के ड्रैनेज सिस्टम और बिजली व्यवस्था पर सवाल उठाए। कोतवाली थाना इंचार्ज पवन चौबे ने बताया कि तीन घायल को बीड़ीके अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें जगदीश प्रसाद 59 निवासी देसूसर, मनीष पुत्र सत्यनारायण 27 निवासी वसंत विहार और इस्लामपुर निवासी साजिद 21 पुत्र बाबू खान शामिल हैं।

बहन के ससुराल में गोलियां दाग चूरू पहुंचा दिल्ली पुलिस का जवान गिरफ्तार

चूरू, 29 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के चरखी दादरी में अपनी बहन के ससुराल के घर में गोलियां दागकर हत्या कर भागे दिल्ली पुलिस के जवान को चूरू में पुलिस ने काबू कर लिया है। रतननगर थाना इलाके के गांव खुडेरा बड़ा गांव में ग्रामीणों व पुलिस के घेरे में घिर जाने पर जवान ने सब मशीन गन से एक हवाई फायर भी किया। लेकिन डीएसटी और रतननगर थाना पुलिस ने जवान को गिरफ्तार कर उसके पास से एमपी-5 सब मशीन गन बरामद कर ली है। आरोपी को खिलाफ रतननगर थाने में आर्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं हरियाणा पुलिस को भी इसकी सूचना दे दी गई है।

पुलिस अधीक्षक जय यादव ने बताया कि गिरफ्तार दिल्ली पुलिस का जवान साकेत शर्मा पुत्र नरेन्द्र शर्मा हरियाणा के चरखी दादरी की तहसील बाढड़ा के गांव गोकलवास का रहने वाला है। वह दिल्ली में सातवीं बटालियन मालवीय नगर सीपीआर में पोस्टेड है। उसकी बहिन का ससुराल चरखी दादरी क्षेत्र के ही गांव बसौला में है। जवान का कहना है कि उसकी बहन को ससुराल पक्ष के लोग परेशान कर रहे थे। ऐसे में वह उनकी हत्या करना चाह रहा था।

घसौला में वारदात को अंजाम देने के बाद साकेत कार चलाकर लुहारू पहुंचा। यहां से ट्रेन में बैठकर मकड़ीनाथ स्टेशन चूरू आ गया। यहां से पैदल ही सूरतपुरा गांव चला गया। वहां पर एक खेत में मांगकर खाना खाया और गांव के लोगों से मोबाइल चलाने के लिए वाईफाई नेटवर्क मांगा। लेकिन इस दौरान ग्रामीणों को उसके बैग में हथियार दिखाई दे गया। गांव के किसी व्यक्ति ने डीएसटी में कार्यरत सिपाही मुकेश को इसकी सूचना दी। सूचना पर डीएसटी प्रभारी विरेन्द्र सिंह और रतननगर थाना पुलिस सक्रिय हो गई।

ग्रामीणों ने आरोपी साकेत पर पूरी नजर रखी। पुलिस सुरतपुरा पहुंची तो वह पैदल ही रेलवे लाइनों के पास से खुढ़ेरा बड़ा गांव पहुंच गया। यहां पर डीएसटी और रतननगर थाना पुलिस ने आरोपी पर घेरा बना लिया। रतननगर थानाधिकारी जयप्रकाश ने बताया कि आरोपी ने स्वयं को घिरा देखकर एमपी-5 से एक राउंड हवाई फायर किया। लेकिन पुलिस ने हिमत कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

जवान साकेत शर्मा की वर्ष 2022 में ही दिल्ली पुलिस में नौकरी लगी थी। उसकी बहन उषा की शादी वर्ष 2023 के दिसंबर माह में ही घसौला के रजत के साथ की गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रजत की गृह मंत्रालय में सरकारी नौकरी बताकर शादी की गई थी। लेकिन शादी के बाद पता चला की रजत के पास कोई नौकरी नहीं है। इससे साकेत नाराज था। इसके अलावा रुपए के लेन-देन की बात भी सामने आई है। घटना के समय उषा अपने ससुराल में नहीं थी। वह अपने मायके गई हुई थी। वहीं इस मामले में जवान के खिलाफ रतननगर में आर्स एक्ट, हरियाणा में फायरिंग व हत्या तथा दिल्ली में भी मामला दर्ज किया गया है।

प्रधानमंत्री की रूट लाइनिंग में है यह बटालियन

साकेत दिल्ली में सातवीं बटालियन मालवीय नगर सीपीआर में पोस्टेड है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस बटालियन को प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान सुरक्षा के लिए रूट लाइनिंग पर तैनात किया जाता है। बटालियन के जवान आधुनिक ऑटोमैटिक हथियारों से लैस रहते हैं।

मुआवजे से पहले बुनकरों की आत्महत्या की 'वास्तविकता' तय करेगी समिति

12 में से छह को ही आत्महत्या स्वीकारा

राजन्ना-सिरसिला, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आत्महत्या करने वाले बुनकरों के परिजनों को राज्य सरकार द्वारा दिया जाने वाला मुआवजा सभी परिवारों तक नहीं पहुंच पाएगा, क्योंकि सरकार ने अब तक 12 में से केवल छह मौतों को आत्महत्या के रूप में स्वीकार किया है। आत्महत्याओं की वास्तविकता की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति द्वारा इन छह आत्महत्याओं की भी कड़ी जांच की जाएगी।

समिति द्वारा कई पहलुओं पर विचार करने के बाद अंतिम रूप दिए गए नामों को जिला प्रशासन द्वारा मुआवजे के लिए राज्य सरकार को अनुशंसित किया जाएगा। इस वर्ष अब तक अकेले सिरसिला कपड़ा नगर के सात बुनकरों ने आत्महत्या की है। जबकि करीमनगर और खम्मम सहित अन्य जिलों से तीन से अधिक बुनकरों ने आत्महत्या की है। इनमें से अधिकांश की मौत पिछले छह महीनों के दौरान रोजगार की कमी के कारण हुई है।

बुनकरों और सहायक श्रमिकों ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बथुकम्मा साड़ियों, क्रिसमस और रमजान उपहार आदेश जारी नहीं किए जाने के बाद वे बेरोजगार हो गए हैं। कृषि, हथकरघा और कपड़ा मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि आत्महत्याओं की जांच की जाएगी और बुनकरों की आत्महत्याओं की संख्या छह बताई गई है। तदनुसार, हथकरघा और कपड़ा विभाग ने एक समिति गठित की है, जिसका नेतृत्व राजस्व प्रभागीय अधिकारी कर रहे हैं, जबकि हथकरघा और कपड़ा के सहायक निदेशक सदस्य संयोजक हैं। जिला पुलिस उपाधीक्षक समिति के तीसरे सदस्य हैं।

सहायक निदेशक (हथकरघा और कपड़ा) एम सागर ने कहा कि समिति आत्महत्याओं की वास्तविकता का फैसला करेगी। प्रत्येक बुनकर की मौत पर एफआईआर कॉपी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य विवरण सहित अंतिम रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद, समिति सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि समिति द्वारा अंतिम रूप दिए गए नामों को जिला कलेक्टर के माध्यम से मुआवजे के लिए राज्य सरकार को भेजा जाएगा। अधिकारी ने कहा कि हालांकि कुछ बुनकरों की मौत सनसनीखेज और अन्य कारणों से हुई थी, लेकिन उन मौतों को भी मीडिया द्वारा आत्महत्या करार दिया जा रहा है। ऐसे मामलों में, समिति तथ्यों पर विचार करके निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि सभी बुनकरों की मौत का ब्यौरा संकलित किया जा रहा है। इस बीच, साप्ताहिक भुगतान प्रणाली को भी सिरसिला में बुनकरों की आत्महत्या का एक कारण बताया जा रहा है।

यह काफी समय से चलन में है, जिसमें मास्टर बुनकर हर सातवें दिन बुनकरों और सहायक कामगारों को भुगतान करते हैं। आवश्यक वस्तुओं की खरीद के बाद, बुनकरों के पास आमतौर पर कुछ नहीं बचता है और अगर कुछ बचता भी है, तो वह बच नहीं पाता है।

पारस्परिक सहायता प्राप्त सहकारी समितियां (एमएसीएस) संघ के महासचिव पोलू शंकर ने कहा कि 90 प्रतिशत बुनकर और श्रमिक इस जीवन शैली के आदी हैं। जब पिछली बीआरएस सरकार द्वारा बथुकम्मा साड़ियां, रमजान और क्रिसमस उपहारों और अन्य जैसे सरकारी ऑर्डर नियमित रूप से दिए जाते थे, तो इससे कोई बड़ी समस्या नहीं होती थी। लेकिन अब, जब सरकारी ऑर्डर न्यूनतम हो गए हैं, तो बुनकर, जो प्रति माह लगभग 20,000 रुपये कमाते थे, वित्तीय समस्याओं का सामना कर रहे हैं। शंकर ने कहा कि पूर्व हथकरघा एवं कपड़ा मंत्री केटी रामा राव ने बचत कोष योजना की स्थापना करके बुनकरों में बचत की आदत को बढ़ावा देने की कोशिश की थी। हालांकि, 25,000 बुनकरों में से केवल 5,200 से 5,500 ने ही इस योजना में सदस्यता ली। इस योजना के तहत, सदस्यों को हर महीने 1,200 रुपये का भुगतान करना होगा और सरकार भी उतनी ही राशि का भुगतान करेगी। कुल बचत 36 महीने बाद बोनस के साथ सदस्यों को दी जाएगी। हालांकि मास्टर बुनकरों ने भुगतान के तरीके को बदलने और इसे पखवाड़े में करने की कोशिश की, लेकिन इसका भी श्रमिकों ने विरोध किया, शंकर ने भुगतान प्रणाली को बदलने और बचत कोष योजना को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

येलंडू परिषद की बैठक में कांग्रेस नेताओं में झड़प

कोत्तागुडेम। राजनीतिक झड़पों के लिए मशहूर येलंडू नगरपालिका में शनिवार को भी ऐसी ही झड़प देखने को मिली। इस बार नगरपालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, जो कांग्रेस से हैं, परिषद की बैठक के दौरान आपस में भिड़ गए।

सूत्रों के अनुसार, उपाध्यक्ष जानी पाशा ने नगरपालिका अध्यक्ष दम्मालापति वेंकटेश्वर राव से शहर में नगरपालिका वार्डों को धन के अनुचित आवंटन के बारे में सवाल किया। उन्होंने संबंधित वार्ड पार्षदों को पूर्व सूचना दिए बिना अध्यक्ष के वार्डों का दौरा करने पर भी आपत्ति जताई। इसके बाद उनके बीच कहासुनी हो गई और फिर वे एक-दूसरे को धक्का देने लगे। लड़ने वाले नेताओं के प्रति वफादार पार्षद भी उनके साथ शामिल हो गए और दोनों समूहों ने कुछ देर तक एक-दूसरे को धक्का दिया। बैठक में मौजूद येलंडू विधायक कोरम कनकैया ने बीच-बचाव किया और उन्हें शांत रहने को कहा।

याद रहे कि इस साल फरवरी में वेंकटेश्वर राव के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने के बाद नगरपालिका चर्चा में आई थी। 19 बीआरएस, सीपीआई और निर्दलीय पार्षदों ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। जब 5 फरवरी को फ्लोर टेस्ट आयोजित किया गया था, तो कथित तौर पर विधायक के इशारे पर फ्लोर टेस्ट को विफल करने के लिए सीपीआई और बीआरएस से संबंधित दो पार्षदों का अपहरण कर लिया गया था। उस समय सोशल मीडिया पर कनकैया और उनके अनुयायियों द्वारा एक पार्षद को जबरन ले जाने की तस्वीरें और दृश्य प्रसारित किए गए थे। फ्लोर टेस्ट के लिए रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में काम करने वाले तत्कालीन आरडीओ सिरिशा ने घोषणा की कि अविश्वास प्रस्ताव हार गया क्योंकि आवश्यक कोरम पूरा नहीं हुआ और 17 पार्षदों के आवश्यक कोरम के मुकाबले केवल 15 पार्षद ही फ्लोर टेस्ट में मौजूद थे। यह पता चला कि विधायक कनकैया ने पार्षदों को सोशल मीडिया पर शनिवार की झड़प की तस्वीरें या दृश्य प्रसारित करने या मीडिया के साथ साझा करने के खिलाफ चेतावनी दी थी।

टीएसईए ने किया बिजली योजना के मुद्दों को हल करने का आग्रह

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सौर ऊर्जा संघ (टीएसईए) ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत उपभोक्ताओं के सामने आने वाली चुनौतियों का तत्काल समाधान करने की मांग की है। संघ ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार इस मुद्दे पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई नहीं करती है, तो तेलंगाना भर के संघ के सदस्य मामले के समाधान होने तक अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर जाने को मजबूर होंगे।

टीएसईए के अध्यक्ष बी अशोक कुमार गौड़, महासचिव टी श्रीहरि बाबू, उपाध्यक्ष परकला राजेश और संयुक्त सचिव ई बाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पहले दिन से ही चुनौतियों का सामना कर रही है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानी और आघात का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना को बड़े जोर-शोर से शुरू किया गया था और उपभोक्ताओं ने इसे हाथों-हाथ लिया, लेकिन आधिकारिक पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ियों के कारण चार महीने बीत जाने के बावजूद सिस्टम अभी भी मांग को पूरा करने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा, "हम चाहते हैं कि देरी और अक्षमताओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाए। साथ ही, पोर्टल की कार्यक्षमता में तुरंत सुधार किया जाना चाहिए। सब्सिडी समय पर उपभोक्ताओं को वितरित की जानी चाहिए।

अष्टमी के अवसर पर बाजार घाट नामपल्ली स्थित काल भैरव मंदिर में पूजा करते हुए सिकंदराबाद एवं बोईनपल्ली मार्केट यार्ड व्यापार संघ के अध्यक्ष ए गौतम जैन, पी राजेंद्र यादव, गजानंद चौधरी, रघु नंद गोप, एन नरसिंग राव एवं मंदिर के पुजारी तरूण कुमार, पंडित कमल आदि।

मछली पालन लाभदायक : कलेक्टर

आसिफाबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरमभीम आसिफाबाद के जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि मछली पालन से अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। एकीकृत कार्यालय भवन परिसर के सम्मेलन कक्ष में आयोजित मछुआरा जागरूकता कार्यक्रम में जिला ग्रामीण विकास अधिकारी सुरेंद्र, अतिरिक्त डीआरडीओ रामकृष्ण, अनुसूचित जाति विकास अधिकारी संजीवन, प्रभारी जिला मत्स्य अधिकारी संबाशिव राव, जिला महासंघ के अध्यक्ष त्रिवेणी और सलाहकार उदय किशोर ने भाग लिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी अनुदान का उपयोग कर मछली पालन कर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। मछली पालन के लिए 2 एकड़ जमीन और बोर की सुविधा होनी चाहिए। आज जो नई तकनीक आ रही है, उसकी बदौलत घरेलू पौधों और खेतों में विशेष टैंक स्थापित करना और उन पर खेती करना संभव है। मछली पालन के लिए 5 लाख निवेश, 4 गड्ढे, 3 फसल प्रति वर्ष, 2 लाख आय, एक किसान को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि इसे 5, 4, 3, 2, 1 के रूप में तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को इस अवसर का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार उनके लिए कई रियायतें और सब्सिडी देगी। घर पर मछली पालन कर कम लागत में मुनाफा कमाया जा सकता है। मछली पालन में व्यापक संभावनाएं हैं। मार्केटिंग भी आसानी से की जा सकती है। इस कार्यक्रम में मछुआरों, महिला स्वयं सहायता समूहों और किसानों ने भाग लिया।

तेलंगाना, आंध्र प्रदेश ने किया पीएम सौर ऊर्जा योजना से किनारा

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, जिसके तहत देशभर में 1 करोड़ आवासीय घरों को छत पर सौर ऊर्जा सब्सिडी दी जाएगी, को दोनों तेलुगु राज्यों के लोगों से बहुत खराब प्रतिक्रिया मिल रही है।

सूत्रों के अनुसार, इस योजना के तहत अब तक तेलंगाना से केवल 17,152 और आंध्र प्रदेश से 29,740 आवेदन प्राप्त हुए हैं। देश भर के आंकड़ों के अनुसार, असम में सबसे अधिक 2.23 लाख, गुजरात में 2.14 लाख, महाराष्ट्र में 1.91 लाख और उत्तर प्रदेश में 1.89 लाख आवेदन आए हैं।

तेलुगु राज्यों में, जबकि मेडचल-मल्काजगिरी जिले में 2,266 लोगों ने आवेदन किया है, जो तेलंगाना में सबसे अधिक है, राजन्ना सिरसिला जिले में सबसे कम केवल तीन आवेदन आए हैं। आंध्र प्रदेश में, काकीनाडा जिले में सबसे अधिक 1,315 आवेदन प्राप्त हुए और अल्लूरी जिले में सबसे कम 178 आवेदन प्राप्त हुए। जबकि ग्रेटर हैदराबाद से केवल 1,296 आवेदन प्राप्त हुए। अन्य राज्यों में, संबंधित राज्य सरकारें केंद्र द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी और प्रोत्साहन के अतिरिक्त सब्सिडी दे रही हैं, इसलिए लोग रूफटॉप सोलर पैनल लगाने में रुचि दिखा रहे हैं। जबकि, चूंकि तेलुगु राज्यों में सरकारें अतिरिक्त सब्सिडी नहीं दे रही हैं, इसलिए लोग रूफटॉप सोलर पैनल लगाने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

ऊर्जा विभाग के अधिकारियों का दावा है कि चूंकि गृह ज्योति योजना के तहत राज्य में प्रति माह 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान की जा रही थी, इसलिए बड़ी संख्या में मध्यम वर्ग के परिवार रूफटॉप सोलर पैनल अपनाने के लिए इतने इच्छुक नहीं थे। यहां तक कि आंध्र प्रदेश में भी एससी और एसटी समुदाय के सदस्यों को 101 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही थी। एक अधिकारी ने बताया कि नई रूफटॉप सोलर योजना के माध्यम से राज्य सरकार रूफटॉप सोलर क्षमता वृद्धि से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना चाहती है, लेकिन मुफ्त बिजली योजना के कारण कई लोग सोलर पावर पर स्विच करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। मौजूदा बेंचमार्क दरों के अनुसार, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत 1 किलोवाट प्रणाली को 30,000 रुपये, 2 किलोवाट प्रणाली को 60,000 रुपये और 3 किलोवाट या उससे अधिक प्रणाली को 78,000 रुपये की सब्सिडी मिलेगी।

तेरापंथ महिला मंडल द्वारा स्कुल को मदद

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में चल निर्माण: बढ़ते क़दम विकास की ओर (विद्यालय संरक्षण) के अंतर्गत स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल ने सिकंदराबाद स्थित टैगोर होमस इंस्टीट्यूट सेकेंडरी स्कूल में स्कूल बेंच रिपेयरिंग का कार्य करवाया। मंडल की तरफ से प्रिंसिपल को स्कूल मैं बेंच रिपेयरिंग के लिए चेक प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष कविता आच्छा, मंत्री सुशीला मोदी, प्रभा दूगड़, सरला आर भूतोडिया, रीता सुराणा, चंदन कोठारी, शिक्षक और विद्यार्थीयों की उपस्थिति थी।

जन सेवा संघ तुकाराम गेट क्षेत्रीय बैठक संपन्न

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ नार्थ जोन के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में संचालन समिति के संयोजक मदन लाल रावल एवं नार्थ जोन के संभागीय अध्यक्ष राधे श्याम राय यादव की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। तुकारामगेट क्षेत्र में हुई बैठक में संस्था को अधिक मजबूत बनाने के लिए एवं सदस्य संख्या बढ़ाने, सदस्यता नवीनीकरण करने पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से तुलसाराम चौधरी को तुकारामगेट क्षेत्र का क्षेत्रीय अध्यक्ष चुना गया। बैठक में तुकारामगेट सचिव मोतीराम, उपाध्यक्ष कांतिलाल, गणपत सिंह, मीडिया प्रभारी संगीता चौहान, कोषाध्यक्ष प्यारेलाल जैन, जीव बहादुर नेपाली, नेमाराम चौधरी, रमेश, कानाराम, नेमाराम, संगीता चौहान, कुपाराम देवड़ा, मुकेश, किशोर आदि उपस्थित थे।

एबीवीपी ने किया डीईओ कार्यालय का घेराव

मंचीरियाल, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंचिरयाल जिले में समाहरणालय के सामने एबीवीपी की एबीवीपी ने धरना दिया और डीईओ को याचिका सौंपी। संयोजक ममिडी अक्षिता ने कहा कि स्कूल की स्थिति खराब है। राज्य भर में अव्यवस्था और मेगा डीएससी बनाकर 24,000 शिक्षकों के पद भरे जाएं, इसी तरह बिना अनुमति वाले स्कूलों को तुरंत हटाने की मांग की गई। कई स्थानों पर डीईओ एमईओ की कमी है और इस समस्या का शीघ्र समाधान करने का अनुरोध किया। इस आंदोलन में प्रदेश कार्य समूह सदस्य दीपक, ईश्वर, कार्यकर्ता सूर्या, चंदू व अन्य ने भाग लिया है।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की कार्यकारिणी बैठक

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की कार्यकारिणी बैठक मलकपेट में आयोजित की गई।

मानद मंत्री प्रदीप बंसल ने गत माह में आयोजित कार्यक्रमों की रुपरेखा प्रस्तुत की। बैठक में विविध निर्णय लिए गए।

अवसर पर शाखाध्यक्ष पंकज कुमार संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, शैलेश अग्रवाल, सतनारायण मोदी, राजकुमार गुप्ता, महावीर प्रसाद अग्रवाल, हरिश्चंद्र बजाज, ओम प्रकाश पचेरिया, सतीश बंसल, सुरेश कुमार गोयल, श्यामलाल गोयल, संजीव गोयल, दीपक पचैरिया, जितेश सिंघानिया, गोपाल मोदी तथा निश्चिंत अग्रवाल उपस्थित रहे।

आवासीय विद्यालय की छात्रा ने की आत्महत्या की कोशिश

मेदक, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तूप्रान कस्बे में स्थित बीसी वेलफेयर आवासीय विद्यालय में शनिवार को घर की याद से परेशान 12 वर्षीय आवासीय विद्यालय की छात्रा ने आत्महत्या की कोशिश की।

संगारेड्डी के झारासंगम मंडल के गिन्नायापल्ली की रहने वाली यह लड़की सोमवार को छात्रावास में दाखिल हुई थी। हालांकि, कक्षा 7 की छात्रा ने छात्रावास में दाखिल होने के तुरंत बाद अपने माता-पिता से मिलने की जिद की। जब शिक्षकों ने उसे इसकी अनुमति नहीं दी, तो उसने कथित तौर पर त्वचा की एलर्जी के इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाला मलहम खा लिया।

बीमार हुई बच्ची को तूप्रान के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर उसके माता-पिता अस्पताल पहुंचे।

नरसिंगी में सऊदी अरब से लौटे व्यक्ति की हत्या

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सऊदी अरब से लौटे एक व्यक्ति की शनिवार को नरसिंगी में एक खुले स्थान पर अज्ञात व्यक्तियों ने हत्या कर दी। गोलकोंडा के छोटा बाजार निवासी सैयद हिदायत अली (31) शनिवार दोपहर नरसिंगी थाना क्षेत्र के ग्रीन लैंड्स वेंचर में कई चोटों के साथ मृत पाए गए। नरसिंगी इंस्पेक्टर हरि कृष्ण रेड्डी के अनुसार, पीड़ित हिदायत अली कुछ लोगों के साथ यहां आया था, जहां हमलावरों ने उसे चाकू घोंपकर मार डाला और वहां से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि हिदायत अली हाल ही में सऊदी अरब से लौटा था। इंस्पेक्टर ने कहा कि हम अधिक जानकारी जुटाने के लिए परिवार के सदस्यों और दोस्तों से बात कर रहे हैं। हमलावरों की पहचान करने और कारणों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने शव को उस्मानिया अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया।

चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी होंगे एसबीआई के अगले अध्यक्ष!

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों में वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार एफएसआईबी ने भारतीय स्टेट बैंक के अगले अध्यक्ष के रूप में चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी को अनुशंसित किया है। चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी एसबीआई में 36 वर्षों का अनुभव है। वह जनवरी 2020 में एसबीआई बोर्ड में प्रबंध निदेशक के रूप में शामिल हुए और वर्तमान में बैंक के आंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और प्रौद्योगिकी वर्टिकल का नेतृत्व कर रहे हैं। वह भारत द्वारा गठित विभिन्न टास्क फोर्स/समितियों का भी नेतृत्व कर चुके हैं। कृषि में विज्ञान स्नातक और भारतीय बैंकर्स संस्थान के प्रमाणित एसोसिएट सेट्टी ने 1988 में एक प्रोबेशनरी अधिकारी के रूप में एसबीआई में अपना करियर शुरू किया। तीन दशकों में उन्होंने एसबीआई में विविध पद संभाले हैं। नए अध्यक्ष वर्तमान अध्यक्ष की सेवानिवृत्ती के दिन ही कार्यभार संभालेंगे जो अगस्ट 2024 में होगा।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सम्मान

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था सेटविन में कई वर्षों कि सेवा के बाद निवृत्त होनेवाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

पुरानी हवेली स्थित सेटविन कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक के.वेणुगोपाल राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और सेवानिवृत्त अधीक्षक पीबीएस प्रसाद राव, ड्राइवर तौफीक, मोहम्मद इब्राहिम, परिचारक शमशुद्दीन, वी.नर्मदा, के.लीलावती, मोहम्मद कासिम और अन्य को सम्मानित किया गया।

एनडी वेणुगोपालराव ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों द्वारा संगठन को प्रदान की गई सेवाओं को भुलाया नहीं जा सकता है। कंपनी के लेखा अधिकारी सुरेश बाबू, प्रबंधक एम.ए. मोएज़, अधीक्षक राधाकृष्ण, संस्था में कार्यरत समन्वयक, कर्मचारी एवं अन्य लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

तेलंगाना राज्य शूटिंग चैंपियनशिप-2024 सम्पन्न

800 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राइफल एसोसिएशन (टीआरए) के अध्यक्ष अमित सांघी के मार्गदर्शन में % दिवसीय एक्स तेलंगाना राज्य शूटिंग चैंपियनशिप-2024 का शनिवार को समापन हुआ। सांघी ने चैंपियनशिप के सफल आयोजन की सराहना की और टीआरए बोर्ड के सदस्यों और 800 से अधिक प्रतिभागियों के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से एनआरएआई के अधिकारियों मन्नान, संदीप, रामचंदर और युवराज को निष्पक्ष और निर्बाध प्रतियोगिता सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका के लिए धन्यवाद दिया। चैंपियनशिप को तेलंगाना के खेल प्राधिकरण और गगन नारंग की गन फॉर ग्लोरी फाउंडेशन से भी अटूट समर्थन मिला। उन्होंने इसमें शामिल सभी लोगों द्वारा दिखाए गए समर्पण को उजागर किया और चैंपियनशिप को एक शानदार सफलता बनाने में TRA बोर्ड की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। 21 से 27 जून 2024 तक आयोजित इस आयोजन में विभिन्न पृष्ठभूमि के निशानेबाजों ने असाधारण प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

सांघी ने सभी फाइनलिस्ट और पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और विभिन्न शूटिंग विधाओं में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने उनके समर्पण और कड़ी मेहनत की प्रशंसा की, पदक जीतने और प्री-नेशनल के लिए अर्हता प्राप्त करने में उनकी उपलब्धियों को स्वीकार किया और उन्हें निरंतर सफलता की कामना की। चैंपियनशिप की प्रतिष्ठा को टीआरए के सम्मानित उपाध्यक्ष उदय पिलानी की उपस्थिति ने और बढ़ाया, जिन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में कार्य किया। शूटिंग खेलों के प्रति उनके जोशीले समर्थन और प्रोफेशनल कार रैली और ऑटोक्रॉस ड्राइविंग में उनकी उपलब्धियों ने इस अवसर को और भी प्रेरणा दी। गाचीबोवली स्थित एसएटीएस शूटिंग रेंज में आयोजित पुरस्कार समारोह में 10एम पिस्टल, 50एम पिस्टल, 50एम राइफल, 50एम 3पी, 50एम ओपन साइट और 50एम ओपन साइट 3पी जैसी श्रेणियों में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया गया।

मंचेरियाल में पोस्टर मेकिंग, कविता लेखन प्रतियोगिता आयोजित

मंचेरियाल, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को जिला विज्ञान केंद्र में विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय पोस्टर मेकिंग और कविता लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिला शिक्षा अधिकारी एस यादैया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। यदैया ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा की जिम्मेदारी छात्रों पर है। उन्होंने छात्रों को वायु प्रदूषण को रोकने के लिए अपने घरों के आसपास पौधे लगाने और ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में अपना सहयोग देने की सलाह दी। उन्होंने छात्रों से परिसर को साफ-सुथरा रखने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले जिला विज्ञान अधिकारी एस मधु बाबू ने कहा कि यह कार्यक्रम ग्लोबल वार्मिंग और वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने में मदद करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रतिभागी भविष्य में माँ प्रकृति की सुरक्षा के लिए अपना योगदान दे सकेंगे। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आगे आने के लिए छात्रों की सराहना की।

जिला परिषद माध्यमिक विद्यालय-देवपुर की कक्षा 9 की छात्रा के प्रीति कुमार ने प्रथम पुरस्कार जीता, जबकि वेंकटरावपेट के एक स्कूल की कक्षा 9 की बी श्रव्या को दूसरा पुरस्कार मिला और पोस्टर मेकिंग में श्रीरामपुर के थीगलपहाड़ के एक अन्य स्कूल की जी दिव्या को तीसरा पुरस्कार दिया गया।

नेन्नल मंडल के जेंदा वेंकटपुर स्थित जेडपीएसएस की नौवीं कक्षा की छात्रा वी हसिनी, तेलंगाना मॉडल स्कूल-मंचरियल की नौवीं कक्षा की छात्रा एन साहिथा और हाजीपुर मंडल के दोनाबांदा स्थित जेडपीएसएस की नौवीं कक्षा की छात्रा साई स्पंदना को कविता लेखन में क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार मिला।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत का टीम परफॉर्मेंस: 7 मुकाबलों में 6 अलग-अलग प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने पहले ऑस्ट्रेलिया और फिर इंग्लैंड को हराकर टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली है। टीम 29 जून को बारबाडोस में साउथ अफ्रीका से खिताबी मुकाबला खेलेगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया से 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल और इंग्लैंड से 2022 टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल की हार का बदला लिया और दोनों को हराकर टूर्नामेंट से ही बाहर कर दिया।

भारत की लगातार 7 जीत में 1 या 2 नहीं, बल्कि पूरे 9 प्लेयर्स का अहम योगदान रहा। टीम की प्लेइंग-11 का हिस्सा रहे बाकी 3 खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस भले ही उतनी अच्छी न रही हों, लेकिन इन प्लेयर्स ने टीम के लिए कुछ मौकों पर अहम योगदान जरूर दिया।

7 मैच जीते, 6 खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच

भारत इस टी-20 वर्ल्ड कप में अजेय है, टीम ने ग्रुप और सुपर-8 स्टेज में 3-3 मैच जीते। कनाडा के खिलाफ ग्रुप मैच बेनतीजा रहा, वहीं सेमीफाइनल में टीम ने इंग्लैंड को मात दी। इन 7 मुकाबलों में 6 अलग-अलग खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

भारत ने टूर्नामेंट में ज्यादा एक्सपेरिमेंट भी नहीं किए और 8 मैच में 12 ही प्लेयर्स को मौके दिए। शुरुआती 3 मैच खेलने वाले मोहम्मद सिराज की जगह कुलदीप यादव को लाए। कुलदीप ने बाद के 4 मैच खेले। भारत के अलावा साउथ अफ्रीका ने ही टूर्नामेंट में सबसे कम 12 प्लेयर्स ट्राई किए। दोनों ही टीमें फाइनल में पहुंच गईं, बाकी सभी टीमों ने 13, 14 या 15 प्लेयर्स तक को मौके दे दिए।

टॉप-3 बैटर्स

रोहित शर्माः आयरलैंड के खिलाफ न्यूयॉर्क की मुश्किल पिच पर कप्तान रोहित ने फिफ्टी लगाई। उन्होंने अगले 4 मैच तक अपना अटैकिंग रोल जारी रखा, लेकिन असफल रहे। रोहित ने फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 41 बॉल पर 92 रन बनाए। उन्होंने सेमीफाइनल में भी अहम फिफ्टी लगाई और सूर्या के साथ मैच विनिंग 75 रन की साझेदारी की। कप्तान टीम के टॉप रन स्कोरर भी हैं।

सूर्यकुमार यादवः आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ सूर्यकुमार कुछ खास नहीं कर सके, लेकिन अमेरिका के खिलाफ शुरुआती 3 विकेट गिर जाने के बाद टीम को संभाला। सूर्या ने फिफ्टी लगाई और टीम को जीत दिलाई। वह अफगानिस्तान के

खिलाफ अर्धशतक लगाकर प्लेयर ऑफ द मैच बने। ऑस्ट्रेलिया के सामने सूर्या ने 16 बॉल पर 31, इंग्लैंड के खिलाफ 36 बॉल पर 47 रन बनाए और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। वह टूर्नामेंट में 200 रन बनाने के करीब हैं।

ऋषभ पंतः ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ विकेटकीपर पंत कुछ खास नहीं कर सके, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ 42 और आयरलैंड-बांग्लादेश के खिलाफ मुश्किल पिच पर 36-36 रन की पारी खेलकर जीत में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के खिलाफ तो उन्होंने 3 अहम कैच भी पकड़े थे। पंत टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 11 कैच पकड़ चुके हैं, उन्होंने एक स्टंपिंग भी की है।

टॉप-3 ऑलराउंडर्स

हार्दिक पंड्याः उप कप्तान हार्दिक ने बैटिंग, बॉलिंग के साथ फील्डिंग में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। आयरलैंड के खिलाफ 3, वहीं पाकिस्तान-अमेरिका के खिलाफ 2-2 विकेट लिए। ग्रुप स्टेज में अच्छी बॉलिंग के बाद हार्दिक ने अफगानिस्तान के सामने 32, ऑस्ट्रेलिया के सामने 27 और इंग्लैंड के सामने 23 रन की अहम पारी खेली। बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने महज 27 बॉल पर फिफ्टी लगाई और एक विकेट लिया, इस प्रदर्शन के लिए वह प्लेयर ऑफ द मैच बने।

अक्षर पटेलः सेमीफाइनल के प्लेयर ऑफ द मैच अक्षर टूर्नामेंट में भारत के सेकेंड बेस्ट ऑलराउंडर और सेकेंड बेस्ट स्पिनर साबित हुए। इंग्लैंड के खिलाफ 3 विकेट लेने से पहले उन्होंने बांग्लादेश को छोड़कर हर मैच में 1-1 विकेट लिया था। वह 18 ही ओवर गेंदबाजी कर टूर्नामेंट में 6.88 की इकोनॉमी से 8 विकेट ले चुके हैं। इसके अलावा लोअर ऑर्डर में वह 128.57 के स्ट्राइक रेट से 45 रन भी बना चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने डीप स्क्वेयर लेग पोजिशन पर हवा में जम्प कर एक हाथ से मिचेल मार्श का बेहतरीन कैच पकड़ा, जो टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

शिवम दुबेः अमेरिका के खिलाफ दुबे को एक ओवर गेंदबाजी का मौका मिला, इसमें उन्होंने 11 रन दिए। इसके अलावा उन्होंने टूर्नामेंट में कोई ओवर नहीं फेंका। हालांकि, बांग्लादेश (34), अमेरिका (31*) और ऑस्ट्रेलिया (28) के खिलाफ उन्होंने छोटी लेकिन उपयोगी पारियां खेलीं।

टॉप-3 बॉलर्स

अर्शदीप सिंहः सेमीफाइनल में कोई विकेट नहीं ले सके अर्शदीप ने इससे पहले हर मुकाबले में कम से कम एक विकेट तो जरूर लिया। पाकिस्तान के खिलाफ एक, लेकिन आयरलैंड-बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने 2-2 विकेट लिए। अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वह थोड़े महंगे साबित हुए, लेकिन 3-3 विकेट भी झटक लिए। अमेरिका के खिलाफ अर्शदीप ने महज 9 रन देकर 4 विकेट झटके और प्लेयर ऑफ द मैच रहे। यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में किसी भी भारतीय की बेस्ट बॉलिंग भी रही।

जसप्रीत बुमराहः वनडे वर्ल्ड कप में इंजरी के बाद वापसी करने वाले बुमराह टीम इंडिया के सबसे जरूरी और अहम खिलाड़ी हैं। अब तक फेंके 25.4 ओवरों में उन्होंने महज 4.12 की इकोनॉमी से रन खर्च किए हैं। वह हर 12वीं गेंद और 8 रन देने में एक विकेट झटक ले रहे हैं। आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच रहे बुमराह कुल 13 विकेट लेकर टीम के दूसरे टॉप विकेट टेकर हैं।

कुलदीप यादवः ग्रुप स्टेज के 4 मैच मिस करने वाले कुलदीप ने सुपर-8 में पहला मैच खेला। इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने महज 19 रन देकर 3 विकेट झटक लिए। कुलदीप एक बार भी प्लेयर ऑफ द मैच नहीं रहे, लेकिन उनका इम्पैक्ट बहुत ज्यादा रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया-बांग्लादेश के खिलाफ 2-2 और अफगानिस्तान के खिलाफ 3 विकेट लिए। कुलदीप हर 10वीं गेंद और 9 रन देने में एक सफलता हासिल कर रहे हैं।

इन प्लेयर्स का योगदान अहम, लेकिन उम्मीदें और ज्यादा

विराट कोहलीः टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में एक्सपेरिमेंट किया और नंबर-3 पर उतरने वाले कोहली को ओपनिंग भेज दिया। इस पोजिशन पर वह बुरी तरह फेल रहे और शुरुआती 3 पारियों में 1, 4 और 0 के स्कोर ही बना सके। सुपर-8 में फिर उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 24 और बांग्लादेश के खिलाफ 37 रन बनाए। ऐसा लगा जैसे विराट फॉर्म में आ गए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खाता खोले बगैर आउट हो गए। इंग्लैंड के खिलाफ भी वह 9 ही रन बना सके। इससे साफ है कि उन्हें वेस्टइंडीज में ओपनिंग नहीं भा रही, हालांकि टी-20 वर्ल्ड कप में 2 बार प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे कोहली के पास फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खुद को साबित करने का आखिरी मौका जरूर बाकी है।

रवींद्र जडेजाः अब तक 13 ही ओवर गेंदबाजी का मौका मिला, इसमें अफगानिस्तान के खिलाफ उन्होंने एक विकेट लिया। बॉलिंग का ज्यादा मौका नहीं मिला, लेकिन उन्होंने प्रेशर बनाया और महज 6.88 की इकोनॉमी से रन खर्च किए। वह 4 पारियों में 20 गेंदें ही खेल सके, लेकिन टीम में सबसे ज्यादा 165 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

मोहम्मद सिराजः ग्रुप स्टेज के शुरुआती 3 मैचों में सिराज बतौर टीम के तीसरे पेसर खेले। उन्होंने 11 ओवर गेंदबाजी की और 5.18 की बेहतरीन इकोनॉमी से रन दिए। उन्हें विकेट एक ही मिला, लेकिन वह लगातार प्रेशर बनाने में कामयाब रहे।

एशियाई खेलों में शामिल किया जाएगा योग?

पीटी उषा के प्रस्ताव पर खेल मंत्री मांडविया ने कही ये बात

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। उषा ने एशियाई ओलंपिक परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह को 26 जून को पत्र लिखकर योग को एक खेल के रूप में एशियाई खेलों में शामिल करने का प्रस्ताव रखा है।

एशियाई खेलों में योग को शामिल करने के भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा के प्रस्ताव पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने अपनी राय रखी। हाल ही में खेल मंत्रालय का जिम्मा संभालने वाले मांडविया ने उषा के इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। उषा ने एशियाई ओलंपिक परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह को 26 जून को पत्र लिखकर योग को एक खेल के रूप में एशियाई खेलों में शामिल करने का प्रस्ताव रखा है।

मांडविया ने कहा, योग की अप्रतिम लोकप्रियता को देखते हुए इसे प्रतिस्पर्धी खेलों का दर्जा देकर एशियाई खेलों में शामिल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किए जाने के लिए काफी मेहनत की है। योग को लोकप्रिय बनाने में भारत अग्रणी रहा है और हमने इसे खेलो इंडिया युवा खेलों में प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में शामिल किया।

ओलंपिक से पहले भारत को बड़ा झटका

दावेदार डीपी मनु डोपिंग मामले में निलंबित

पंचकूला, 29 जून (एजेंसियां)। मनु 15 से 19 मई तक भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में 82.06 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक क्वालिफिकेशन के दावेदार माने जा रहे भाला फेंक खिलाड़ी डीपी मनु को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने प्रतिबंधित स्टेरॉयड के सेवन के आरोप में अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि मनु का पॉजीटिव टेस्ट इस साल अप्रैल में इंडियन ग्रां प्री के दौरान लिया गया था। इससे पहले उन्हें नाडा के निर्देश पर भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने प्रतिस्पर्धाओं से परे रहने के लिये कहा था ।

एशियाई चैम्पियनशिप 2023 में रजत पदक जीतने वाले 24 साल के इस खिलाड़ी का विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से ओलंपिक क्वालीफिकेशन लगभग निश्चित था। इस मामले के सामने आने के बाद हालांकि उनका पेरिस ओलंपिक की दौड़ से बाहर होना लगभग तय है।

वह यहां गुरुवार से शुरू हुई राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप के लिए शुरुआती प्रवेश सूची में थे। लेकिन बाद में जारी की गयी सूची से उनका नाम हटा दिया गया। एएफआई अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि नाडा ने महासंघ से मनु को प्रतियोगिताओं से रोकने के लिए कहा है लेकिन उन्होंने इसकी पुष्टि नहीं की कि एथलीट ने डोपिंग अपराध किया है या नहीं।

सुमरिवाला ने कहा, ''ऐसा कुछ हो सकता है, लेकिन हम अभी नहीं जानते कि वास्तविक कारण क्या है। कल एएफआई कार्यालय (नाडा से) को एक फोन आया था कि उसे (मनु को) प्रतियोगिताओं से रोक दिया जाए।'' उन्होंने कहा, '' इसके अलावा कोई विवरण (किस तरह के संभावित उल्लंघन पर) नहीं दिया गया है। मुझे लगता है कि एथलीट (डीपी मनु) खुद नाडा से पता लगा रहा है कि इसके पीछे क्या कारण है।''

मनु 15 से 19 मई तक भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में 82.06 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।। उन्होंने एक जून को ताइपे शहर में ताइवान एथलेटिक्स ओपन में 81.58 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

मनु विश्व एथलेटिक्स 'रोड टू पेरिस' सूची में 15वें स्थान पर थे और पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की राह पर थे क्योंकि 32 एथलीट पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। क्वालिफिकेशन की अंतिम तिथि 30 जून है।

चोपड़ा और किशोर जेना ने 85.50 मीटर के क्वालीफाइंग मानक को हासिल कर पहले ही ओलंपिक के लिए स्वतः योग्यता हासिल कर चुके है। ओलंपिक के किसी ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धा में एक देश में अधिकतम तीन एथलीट भाग ले सकते हैं।

ओलंपिक जाने वाली रिले धाविका किरण पहल ने स्वर्ण जीता

50.92 सेकंड का समय निकाला

पंचकूला, 29 जून (एजेंसियां)। ओलंपिक जा रही हरियाणा की किरण पहल ने राष्ट्रीय अंतर प्रांत एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में 50 . 92 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीत लिया। किरण ने 50.95 सेकंड का ओलंपिक क्वालिफाइंग मार्क दूसरी बार पार किया। हरियाणा की दीपांशी ने रजत और आंध्र प्रदेश की ज्योतिका श्री दंडा ने कांस्य पदक जीता। ज्योतिका भी पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम की सदस्य है।

मध्यम दूरी के धावक परवाज खान ने 1500 मीटर में तीन मिनट 42.95 सेकंड के साथ स्वर्ण जीता। पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने 100 मीटर में 10.32 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता। ओडिशा के अनिमेष कुजुर को रजत और असम के अमलान बोरगोहेन को कांस्य पदक मिला। महिला वर्ग में कर्नाटक की एस एस स्नेहा विजयी रहीं। महिलाओं के 1500 मीटर वर्ग में के एम दीक्षा तीसरे स्थान पर रही, जबकि पश्चिम बंगाल की लिली दास ने जीत दर्ज की। दिल्ली की चंदा दूसरे स्थान पर रही। पुरूषों के 400 मीटर फाइनल में मोहम्मद अनस ने फोटो फिनिश में मुहम्मद अजमल को हराया।

सुमित नागल को विंबलडन में मिला कड़ा ड्रॉ पहले दौर में होगा सामना

लंदन, 29 जून (एजेंसियां)। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन में मुश्किल ड्रॉ मिला है। नागल पहली बार इस टूर्नामेंट के पुरुष सिंगल्स वर्ग के मुख्य ड्रॉ में खेल रहे हैं। नागल का पहले दौर में सामना सर्बिया के मियोमिर केसमानोविच से होगा। दुनिया के 72वें नंबर के खिलाड़ी नागल की राह कठिन होगी क्योंकि दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी इटली के जानिक सिनर भी इसी ड्रॉ में हैं और तीसरे दौर में उनसे टक्कर हो सकती है।

नागल के लिए पहले दौर की बाधा पार करना भी आसान नहीं होगा क्योंकि उनका सामना रैंकिंग

में अपने से 20 पायदान ऊंचे खिलाड़ी से है। वह नागल को चार साल पहले जर्मनी के कोलोन में हरा चुके हैं। नागल अगर पहले दौर की बाधा पार कर लेते हैं तो स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा और नीदरलैंड के टालोन ग्रीक्सपूर के बीच होने वाले मैच के विजेता से टक्कर हो सकती है। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके नागल 2018 में पुरुष सिंगल्स के पहले दौर के क्वालिफायर में पोलैंड के कामिल एम से हार गए थे। नागल ने इस साल आस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश करके पहले दौर में 31वीं वरीयता प्राप्त कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक को मात दी थी। उन्होंने चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर जीतकर रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह बनाई। पुरुष डबल्स में भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन का सामना फ्रांस के एड्रियन मानारिनो और जियोवान्नि एम पेरिकार्ड से होगा।

ब्रिंदा और दीपा मलिक को 'यूके-इंडिया अवार्ड 2024' से सम्मानित किया गया

लंदन, 29 जून (एजेंसियां)। मुरुगनाथम के जीवन पर 2018 में अक्षय कुमार की फिल्म 'पैडमैन' रिलीज हो चुकी है। इस मौके पर बिंद्रा ने उम्मीद जतायी की भारतीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में अच्छा करेंगे।

भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा और पैरालंपियन दीपा मलिक को विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाले भारतीयों के सम्मान के लिए आयोजित एक समारोह में विशेष पुरस्कार से नवाजा गया है। लंदन में गुरुवार शाम को आयोजित 'इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ)' के वार्षिक 'यूके-इंडिया अवाड्र्स 2024' में सकारात्मक सामाजिक बदलाव के लिए अरुणाचलम मुरुगनाथम 'ग्लोबल इंडियन आइकॉन अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

उनके के साथ-साथ खेल के इन दिग्गजों को सम्मानित किया गया। मुरुगनाथम के जीवन पर 2018 में अक्षय कुमार की फिल्म 'पैडमैन' रिलीज हो चुकी है। इस मौके पर बिंद्रा ने उम्मीद जतायी की भारतीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में अच्छा करेंगे। उन्होंने कहा, ''टोक्यो में हमने सात पदक जीतकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। मुझे उम्मीद है कि पेरिस में हमारा प्रदर्शन उससे बेहतर होगा। उम्मीद है कि हम अपनी पहली महिला ओलंपिक चैम्पियन (स्वर्ण पदक विजेता) को देखेंगे।''

भारत की पहली महिला पैरालंपिक पदक विजेता और भारत की पैरालंपिक समिति की पूर्व अध्यक्ष डॉ. दीपा मलिक ने पैरालंपिक के लिए इसी तरह की बातें कहीं। उन्होंने कहा, ''पैरालंपिक में भारत का पेरिस 2024 में प्रदर्शन टोक्यो से बेहतर होगा। हम अधिक खेल स्पर्धाओं में भाग लेंगे। पिछली बार हमने नौ खेलों में भाग लिया था, इस बार हम 12 खेलों में भाग ले रहे हैं। महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। हमें वहां पदक संख्या बढ़ने की अधिक संभावना दिखती है।''

टी20 विश्व कप 2024 फाइनल से पहले धोनी का नया लुक रिवील

इंटरनेट पर वायरल हुए पूर्व भारतीय कैप्टन

खेल डेस्क, 29 जून (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2024 2024 में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच फाइनल मैच खेला जाएगा। इस मैच के लिए क्रिकेट फैंस बेहद उत्साहित हैं। फाइनल मैच से पहले सोशल मीडिया पर पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने खलबली मचा दी है। महेंद्र सिंह धोनी का नया लुक सामने आया है, जो क्रिकेट फैंस को खूब पसंद आ रहा है।

T20 World Cup 2024 में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को रौंदकर फाइनल में जगह बनाई है। भारतीय क्रिकेट प्रशंसक टीम की इस जीत से बेहद खुश हैं और इंतजार कर रहे हैं कि भारतीय टीम फाइनल में भी अपना विजयी अभियान जारी रखते हुए टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम करे। क्रिकेट फैंस सोशल मीडिया पर भारत की जीत और फाइनल मैच की शुभकामनाएं दे रहे हैं। इस बीच भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने इंटरनेट पर धूम मचा दी है। महेंद्र सिंह धोनी ने अपने नए लुक से सोशल मीडिया पर खलबली मचा दी है। लोगों को उनका

ये नया लुक खूब पसंद आ रहा है।

फिर से बदली हेयर स्टाइल

महेंद्र सिंह धोनी अपनी बेहतरीन हेयर स्टाइल के लिए शुरू से ही पहचाने जाते रहे हैं। कैप्टन कूल ने इस बार भी अपनी नई हेयर स्टाइल से लोगों का दिल जीत लिया है। धोनी का ये नया लुक चंद ही घंटों में सोशल मीडिया पर छा गया। इस लुक में कैप्टन कूल बहुत ही स्वीट और चॉर्मिंग नजर आ रहे हैं। धोनी के प्रशंसक उनकी इस तस्वीर को अपने अकाउंट से साझा भी कर रहे हैं।

आलिम हकीम ने साझा की तस्वीर

बॉलीवुड सेलेब्रिटीज हेयर स्टाइलिस्ट आलिम हकीम ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से महेंद्र सिंह धोनी की 4 तस्वीर शेयर की है।

इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा कि "हमारे यंग, डॉयनमिक और हैंडसम महेंद्र सिंह धोनी। थाला (धोनी) के बाल काटने और उनके स्टाइल को मेंटेन करने में अलग ही आनंद है। वह बहुत ही नार्मल हैं, मुझे तस्वीर भी लेने देते हैं।"

बीआरएस नेताओं को किया गया नजरबंद

वारंगल, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के शनिवार को वारंगल दौरे के दौरान बीआरएस के कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया है। बीआरएस नेता राज्य चिह्न से काकतीय थोरानम को हटाने की कांग्रेस सरकार की योजना पर आपत्ति जता रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क का नाम बदलकर वारंगल टेक्सटाइल पार्क करने के प्रयास के लिए भी सरकार की आलोचना की है। मुख्यमंत्री के दौरे से पहले 2 लाख नौकरियों की मांग और बेरोजगार युवाओं से किए गए चुनावी वादों को लागू करने की मांग को लेकर छात्र संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन किए जाने की आशंका के चलते शुक्रवार रात को काकतीय विश्वविद्यालय के कुछ छात्र नेताओं को एहतियातन हिरासत में ले लिया गया।

बीआरएस नेता वारंगल शहर के लिए एक नया मास्टर प्लान तैयार करने के कांग्रेस नेताओं के प्रस्ताव पर भी आपत्ति जता रहे हैं। बीआरएस का कहना है कि पहले ही बीआरएस सरकार द्वारा एक मास्टर प्लान तैयार किया जा चुका है और नए सर्वेक्षण करने में बहुत समय लगेगा और विभिन्न विकास कार्यों के क्रियान्वयन में देरी होगी। बीआरएस नेता ए राकेश रेड्डी, जिन्हें घर में ही नजरबंद कर दिया गया है, ने कांग्रेस सरकार के तानाशाही प्रशासन की निंदा की। उन्होंने पूछा कि कांग्रेस सरकार 'प्रजा पालन' का दावा करती है, लेकिन लोगों को क्यों गिरफ्तार किया जा रहा है और उन्हें निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से मिलने से क्यों रोका जा रहा है?

राकेश रेड्डी ने मांग की कि हम मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मांग करते हैं कि वह राज्य सरकार की आधिकारिक राज्य प्रतीक से काकतीय थोरानम को हटाने की योजना पर स्पष्टता दें।

वारंगल शहर के एकीकृत विकास के लिए "मास्टर प्लान -2050" तैयार किया जाए : रेवंत रेड्डी

जीडब्ल्यूएमसी की समीक्षा बैठक में बोले

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री श्री ए रेवंत ने आज (शनिवार) ग्रेटर वारंगल नगर निगम (जीडब्ल्यूएमसी) की समीक्षा बैठक में भाग लिया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि वारंगल को हैदराबाद के बराबर विकसित करना चाहते हैं। वारंगल को हेरिटेज शहर के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इनर और आउटर रिंग रोड के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा करें। भूमि अधिग्रहण के लिए आवश्यक निधियों के बारे में पूरी जानकारी दें। वारंगल शहर के एकीकृत विकास के लिए "मास्टर प्लान -2050" तैयार करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। एक राष्ट्रीय राजमार्ग को दूसरे राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने के लिए प्रस्तावित आउटर रिंग रोड को विकसित करने का सुझाव दिया। सुनिश्चित करें कि आउटर रिंग रोड से टेक्सटाइल पार्क को जोड़ने के लिए एक सड़क विकसित की जाए।स्मार्ट सिटी मिशन के तहत भूमिगत जल निकासी प्रणाली विकसित करने के लिए अधिकारियों को योजना तैयार करने के लिए कहा। अधिकारियों को पेयजल पाइपलाइन बिछाने की योजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। नालों के अतिक्रमण को रोकने के लिए सभी उपाय करें। प्रभारी मंत्री को हर 20 दिनों में वारंगल शहर के विकास की समीक्षा करनी चाहिए। सरकार शहर के विकास के लिए मदद देने को तैयार है। वारंगल में डंपिंग की समस्या के लिए स्थायी उपाय खोजें। अधिकारियों को इस दिशा में योजना बनाने के लिए कहा गया है। वारंगल के विकास के लिए अधिकारियों और नेताओं को मिलकर काम करना चाहिए। उनकी सरकार में कुशल अधिकारियों को अच्छे अवसर मिलेंगे।

सरकार राजनीतिक रूप से प्रेरित तबादलों को बर्दाश्त नहीं करेगी और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए तबादलों के खिलाफ़ आवाज़ उठाएगी। हमारा कर्तव्य लोगों का विश्वास जीतना और उनका भरोसा बनाए रखना है।आज की बैठक वारंगल विकास की केवल एक प्रारंभिक समीक्षा है। 45 दिनों में वारंगल विकास पर एक और समीक्षा की जाएगी।

अस्पताल निर्माण लागत बढ़ने से सीएम नाराज

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम रेवंत रेड्डी वारंगल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण की अनुमानित लागत बढ़ाने पर अधिकारियों से नाराज हैं। बिना किसी मंजूरी के अस्पताल निर्माण की अनुमानित लागत 1100 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1726 करोड़ रुपये करने पर अधिकारियों से सवाल किया। मौखिक आदेश देकर अनुमानित लागत में 626 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी करने पर अधिकारियों पर नाराजगी जताई। निर्धारित नियमों के विरुद्ध निर्माण लागत बढ़ाने पर अधिकारियों से पूछताछ की। अधिकारियों को निर्माण लागत का पूरा फोरेंसिक ऑडिट करने का आदेश दिया। निर्माण कंपनी को समय सीमा के भीतर युद्ध स्तर पर अस्पताल का निर्माण पूरा करने को कहा है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता डी श्रीनिवास का निधन

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व राज्यसभा सदस्य डी. श्रीनिवास का शनिवार को 76 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। हैदराबाद स्थित अपने आवास पर सुबह तीन बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। परिवार के सदस्यों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे श्रीनिवास का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। श्रीनिवास पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे और राजनीति से दूर थे। उनका अंतिम संस्कार रविवार को होगा।

श्रीनिवास का जन्म 27 सितंबर 1948 को निजामाबाद जिले में हुआ था। उन्होंने निजाम कॉलेज से अपनी डिग्री पूरी की। बाद में वे राजनीति में आए और कांग्रेस पार्टी में कदम दर कदम आगे बढ़ते गए। वे 1989 में कांग्रेस पार्टी की ओर से मैदान में उतरे और निजामाबाद शहरी क्षेत्र से पहली बार विधानसभा के लिए चुने गए। बाद में वे 1999 और 2004 में विधायक के रूप में जीते। 1998 में उन्हें संयुक्त एपी पीसीसी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

उन्होंने 2004 और 2009 में मंत्री के रूप में कार्य किया जब पार्टी तत्कालीन आंध्र प्रदेश में सत्ता में थी। राज्य के विभाजन के बाद 2015 में वह बीआरएस में शामिल हो गए और राज्यसभा के सदस्य के रूप में चुने गए।

मुख्यमंत्री ने जताया शोक

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पूर्व मंत्री और पूर्व पीसीसी अध्यक्ष धर्मपुरी श्रीनिवास के निधन पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने याद किया कि श्रीनिवास (जिन्हें प्यार से डीएस कहा जाता था) ने पीसीसी अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और लंबे समय तक कांग्रेस पार्टी को असाधारण सेवा प्रदान की। मुख्यमंत्री ने डी श्रीनिवास को याद किया, जो एक कांग्रेस कार्यकर्ता से बड़ी ऊंचाइयों पर पहुंचे और कई राजनीतिक नेताओं के लिए आदर्श हैं। कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ नेता ने तेलंगाना आंदोलन और कांग्रेस में अपने लंबे राजनीतिक कार्यकाल के दौरान भी अपनी अलग पहचान बनाई। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

इमरजेंसी फर्स्ट रिस्पॉन्डर प्रोग्राम में सौ पुलिसकर्मी प्रशिक्षित

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। के. श्रीनिवास रेड्डी, पुलिस आयुक्त, हैदराबाद और अध्यक्ष, एचसीएससी, सी शेखर रेड्डी, महासचिव, राजशेखर रेड्डी, संयुक्त सचिव, ट्रैफिक फोरम, विश्व प्रसाद, ट्रैफिक संयोजक, एचसीएससी और अशोक डीसीपी II ट्रैफिक, शारीरिक सुरक्षा संयोजक, एचसीएससी और हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल (एचसीएससी), ईएमआरआई जीवीके और सीआईआई के सहयोग से, वाईआई (यंग इंडियंस) अभिनव इमरजेंसी फर्स्ट रिस्पॉन्डर प्रोग्राम के माध्यम से हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्रों के सौ अधिकारियों के सफल प्रशिक्षण की गर्व से घोषणा करता है। यह कार्यक्रम ईएमआरआई जीवीके द्वारा संचालित किया जाता है, यह एक दिवसीय कार्यक्रम अस्तित्व की सामाजिक श्रृंखला को बढ़ाता है प्रतिभागी बचाव श्वास, छाती संपीड़न और चिकित्सा, आघात और पर्यावरणीय घटनाओं सहित विभिन्न आपात स्थितियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा जैसे आवश्यक कौशल सीखते हैं। ईएमआरआई जीवीके द्वारा डिज़ाइन किया गया, यह एक दिवसीय कार्यक्रम अस्तित्व की सामाजिक श्रृंखला को बढ़ाता है। कार्यक्रम के पूरा होने पर, 1प्रतिभागियों को एक राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र प्राप्त होगा, जो एक वर्ष की अवधि के लिए प्रमाणित प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में उनकी स्थिति को मान्य करेगा। हम इस पहल के लिए ट्रैफिक फोरम के संयुक्त सचिव राजशेखर रेड्डी, प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए डॉ. सतीश ईएमआरआई जीवीके, एचसीएससी और हैदराबाद पुलिस के साथ साझेदारी करने के लिए सीआईआई, वाईआई (यंग इंडियंस) को बुनियादी जीवन समर्थन प्रशिक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने और हमारे ट्रैफिक फोरम के तहत एक अच्छा बनाने के लिए आभार व्यक्त करते हैं।

कुछ मार्गों पर एमएमटीएस सेवाएं रद्द

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद और हैदराबाद डिवीजनों में परिचालन कार्यों के कारण 29 जून से 6 जुलाई के बीच कुछ एमएमटीएस सेवाएं रद्द कर दी गई हैं।

रद्द की गई ट्रेन सेवाएं हैं मेडचल - लिंगमपल्ली (47222); लिंगमपल्ली - मेडचल (47225); मेडचल - सिकंदराबाद (47235); सिकंदराबाद - मेडचल (47236); मेडचल - सिकंदराबाद (47237); सिकंदराबाद - मेडचल (47238); मेडचल - सिकंदराबाद (47242) और सिकंदराबाद - मेडचल (47245)।

रेलवे प्राधिकारियों ने रेल उपयोगकर्ताओं से अनुरोध किया है कि वे ट्रेनों के समय में परिवर्तन को ध्यान में रखें तथा उसके अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

वैन पलटने से 25 मजदूर घायल

नगरकुरनूल, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोडेरू मंडल के जनमपल्ली गांव के बाहरी इलाके में शनिवार सुबह एक वैन पलट जाने से उसमें सवार लगभग 25 मजदूर घायल हो गए। तीन लोगों को गंभीर चोटें आईं और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें नागरकुरनूल के सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है । करीब 10 मजदूरों का इलाज कोडेरू इलाके के अस्पताल में चल रहा है। ये मजदूर महासमुद्रम और कोडेरू गांव के मूल निवासी हैं।

पूर्व सांसद रमेश राठौड़ नहीं रहे

पूर्व सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश राठौड़ के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "रमेश राठौड़ का निधन चौंकाने वाला और बेहद दुखद है। वे भाजपा में सक्रिय थे। हाल ही में हुए विधानसभा और संसदीय चुनावों में भी उन्होंने पार्टी के लिए बहुत उत्साह से काम किया। तेलंगाना आंदोलन के दौरान उन्होंने संयुक्त आदिलाबाद जिले में भी अहम भूमिका निभाई थी। जिला परिषद अध्यक्ष, विधायक और सांसद के तौर पर वे हमेशा लोगों के बीच समय बिताना पसंद करते थे। रमेश राठौड़ के निधन की खबर दुखद है। मैं उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहा हूं। परिवार के सदस्यों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।" लक्ष्मण सदमे में राज्यसभा सदस्य और भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा कि पूर्व सांसद और भाजपा नेता रमेश राठौड़ का दिल का दौरा पड़ने से अचानक निधन गहरा सदमा है। उन्होंने कहा कि वे जिला परिषद के अध्यक्ष, विधायक और सांसद के तौर पर लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध रहने वाले व्यक्ति थे। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय ने भी आदिलाबाद के पूर्व सांसद रमेश राठौड़ के निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा, "मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि राठौड़ को शांति मिले। उन्होंने कहा, "ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे और परिवार के सदस्यों को हिम्मत दे।" बीजेएलपी नेता एलेटी महेश्वर रेड्डी ने रमेश राठौड़ के निधन पर दुख व्यक्त किया और कहा कि उनके पार्टी नेता की अचानक मौत भाजपा के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने संयुक्त आंध्र प्रदेश, खासकर संयुक्त आदिलाबाद में आदिवासी क्षेत्रों के विकास में उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा, "संयुक्त आदिलाबाद जिला परिषद के अध्यक्ष, विधायक और सांसद के रूप में उन्होंने आदिलाबाद क्षेत्र के विकास और आदिवासियों के उत्थान का समर्थन किया था। रमेश राठौड़ के असामयिक निधन ने सभी को झकझोर दिया है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्मा को शांति मिले और उनके परिवार के सदस्यों को हिम्मत मिले।"

स्कूल में कक्षा 3 की छात्रा को सांप ने डसा

कुमराम भीम आसिफाबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर (टी) मंडल के अछेली गांव में शनिवार को सरकारी स्कूल में कक्षा 3 की छात्रा को उस समय सांप ने काट लिया जब वह स्कूल परिसर में खेल रही थी।

उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह करीब 8 बजे स्कूल में खेलते समय दर्शिता को एक अज्ञात सांप ने काट लिया। उसके सहपाठियों ने उसके माता-पिता को इसकी सूचना दी, जिन्होंने उसे सिरपुर (टी) शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में उसे मंचेरियल शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सांसद ने एम्स का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भुवनगिरी के सांसद सी. किरण कुमार रेड्डी ने शनिवार को यदाद्री भुवनगिरी जिले के बीबी नगर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का निरीक्षण किया। ब्लड बैंक, प्रयोगशालाओं के प्रदर्शन के बारे में पूछताछ की। मेडिकल कॉलेज प्रशासन, अस्पताल सेवाएं , अस्पताल भवन और प्रशासन भवन का दोबारा निरीक्षण किया। अकादमिक कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर डॉ. विकास भाटिया से उन्होंने जानकारी ली। बाह्य रोगी विभाग में जाकर उनसे बात की और अस्पताल द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी ली। भवनों के निर्माण की जांच की गयी और एम्स अधिकारियों के साथ समीक्षा की गयी। आउटसोर्सिंग जॉब प्लेसमेंट के लिए भर्ती की प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। पूर्ण चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने के लिए आवश्यक धनराशि के बारे में समीक्षा की गई। इस अवसर पर स्थानीय विधायक श्री कुंभम अनिल कुमार रेड्डी, यदाद्री जिला कलेक्टर हनुमंतु के जेंदागे, अस्पताल अधीक्षक डॉ. लकी रेड्डी आदि उपस्थित रहे।

चंद्रबाबू ने पेंशनभोगियों को लिखा खुला पत्र

वेलगापुड़ी 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को राज्य के पेंशनभोगियों को एक खुला पत्र लिखा। उन्होंने कहा, "मेरी सरकार का पहला कर्तव्य लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करना था। तत्काल कार्य आपकी आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करना है। जैसा कि चुनाव से पहले घोषणापत्र में कहा गया था, मौजूदा पेंशन में 1000 की वृद्धि की गई है। अब से हम 4,000 रुपये पेंशन देंगे।" उन्होंने कहा कि 3,000 प्रति माह को बढ़ाकर <4000 प्रति माह कर दिया गया है और कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों की पेंशन अब बढ़ाकर 6000 प्रति माह कर दी गई है। उन्होंने कहा, "1 जुलाई से 28 समुदायों के 65,18,496 पेंशनभोगियों को घर बैठे बढ़ी हुई पेंशन दी जाएगी। नई सरकार के सामने कई आर्थिक मुद्दे हैं। सरकार बनने के पहले दिन से ही हमने लोगों के कल्याण के लिए अच्छे फैसले लिए हैं। पेंशन में बढ़ोतरी से सरकार पर हर महीने 819 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। लोगों के लाभ के लिए यह फैसला तुरंत लागू किया गया है। चुनाव के दौरान तत्कालीन सत्ताधारी पार्टी ने विकृत राजनीति के लिए आपको पेंशन को लेकर बहुत परेशान किया। उन तीन महीनों में आपको अपनी पेंशन पाने में जो मुश्किलें झेलनी पड़ीं, उसे देखकर मैं हैरान रह गया। भीषण गर्मी में मैंने देखा कि आप गर्मी के बीच कैसे गिरे थे। हमने अप्रैल से पेंशन बढ़ोतरी लागू करने का वादा किया है। यह बढ़ोतरी अप्रैल, मई और जून के महीनों के लिए भी लागू है।" तीन महीने के लिए 3,000 रुपये और जुलाई महीने के लिए 4,000 रुपये मिलेंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने पेंशन कार्यक्रम का नाम दिवंगत एनटीआर के नाम पर रखा है, जो कल्याण के शासक और सामाजिक पेंशन प्रणाली के अग्रणी थे। उन्होंने लोगों से लोगों की सरकार को आशीर्वाद देने का आग्रह किया, जो हमेशा अच्छा करने की कोशिश करती है।

कोंडागट्टू जाते समय प्रशंसकों ने पवन कल्याण का किया स्वागत

सिद्दीपेट, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता से नेता बने आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण का शनिवार को सिद्दीपेट जिले में राजीव राहधारी पर भव्य स्वागत किया गया, जब वह जगित्याल जिले में स्थित कोंडागट्टू में श्री अंजनेया स्वामी मंदिर जा रहे थे। वह कोंडागट्टू में भगवान की पूजा-अर्चना करने के लिए तीर्थ यात्रा पर थे। पवन कल्याण आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद पहली बार तेलंगाना में सार्वजनिक रूप से नजर आए। रास्ते में उनके प्रशंसक जय कल्याण बाबू, जय तेलंगाना के नारे लगाते रहे। इस बीच, पवन लगातार हाथ हिलाते रहे और चेहरे पर बड़ी मुस्कान के साथ उनका अभिवादन करते रहे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.